ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यदि सीएम में गरिमा, सम्मान और नैतिकता है तो उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 03 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-154

भाजपा की संभावित एवं अनुमानित ऐतिहासिक जीत की समीक्षा

बेहतरीन कमांड, सटीक रणनीति और बेजोड़ युद्ध-कौशल को श्रेय

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल्स के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने एक बार फिर मोदी सरकार की भविष्यवाणी कर दी है। सिर्फ जीत दर्ज नहीं हो रही है, बल्कि अनुमान प्रचंड बहुमत का लगाया गया है। इस बार पीएम मोदी का 400 पार वाला लक्ष्य भी सही साबित होता दिख रहा है। भाजपा की संभावित एवं अनुमानित ऐतिहासिक जीत का श्रेय एनडीए के बेहतरीन कमांड, सटीक रणनीति और बेजोड़ युद्ध-कौशल को जाता है। अब जब एग्जिट पोल्स के आंकड़े सामने आ गए हैं, उसका विश्लेषण भी शुरू कर दिया गया है। अमित शाह का मिशन-120 भी इस विश्लेषण का एक बड़ा आधार है।

असल में 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की एक बड़ी बैठक बुलाई थी। उस बैठक में पार्टी ने कुल 120 ऐसी सीटों को टारगेट किया था जहां पर उसे पिछले चुनाव में हार मिली थी, लेकिन संघर्ष करने पर जीतने की उम्मीद थी। अमित शाह ने मिशन-120 की योजना तैयार की थी। ऐसी तमाम सीटों पर केंद्र के मंत्रियों द्वारा लगातार दौरा करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने का असाइनमेंट दिया गया। इस योजना के तहत उन संसदीय क्षेत्रों में खास कर सरकार

की योजनाओं को जमीन पर अमलीजामा भी पहनाने की सक्रिय कोशिश हुई। इन 120 सीटों में दक्षिण भारत की सीटें शामिल थीं और पूर्वोत्तर को भी टारगेट किया गया था।

समझने वाली बात यह है कि दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर की सीटों को अगर मिला दिया जाए तो कुल 218 सीटें बैठती हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने इन 218 सीटों में से 73 पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में एक तरफ पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय दलों का दबदबा था तो दक्षिण भारत में केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पार्टी का खाता तक नहीं खुला था। इसी वजह से चुनावी नतीजों के बाद तय किया गया कि भाजपा ने जहां थोड़ी भी टक्कर दी थी, उन सीटों पर फिर जोर लगाया जाए और उन सीटों पर हारी हुई बाजी को पलटने की तैयारी हो।

अब एग्जिट पोल्स के जो आंकड़े आए हैं, वो बता रहे हैं कि भाजपा ने दक्षिण में जोरदार दस्तक दी है। जिस पार्टी का तमिलनाडु में पहले खाता तक नहीं खुल रहा था, इस बार वो 4 सीटें तक जीत सकती है। भाजपा से एक चूक जरूर हुई कि उसने तमिलनाडु में एआईडीएमके के साथ गठबंधन नहीं किया। अगर ऐसा होता तो तमिलनाडु में अप्रत्याशित रूप से भाजपा की झोली में कई सीटें गिर सकती थीं। बहरहाल, जिस केरल में पिछले कई साल से भारतीय जनता पार्टी लगातार मेहनत कर रही थी, वहां अब जाकर वह 3 से 4 सीटों पर लड़ाई की स्थिति में है ▶8 पर

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित

अरुणाचल में भाजपा को भारी बहुमत सिक्किम में एसकेएम फिर सत्ता में

ईटानगर/गंगटोक, 02 जून (एजेंसियां)।

पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से जीत मिली है। सिक्किम में भी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने 60 सीटों में से 46 सीटों पर पर जीत दर्ज की। एनपीपी ने 5, एनसीपी ने 3, पीपीए ने 2, निर्दलियों ने 3 और कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत हासिल की। सिक्किम में सत्तारूढ़ एसकेएम को 32 में से 31 सीटों पर जीत मिली है। वहां एसडीएफ को एक सीट मिली है। अरुणाचल प्रदेश में देश की सबसे पुरानी पार्टी

अरुणाचल में भाजपा को मिली 46 सीटें कांग्रेस पार्टी को एक

सिक्किम में एसकेएम को मिली 31 सीटें एसडीएफ को एक

कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। कांग्रेस पार्टी निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गई।

सिक्किम में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) को 32 में से 31 सीटों पर जीत मिली है। दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का अपना-अपना दावा पेश कर दिया है। दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी-अपनी सीटें जीत गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के मतदाताओं को इस ऐतिहासिक जीत की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं। मैं अपने कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना करता हूं। हमारी पार्टी सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के विकास और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमेशा सबसे आगे रहेगी। मैं चुनाव अभियान के दौरान अरुणाचल प्रदेश के असाधारण कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करना चाहूंगा। जिस तरह से उन्होंने पूरे राज्य में जाकर लोगों से सम्पर्क साधा, वह सराहनीय है।

2019 के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 41 सीटें जीती थीं और पेमा खांडू फिर से मुख्यमंत्री बने थे। कांग्रेस केवल 4 सीटें जीत पाई थी। जबकि जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और एनपीपी ने क्रमशः 7 और 5 सीटें जीती थीं। इससे पहले 2014 में हुए अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 42 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा केवल 11 सीटें जीतने में सफल हो पाई थी। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने 5 सीटें जीती थीं।

अरुणाचल प्रदेश में कोई बड़ी क्षेत्रीय राजनीतिक दल नहीं है। यहां पर भाजपा और कांग्रेस दो बड़े दल हैं और इन्हीं के बीच लड़ाई थी। ▶8 पर

एग्जिट पोल्स में भाजपा के लिए दक्षिण से उत्साहजनक खबर

तेलंगाना, आंध्र और कर्नाटक में एनडीए को मिलेगी अच्छी जीत

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल के आकलन भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को राहत दे रहे हैं और दक्षिणी राज्यों को लेकर एग्जिट पोल के अनुमान भाजपा को अत्यंत खुश कर रहे हैं। एग्जिट पोल्स का अनुमान कहता है कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भाजपा को काफी अच्छे परिणाम हासिल होंगे। तमिलनाडु और केरल में भी भाजपा को जीत की प्रतिष्ठा हासिल होगी।

भाजपा लगातार दक्षिण के राज्यों में अपना पैर जमाने की कोशिश कर रही है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, वह कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करने जा रही है और तेलंगाना और तमिलनाडु में भी उसे बढ़त मिलने की उम्मीद है। केरल यूडीएफ का एक मजबूत गढ़ है, इसके बाद भी एग्जिट पोल्स के मुताबिक भाजपा यहां अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगी और वह इस राज्य में दो सीटें जीत सकती है। भाजपा आज तक केरल में एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत पाई है।

2019 के लोकसभा चुनाव में यूडीएफ ने केरल की 20 में से 19 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी और तब यह माना गया था कि ऐसा राहुल गांधी के वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की वजह से हुआ है। वाम दलों के गठबंधन लेफ्ट

तमिलनाडु और केरल में भी भाजपा दर्ज कराएगी मौजूदगी

डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) को सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिली थी।

एग्जिट पोल्स के सर्वेक्षण में तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन को 39 लोकसभा सीटों में से 35 और भाजपा को चार सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यहां एक भी सीट नहीं मिली थी और तब डीएमके गठबंधन ने 38 सीटें जीती थी।

तमिलनाडु के एग्जिट पोल के आंकड़ों को राज्य में भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई के नेतृत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा ने यहां पर एआईएडीएमके की जगह लेने की कोशिश की है। ▶8 पर

आतंकियों का हैंडलर गेरार्ड कोलंबो से गिरफ्तार

गुजरात एटीएस की टीम जाएगी श्रीलंका

गेराड

कर्णावती, 02 जून (एजेंसियां)।

गुजरात एटीएस ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चार आतंकियों को गिरफ्तार किया था। गुजरात से पकड़े गए इन चारों श्रीलंकाई आतंकियों का प्रमुख सूत्रधार और हैंडलर उस्मान पुष्पराजा गेरार्ड कोलंबो में पकड़ा गया है। अब गुजरात एटीएस पुष्पराजा को लाने के लिए श्रीलंका जाएगी।

गुजरात एटीएस ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर से 21 मई को मोहम्मद नुसरत, नफ़रान, रसदीन और फरिस नाम के चार आतंकियों को दबोचा था। ये चारों आतंकी श्रीलंका से भारत में आए थे, ऐसा जांच में सामने आया था। जिसके चलते श्रीलंका सरकार भी इस जांच में जुड़ी थी। श्रीलंका पुलिस की सीआईडी और टेररिस्ट इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने मिलिट्री इंटेलिजेंस ब्रांच के साथ मिलकर शुरू किए हुए ऑपरेशन के तहत हैंडलर उस्मान पुष्प राजा गेरार्ड पकड़ा गया। श्रीलंका पुलिस की जांच में सामने आया है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट से पकड़े गए चारों आतंकियों को गेरार्ड सूचना देता था। इन चारों आतंकवादियों के संपर्क में रहे छठे आरोपी को श्रीलंका सरकार ने गिरफ्तार किया है। ▶8 पर

अपनी सत्ता वाले राज्यों में भी इज्जत नहीं बचा पा रहा इंडी गठबंधन

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल सामने आ चुके हैं। अधिकांश एग्जिट पोल ने साफ कर दिया है कि देश में तीसरी बार मोदी सरकार वापस आ रही है। एग्जिट पोल ने यह भी साफ़ किया है कि भाजपा स्पष्ट जनादेश की तरफ बढ़ रही है। इसके साथ ही यह बात भी निकल कर आई है कि कांग्रेस की अगुवाई वाला विपक्षी गठबंधन अपनी सत्ता वाले राज्यों में भी अपनी सीटें बचाने में नाकाम हो गया है। विपक्ष के शासन वाले अधिकांश राज्यों में भाजपा को फायदा होता दिख रहा है। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को कांग्रेस शासन के राज्य तेलंगाना में 17 में से 11-12 सीटें मिलती दिख रही हैं। सत्ताधारी कांग्रेस 4-6 के बीच सिमट रही है। यानि भाजपा को यहां 7-8 सीटों का फायदा मिलता दिख रहा है। 2019 में तेलंगाना में भाजपा को 4 सीट मिली थीं। कांग्रेस यहां सत्ता में आने के कुछ ही महीनों के भीतर रेस से बाहर हो गई है। दूसरी तरफ पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी भाजपा ने अपनी बड़ी बढ़त बरकरार रखी है।

कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 28 में से 23-25 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। यहां 2019 में एनडीए को 25 सीट मिली थीं। कांग्रेस यहां 2022 में सत्ता में आई थी। इसके बाद से अनुमान लगाया जा रहा था कि उसे लोकसभा चुनावों में भी फायदा होगा, ▶8 पर

पश्चिम बंगाल में बौखलाहट भरी हिंसा शुरू

भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर सिर काट ले गए

नदिया, 02 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा थम नहीं रही है। शनिवार को सातवें चरण के मतदान के बाद नादिया जिले में एक भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय वह चाय की दुकान पर बैठे थे। उनका नाम हफीजुल शेख था। वह कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे। हमलावरों ने पास में आकर उनके सिर पर गोली मार दी और उनका सिर काट कर साथ ले गए। भाजपा कार्यकर्ता का शव वहीं काफी देर तक पड़ा रहा, लोग चीखते रहे, लेकिन पुलिस नहीं आई। हत्यारों में कासिम, सोहोज, नसीम, सोबुज, अली, बंडू वगैरह शामिल थे। यह वारदात नादिया जिले के चांदपुर गांव की है। सभी हत्यारे तृणमूल कांग्रेस के सदस्य बताए गए हैं। मृतक के भाई ने टीएमसी के गुंडों के नाम पुलिस को बताए हैं। मृतक के भाई ने बताया हफीजुल पहले सीपीआई-एम में थे, लेकिन कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। उन पर टीएमसी ज्वाइन करने का काफी दबाव था। इस बार लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में अकेले शनिवार को 2.5 हजार से ज्यादा शिकायतें सिर्फ पश्चिम बंगाल से मिली हैं। ▶8 पर

केजरीवाल के सारे हथकंडे नाकाम, जमानत अवधि खत्म

आखिरकार जाना ही पड़ा तिहाड़ जेल

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के मुताबिक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। जेल में आत्मसमर्पण के पहले केजरीवाल राजघाट गए, हनुमान मंदिर में मत्था टेका और पार्टी नेताओं से भी मिले। रस्सी की ऐंठन बरकरार रखते हुए दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई 21 दिनों की ▶8 पर

शेयर मार्केट

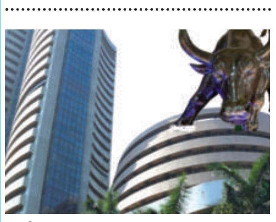

बीएसई : 73,885.60
-617.30 -0.83% ↓

एनएसई :22,488.65
-216.05 (-0.95%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 22°

घुसपैठियों के कारण पूर्वोत्तर में आबादी का भीषण असंतुलन

असम का अस्तित्व हजम कर रही मुस्लिम आबादी

गुवाहाटी, 02 जून (एजेंसियां)।

भारत के 525 जातीय समुदायों में से 247 जातियां पूर्वोत्तर में पाई जाती हैं। देश की कुल आबादी में से 4.5-5 करोड़ आबादी इस क्षेत्र में बसती है। असम के कुछ छोटे जातीय समुदायों जैसे ताई फाके या ताई खामियाम, जो बौद्ध हैं, की आबादी 5,000 तक है। इनमें अधिकांश समुदाय पारंपरिक व्यापार करते थे, जो विभिन्न रूपों में हिंदू धर्म का विस्तार था। लेकिन बीते 100 वर्ष में खासकर, आजादी के बाद नागालैंड, मिजोरम, मेघालय जैसे राज्य मिशनरी गतिविधियों के कारण ईसाई बहुसंख्यक हो गए हैं।

सबसे बड़ा जनसांख्यिक परिवर्तन बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हुआ है, जिसे आजादी से पहले अंग्रेजों ने प्रोत्साहित किया था और जिसने आजादी के बाद गति पकड़ी। घुसपैठ का सर्वाधिक प्रभाव असम पर पड़ा है। इसका कारण यह है कि पूर्वोत्तर के अन्य राज्य वनवासी बहुल हैं, जहां संविधान के तहत स्थानीय जनजातियों को भूमि, संसाधन, रोजगार आदि की सुरक्षा प्राप्त है। पर बांग्लादेशी

नागालैंड, मिजोरम, मेघालय में ईसाई धर्मांतरण बेतहाशा

घुसपैठिए आर्थिक प्रवासी हैं। इनमें अधिकांश मुस्लिम हैं और इनमें जमीन की भूख है। इसी के लिए वे उत्तर-पूर्व में आते हैं। असम को छोड़कर सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों में यह कानून है कि गैर-स्थानीय लोग भूमि का अधिग्रहण नहीं कर सकते। चूंकि असम में ऐसा कानून नहीं है, इसलिए घुसपैठियों ने बसने के लिए विकल्प के तौर पर इस राज्य को चुना, जिससे उन्हें भूमि व अन्य संबंधित अधिकार जैसे- सरकारी सहायता, रोजगार, चिकित्सा लाभ आदि प्राप्त करने में मदद मिली।

2021 में बांग्लादेश का जनसंख्या घनत्व 1144 था, जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार असम का जनसंख्या घनत्व 382 प्रति वर्ग किलोमीटर था। बांग्लादेशी घुसपैठियों में अधिकांश मुस्लिम हैं। लगातार घुसपैठ ने राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना को पूरी तरह से बदल दिया है। 1901 में राज्य का एक भी जिला मुस्लिम बहुल नहीं था। हालांकि 1951 तक मुस्लिम आबादी बढ़ी पर कोई जिला मुस्लिम बहुल नहीं था।

2001 से 2011 के बीच भारी बदलाव आया और राज्य के 9 में से 6 जिले मुस्लिम बहुल हो गए। यह बदलाव 1971 के बाद शुरू हुआ, जो नागरिकता प्रदान करने के लिए कटऑफ वर्ष है। 1971 में राज्य में हिंदुओं की आबादी 72.5 प्रतिशत थी, ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

जीतो व्यापारिक मेले का उद्घाटन 7 जून को

व्यापारियों को मिलेगा एक अतिरिक्त दिन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। समाज की शिक्षा, सेवा एवं आर्थिक सुदृढ़ता के लिये समर्पित जीतो के बेंगलूरु साउथ चैप्टर द्वारा आगामी 8-9 जून को आयोजित होने वाले जीतो ग्रोथ समिट के व्यापारिक मेले में व्यापारियों को एक दिन पहले ही अपने उत्पाद एवं पेशेवरों को अपनी सेवाओं को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने बताया कि ग्रोथ समिट का आयोजन 2 दिनों का रहेगा, लेकिन इस दौरान आयोजित होने वाले व्यापारिक मेले में स्टाल लेने वाले व्यापारियों एवं पेशेवरों को उनकी अत्यधिक मांग को देखते हुए जीतो साउथ ने बड़ा कदम उठाते हुए प्रदर्शनी एक दिन पहले प्रारंभ करने का निर्णय लेकर व्यापारियों को अतिरिक्त लाभ दिया है।

उनके अनुसार जीतो एपेक्स, केकेजी जोन व चैप्टर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रसिद्ध हस्तिया व्यापारिक मेले का 7 जून को उद्घाटन करेंगे जो व्यापारिक नेटवर्किंग व उत्पाद प्रदर्शन को चिन्हित करेगा। उन्होंने कहा कि लगभग 60000 आगंतुकों की उपस्थिति से व्यापारियों को अपने उत्पाद व सेवाओं को ग्राहकों तक पहुंचाने का यह स्वर्णिम अवसर मिलेगा।

जीतो बेंगलूरु साउथ के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल के अनुसार 7 जून से प्रारंभ 3 दिवसीय व्यापारिक मेले के साथ 8-9 जून को ग्रोथ समिट में जेपीएफ राष्ट्रीय सम्मेलन, केकेजी जोन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, स्टेबिन बेन व सोल जैम के साथ संगीत संध्या, जैन गॉट टैलेंट, आधुनिक तकनीक के साथ जैन मंडप, इमर्सिव वीआर थिएटर अनुभव के उपयोग से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सोना-चांदी जैसी कीमती धातु के गहनों में रूची रखने वालों के लिये नवरतन ज्वेलर्स, श्री कृष्णा डायमंडएन ज्वैलर्स, पंच केशरी बड़ेरा, मोती ज्वैल पैलेस, अनन्या ज्वैल्स, निखार, ज्वैल इंडिया ज्वेलर्स, एम पी ज्वैलर्स एचएसआर लेआउट आदि प्रतिष्ठित विक्रेताओं की स्टाल्स पर अनेकों विकल्प मिलेंगे। साथ ही रियल स्टेट, शिक्षा, कपड़े, गारमेंट्स, फर्नीचर, कृत्रिम आभूषण, खाद्य सामग्री इत्यादि की स्टाल से ग्राहकों को एक ही छत के नीचे कई प्रकार के नये व आधुनिक उत्पादों का अनुभव मिलेगा। पूरा प्रदर्शनी क्षेत्र वातानुकूलित होगा, सीसीटीवी कैमरों से लैस रहेगा और सभी आगंतुकों के लिये सुरक्षित व आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिये 24 घंटे सुरक्षा, एंबुलेंस व अग्निशमन सुविधाओं से सज्जित होगा।

मातृत्व का जश्न मनाएं पर आधारित कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में राजाजीनगर कन्यामण्डल द्वारा शुक्रवार को माताओं के साथ मातृत्व का जश्न मनाएं पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सयोजिका प्रेक्षा वेदमुथा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी माँ-बेटी की जोड़ियों का स्वागत किया।

सीपीएस जोनल ट्रेनर लता नवलखा ने माँ -बेटी के अनोखे रिश्ते की अहमियत के बारे में बहुत अच्छी और सरल तरीके से समझाया। मां की ममता एवं त्याग को ज्ञानवर्धक कहानी एवं उदाहरणों के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। उपस्थित सभी माँ-बेटियों से बहुत ही सुन्दर एक्टिविटी भी करवाई। सभी ने अपनी माँ के बारे में इंटरेस्टिंग बातें बताई। कन्याओं ने रोचक और स्वादिष्ट जैन व्यंजनों की प्रदर्शनी भी की। इसमें निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमुथा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। सभी कन्याओं को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं में प्रेक्षा वेदमुथा, पूर्वी मुथा और दिया गन्ना शामिल थी। कन्यामण्डल प्रभारी अरुणा कोठारी ने आभार व्यक्त किया।

उपाध्याय पुष्कर मुनि ज्ञान दर्शन चरित्र की साधना के पावन संगम थे : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्वावधान एवं साध्वी डॉ दर्शन प्रभा जी के पावन सानिध्य में उपाध्याय श्री पुष्करमुनि जी की 100 वीं दीक्षा जयंती, श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेश मुनि जी का 43वां दीक्षा दिवस दो -दो सामायिक की साधना के साथ सामायिक दिवस के रूप में हनुमंत नगर जैन स्थानक में मनाया गया। सर्वप्रथम महिला मंडल की किरण संचेती के मंगलाचरण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। धर्म सभा में प्रखर व्याख्याता महासती डॉ दर्शन प्रभा जी ने उपाध्याय पुष्करमुनि जी का गुणानुवाद करते हुए कहा कि पूज्य गुरुदेव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुत प्रभावशाली था। वे ज्ञान दर्शन चारित्र की साधना के पावन संगम थे। श्रमण संघ के उपाध्याय गुरु अनुशासन प्रतिपालक थे, जिन्होंने अपनी प्रखर साधना के बल पर प्रभु महावीर के जिनशासन, श्रमण संघ की, धर्म की महती प्रभावना की और जन जन की आस्था के केन्द्र बनकर जगत में विश्व संत के रूप में पहचाने गए। साध्वी ने सभा में गुरु देव के संयमी जीवन के अनेक प्रेरक संस्मरण सुनाए। उन्होंने श्री नरेश मुनि जी के बहुआयामी संयमी जीवन पर प्रकाश डालते हुए उप प्रवर्तक के 43 वें दीक्षा दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। हनुमंत नगर संघ मंत्री सुरेश धोका ने संघ की ओर से तीनों पूज्य चारित्र आत्माओं के गुण स्मरण करते हुए उनके संयम जीवन की मंगल अनुमोदना की। महावीर मेहता, मीठालाल भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विभिन्न संघ, संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारीगण, हनुमंत नगर संघ, ट्रस्ट के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यगण सहित रंजीतमल कानूगा, संपतराज मरलेचा , सुखराज कोठारी, रमेश सिसोदिया, सुमेरमल मुनोत, गणेशमल गुगलिया , विशाल धारीवाल, विकास मेहता एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विकास छाजेड़ बने तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरी नगर की सप्तम वार्षिक साधारण सभा रविवार को अध्यक्ष विकाश छाजेड़ की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में आयोजित की गई। सामूहिक नवकार मंत्र द्वारा मंगलाचरण कर वार्षिक साधारण सभा की शुरूआत की गई। विजय गीत का संगान तुलसी संगीत सुधा के साथियों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा ने किया। तेयुप राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत अभिनन्दन करते हुए गत वर्ष में कार्यकर्ताओं द्वारा मिले सहयोग की सराहना की। मंत्री धर्मेश नाहर ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सत्र 2023-24 के कार्यकाल में किए गए कार्यों का उल्लेख किया व सभी के सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया।

कोषाध्यक्ष सौरभ चौरडिया ने सत्र 23-24 में हुए आय-व्यय के बारे में जानकारी साझा किया। आचार्य तुलसी डायग्नॉस्टिक सेंटर के संयोजक नरेश बांठिया ने वर्ष भर में किए गए कार्यों की जानकारी प्रदान की तथा एटीडीसी समिति सदस्य पंकज बैद ने आय व्यय की जानकारी प्रदान की। कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें तेयुप राजराजेश्वरी नगर सदस्यों द्वारा गत कार्यकाल में किये गये कार्य के लिए उन्हे उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। दूसरे सत्र में वर्तमान कमेटी को भंग कर मंच चुनाव अधिकारी मनोज डागा एवं सह चुनाव अधिकारी विकास दुगड़ को सौंप दिया गया। चुनाव अधिकारी मनोज डागा ने अध्यक्ष पद हेतु बिकाश छाजेड़ के नाम का नामांकन पत्र प्राप्त होने की जानकारी देते हुए उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया। नवमनोनीत अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि संघ का काम हो, संघ का नाम हो और इसके लिए हमें एक जुट होकर काम करना है। हमे साथ मिलकर परिषद को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है।

दायित्व बोध ग्रहण का आयोजन

जिन्दगी में कुछ पल ऐसे आते है जिसमें हमें कुछ विशिष्ट करने की मिलती है प्रेरणा : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा (राजाराजेश्वरी नगर) के कार्यकारी वर्ष 2024-26 के नवमनोनीत अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के अपनी नवगठित कार्यसमिति सदस्यों के साथ 'दायित्व बोध का शपथग्रहण' कार्यक्रम का आयोजन आचार्य महाश्रमणजी की विदूषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी के पावन सान्निध्य में किया गया। महासभा के कर्नाटक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया।

निवर्तमान अध्यक्ष छतरसिंह सेठिया ने नवमनोनीत अध्यक्ष राकेश छाजेड़ को अध्यक्ष पद के दायित्व-बोध की शपथ दिलाई। तत्पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अपनी सशक्त टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष के रूप में सरोज आर बैद, अनिल सुराना एवं राजेश छाजेड़, मंत्री के रूप में गुलाब बाँठिया, कोषाध्यक्ष के रूप में देवेन्द्र नाहटा, सहमंत्री के रूप में बुद्धमल बैंगाणी एवं राजेश भंसाली, संगठन मंत्री के रूप में बिनोद बोथरा के नामों की घोषणा की।

संरक्षक के रूप में कमलसिंह दुगड़ तथा परामर्शक के रूप में बिमल मुणोत, उम्मेदसिंह गोलछा, धनराज टाँटिया, सुरेश दक एवं टीम के अन्य सदस्यों के नाम की घोषणा करते हुए सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। शपथग्रहण के साथ ही पूरी टीम ने साध्वीवृन्द को विधिवत् वंदना की।

नवनियुक्त अध्यक्ष ने देव-गुरु-धर्म की साक्षी तथा श्रावक समाज की उपस्थिति में अपने आपको एक संघहित में समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा पद तो मात्र एक व्यवस्था है। मुझे लगता है जिम्मेदारी के यह दो वर्ष मेरे समय का सदुपयोग है। साध्वी उदितयशा जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जिन्दगी में कुछ पल ऐसे आते है जिसमें हमें कुछ विशिष्ट करने की प्रेरणा मिलती है। कार्य आप करते ही हैं लेकिन जब हम व्यवस्था अथवा दायित्व से जुड़ते हैं तब हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। सफल दायित्व निर्वाह के लिए जरूरी है हमारे भीतर कुछ करने का साहस हो। संचालन ट्रस्ट के मंत्री विक्रम महेर ने तथा आभार ज्ञापन मंत्री गुलाब बाँठिया ने व्यक्त किया।

दक अध्यक्ष और सुखलेचा मंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री महावीर जैन सेवा संघ की आम सभा श्रीरामपुरम जैन स्थानक भवन में संघ अध्यक्ष गणेशमल गुगलिया की अध्यक्षता में हुई। सामूहिक मंगलाचरण के बाद संघ अध्यक्ष गणेशमल गुगलिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंत्री देवीलाल सुखलेचा ने अपने प्रतिवेदन में संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज से करीबन 32 वर्ष पूर्व श्रमण संघ के उपाध्याय प्रवर श्री केवलमुनिजी की सद्प्रेरणा से साधर्मिक भाई-बहनों की सहायतार्थ श्री महावीर जैन सेवा संघ का गठन किया गया। हर वर्ष संघ के सदस्यों के माध्यम से एवं उदारमन दानदाताओं के सहयोग से प्राप्त रकम का ब्याज शिक्षा-चिकित्सा-राशन आदि में जरूरतमंद भाई-बहनों को प्रदान किया जा रहा है। सुवालाल दक ने आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया। संघ के कार्य को सुचारु रूप से गति प्रदान करने के लिए संघ अध्यक्ष गणेशमल गुगलिया ने आगामी कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष पद पर सुवालाल दक, मंत्री पद पर देवीलाल सुखलेचा एवं कोषाध्यक्ष पद पर महावीरचन्द दक के नाम की घोषणा की। घोषणा से सभी ने हर्ष-हर्ष के जयघोष से सहमति प्रदान की। इस अवसर पर गणेशमल गुगलिया एवं धर्मीचंद बम्बकी को संरक्षक पद दिया गया। गणेशमल गुगलिया, धर्मीचंद बम्बकी, महेन्द्र खिंवेसरा आदि ने अपने-अपने विचार रखे।

तंबाकू से नुकसान के प्रति किया जागरूक

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मणिपाल अस्पताल तथा आकाशवाणी केंद्र 104.8 एफएम के तत्वावधान में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के तहत साप्ताहिक अभियान का शुभारंभ मैसूरु जिलाधिकारी केवी राजेंद्र ने झंडी दिखा कर किया। उपस्थित लोगों ने तम्बाकू त्यागने की शपथ ली। इस अभियान के दरम्यान लोगों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले विभिन्न प्रकार के शारीरिक दुष्परिणाम के बारे में जागरूक किया जाएगा।

इस मौके पर मणिपाल अस्पताल के मुख्य चिकित्सक उपेंद्र शेनोय, आकाशवाणी केंद्र के लोहित चिनाप्पा, पर्यावरण जागृति वैदिके बनूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह काल-एप्पा, रघु, योगेश आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन जन्माश्री ने किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** शहर में आयोजित स्टेट रैंकिंग टेनपिन बॉलिंग में हिताशा सिसोदिया ने महिलाओं का खिताब जीता। महिला वर्ग के फाइनल में हिताशा सिसोदिया (314पिन) ने प्रीमल जे (303पिन) और गीता पी (302पिन) को हराकर अपना पहला खिताब जीता।*

राष्ट्रीय तंबाकू दिवस पर कैंसर जागरूकता अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा विश्व तंबाकू दिवस के उपलक्ष में मागड़ी रोड पर स्थित अरिहंत स्विच गीयर तथा पारस स्विच गीयर फैक्टरियों में कैंसर जागरूकता अभियान चलाया गया।

अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी मजदूरों को नशा मुक्ति की महत्वता के बारे में बताया और नशे से होने वाली बीमारी के बारे में समझाया। साथ ही नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प करवाया। मंत्री लता नवलखा ने ओरल कैंसर के बारे में सभी मजदूरों को विस्तृत जानकारी दी। उपाध्यक्ष सुमन वेदमूथा एवं संयोजिका भावना पोरवाल ने भी तंबाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। फैक्ट्री के मालिक संजय सेठिया ने इस कार्य की सराहना की। विश्व तंबाकू दिवस पर आसपास के स्थानीय लोगों ने नशा मुक्ति के लिए नारेबाजी की। दोनों फैक्ट्रियों के मजदूरों ने धीरे-धीरे तंबाकू पान बीड़ी सिगरेट का सेवन कम करने का संकल्प किया।

यदि सीएम में गरिमा, सम्मान और नैतिकता है तो उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए: रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा नेता एन. रविकुमार ने कहा कि यदि सिद्धरामैया में गरिमा, सम्मान और नैतिकता है, तो उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए।

मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बैंक ऑफ बड़ौदा से 144 करोड़ रुपये का ओवरड्राफ्ट (ऋण) मिला है। क्या इसे वाल्मिकी विकास निगम घोटाले के संबंध में विभिन्न बैंक खातों में धन हस्तांतरित करने के लिए प्राप्त किया गया था? आपने चुनाव के दौरान उन कंपनियों को पैसा क्यों दिया? उन कंपनियों के मालिक कौन हैं? उन्होंने पूछा कि उन कंपनियों और डीके शिवकुमार, नागेंद्र, सिद्धरामैया के बीच क्या संबंध है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि कैबिनेट ने यह

ओवरड्राफ्ट लेने का फैसला क्यों नहीं किया। इसमें सिर्फ नागेंद्र ही नहीं बल्कि कई अधिकारी भी मौजूद हैं। ऐसे कई उम्मीदवार भी हैं जो तेलंगाना में चुनाव में खड़े हुए थे। पैसा देने वाले कई मंत्री भी कर्नाटक में हैं। यह अंतरराज्यीय भ्रष्टाचार है। इसलिए उन्होंने जोर देकर कहा कि इसकी जांच सीबीआई को करनी चाहिए। निगम आईटी कंपनी को ऋण नहीं देता है। हालाँकि, इस निगम ने कई कंपनियों को पैसा दिया है। वे कौन सी कंपनियाँ हैं? उनका ट्रैक रिकॉर्ड क्या है? उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि उन्होंने उन्हें पैसे क्यों दिये। ऋण को किसने अधिकृत किया? क्या ये कैबिनेट में हुआ फैसला था? क्या सीएम और डीसीएम को पता था कि ऐसा हुआ है? इस पर पर्दा डाला जा रहा था, लेकिन ईमानदार अधिकारी चन्द्रशेखर के आत्महत्या करने के बाद यह सामने आ गया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इस सरकार ने एक ईमानदार अधिकारी की बलि ले ली है। यह चोरों, आतंकवादियों और उग्रवादियों को पालने वाली सरकार है। यह ईमानदार अधिकारी-कर्मचारियों की मदद करने वाली सरकार नहीं है। रविकुमार ने शिकायत की कि यह गुंडों और आतंकवादियों के केस रद्द करने वाली सरकार है। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह चोरों की सरकार है। भारत में हुए चुनावों के बारे में चुनाव बाद सर्वेक्षण के नतीजे शनिवार को प्रकाशित किये गये। उन्होंने बताया कि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलेगा और एनडीए को 401 सीटें मिल सकती हैं। देश के गौरव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए जनता तैयार है। सभी राज्यों में भाजपा-एनडीए की जीत का अनुमान है। यह देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गर्व की बात है। हालाँकि, उन्होंने सुविधा की नीति अपनाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जो एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं करती।

लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में मतगणना की पूरी तैयारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मौजूदा लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती मंगलवार को होगी और सभी तैयारियां कर ली गई हैं। मतगणना केंद्रों के आसपास शाम पांच बजे तक कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। शराब की बिक्री प्रतिबंधित है। मतगणना केंद्रों के आसपास की सड़कों पर वाहनों के आवागमन को वैकल्पिक सड़कों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। वोटों की गिनती भारी सुरक्षा के बीच होगी और संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में मतगणना कर्मचारियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का उपयोग किया गया है और सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे शाम तक सामने आ जाएंगे। बेंगलूरु उत्तर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोटों की गिनती शहर के सेंट जोसेफ कॉलेज में होगी, जबकि बेंगलूरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के

लिए वोटों की गिनती एसएसएमआरवी कॉलेज, जयनगर में होगी। इसके अलावा बेंगलूरु सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोटों की गिनती माउंट कार्मेल कॉलेज में होगी। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोटों की गिनती सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, रामनगर में होगी और तुमकुरु निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोटों की गिनती सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, तुमकुरु में होगी। चिक्कबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र की गिनती देवनहल्ली तालुक के नागार्जुन कॉलेज में होगी। साथ ही वोटों की गिनती 4 जून को सुबह 8 बजे से संबंधित लोकसभा क्षेत्रों के जिला केंद्रों में निर्धारित मतगणना केंद्रों पर शुरू होगी। राज्य में दो चरणों में 26 मई और 7 मई को मतदान हुआ था। मतदान के बाद वोटिंग मशीनों को उचित कड़ी सुरक्षा के साथ संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में निर्धारित स्ट्रांग रूम में रखा गया है।

फरार भवानी रेवन्ना की तलाश जारी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की पत्नी भवानी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भवानी रेवन्ना की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। उनके मिलते ही कानूनी कार्यवाही जारी रहेगी। मुझे नहीं पता कि वे अब तक कहां हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह अचानक आई या पाई गईं तो गिरफ्तार कर लिया जायेगा। लोकसभा चुनाव के बाद के सर्वेक्षण हकीकत के करीब नहीं हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे का यह

विश्वास व्यक्त करना सही है कि पार्टी द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण और कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया पार्टी 295 से अधिक सीटें जीतेगी। हमने राज्य में जमीनी स्तर पर काम किया है। उन्होंने कहा, हमें कम से कम 17 से 18 सीटें जीतने का भरोसा है। हम जो लोगों के बीच लड़े हैं, हकीकत जानते हैं। हमें विश्वास है कि राज्य सरकार की गारंटी योजनाओं को क्रियान्वित किया जायेगा। कई मामलों में सर्वेक्षण सही होते हैं। लेकिन मौजूदा सर्वेक्षण संदिग्ध हैं। केवल चुनिंदा मीडिया आउटलेट्स ने ही सर्वे किया। उन्होंने कहा कि इसका कारण सामने आने पर पता चल जायेगा।

एचडी रेवन्ना ने पारदर्शी मतगणना के लिए कदम उठाने की अपील की

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना ने भारत निर्वाचन आयोग से लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती को पारदर्शी बनाने के लिए कार्रवाई करने की अपील की है। यहां स्थित अपने आवास पर जेडीएस विधायकों और नेताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मतगणना पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग को इस संबंध में सभी जिला आयुक्तों को निर्देश देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मीडिया को मतगणना केंद्रों पर जाने की अनुमति दी जाए। हमारी

पार्टी के चुनाव एजेंट और नेता 4 जून को सुबह 6 बजे हासन लोकसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र पर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान सभी पार्टी के नेता मौजूद रहेंगे। पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना ने लोकसभा चुनाव के बाद के सर्वेक्षणों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने होलेनरसीपुर में लक्ष्मीनरसिम्हा मंदिर और हरदनहल्ली में देवेश्वर मंदिर में विशेष पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात की। यह निश्चित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे, अगर इस देश को बचाना है तो मोदी को प्रधानमंत्री बनना ही होगा, जब तक लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी की कृपा है, हमें कोई समस्या नहीं होगी।

आजादी के 75 साल हो गए हैं। एचडी कुमारस्वामी वो मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने शिक्षा क्षेत्र पर जोर दिया। उनके कार्यकाल में 1,600 हाई स्कूल, 600 प्री-ग्रेजुएट कॉलेज, 250 ग्रेजुएट कॉलेज खोले गए। उन्होंने सात आठ हजार करोड़ रुपये स्कूलों और कॉलेजों की इमारतों को दिया। इसके अलावा, जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे और बीएस येदियुरप्पा उपमुख्यमंत्री थे, तब 4,800 शिक्षकों, 1,600 प्री-डिग्री कॉलेज व्याख्याताओं की नियुक्ति की गई थी। हम भाजपा-जेडीएस गठबंधन के साथ दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव का सामना कर रहे हैं। हम सबने मिलकर काम किया। हमें विश्वास है कि हमारी पार्टी के उम्मीदवार विवेकानन्द जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हमने हासन जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में भी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया है।

मतगणना से पहले बेंगलूरु में भारी पुलिस बल तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि चूंकि लोकसभा चुनाव की मतगणना मंगलवार को होगी, इसलिए पूरे शहर में पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शहर में तीन लोकसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करायी गयी है। मतदान के बाद संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की सभी वोटिंग मशीनों को मतगणना केंद्र पर लाया गया है और स्थानीय पुलिस के साथ केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है। एक मतदान केंद्र की निगरानी के लिए एक डीसीपी, तीन एसीपी, पांच इंस्पेक्टर सहित सौ से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया है। मंगलवार को शहर के सभी वरीय व कनीय अधिकारी गश्त पर रहेंगे। आयुक्त ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई है।

युवक ने कई छात्राओं का यौन शोषण किया, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के कुंडापुर तालुक में कई स्कूल और कॉलेज की छात्राओं पर यौन शोषण से जुड़ी परेशान करने वाली घटनाओं की एक श्रृंखला चल रही है। आरोपी श्रेयस नायक (25), जो एक उद्यमी है, ने कथित तौर पर अपने प्रभावशाली पद का इस्तेमाल करते हुए कई छात्राओं का यौन शोषण किया है।

घटना कुंडापुर के अमासेबेल पुलिस स्टेशन की सीमा में दर्ज की गई है। आरोपी फरार है और उसके खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी नायक कथित तौर पर छात्राओं का यौन शोषण करता था और अपने लैपटॉप में कृत्य के सबूत संग्रहीत करता था। वह स्कूल और कॉलेज जाने वाली लड़कियों को निशाना बनाता था। उसने पिछले एक साल से लगातार एक लड़की के साथ बलात्कार किया है। वह लड़की को हलाडी रोड पर हेग्गोदलू के सुनसान इलाके में ले गया और अपनी कार में उसका यौन शोषण किया। जब लड़की गर्भवती हो गई, तो मामला प्रकाश में आया। आरोपी के खिलाफ 18 मई को पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया था। वह अभी फरार है। उसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई है। उसके जघन्य कृत्यों के किसी भी संभावित सबूत के लिए उसके लैपटॉप की जांच की जा रही है। इस बीच, घटना के बारे में उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने मीडिया को आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने कहा 18 मई को अमासेबेल पुलिस स्टेशन में पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित और आरोपी दोनों एक ही मराठा नायक (एसटी) समुदाय के हैं और जज के समक्ष पीड़ित के बयान के अनुसार वे काफी समय से एक-दूसरे के संपर्क में थे। आरोपी फरार है। अभी तक हमारे पास जबरन या वीडियो रिकॉर्डिंग के बारे में ऐसी कोई जानकारी नहीं है। यहां तक कि पीड़िता ने भी जज के समक्ष अपने बयान में वीडियो रिकॉर्डिंग या जबरन वसूली के बारे में कुछ नहीं कहा है। उसका लैपटॉप भी जब्त कर लिया गया है। हम कथित वीडियो निकालने के लिए इसे भेजेंगे। डॉ. अरुण के ने यह भी कहा वीडियो और जबरन वसूली के संबंध में साक्ष्य देने के लिए संबंधित मीडिया कर्मियों को नोटिस जारी किया जाएगा।

प्रदेश में अगले चार-पांच दिनों तक अच्छी बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में अगले चार से पांच दिनों तक अच्छी बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को केरल में प्रवेश किए हुए तीन दिन हो गए हैं और वहां बारिश फिर से बढ़ गई है। भारतीय मौसम विभाग ने घोषणा की कि मानसून जल्द कर्नाटक पहुंचेगा। लेकिन अभी तक आधिकारिक तौर पर यह घोषणा नहीं की गई है कि मानसून प्रवेश कर चुका है। लेकिन तटीय, पहाड़ी और दक्षिणी अंतर्देशीय इलाकों में बड़े पैमाने पर बारिश हो रही है। मौसम विशेषज्ञ सी.एस.पाटिल ने कहा कि सोमवार तक मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा कर दी जायेगी। अरब सागर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में चक्रवात मेलाई बना

हुआ है और इसके प्रभाव से केरल और कर्नाटक में बड़े पैमाने पर बारिश हो रही है। अगले चार-पांच दिनों तक राज्य में गरज-चमक के साथ अच्छी बारिश होगी। उन्होंने कहा कि शनिवार से ही प्रदेश में मानसून के आगमन के लिए अनुकूल वातावरण बन गया है। उत्तरी भीतरी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि तेज गति से तूफान के साथ बारिश के भी संकेत हैं। शनिवार को तट, ऊंचे इलाकों और दक्षिणी भीतरी इलाकों में व्यापक बारिश हुई। उन्होंने कहा कि उत्तरी कर्नाटक में छिटपुट बारिश हुई है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शाम या रात में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर भारी बारिश का भी अनुमान है।

विधान परिषद के लिए सीटी रवि, एन. रविकुमार, एम.जी. मुले भाजपा उम्मीदवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, भाजपा ने विधानसभा से विधान परिषद की तीन सीटों के लिए होने वाले चुनाव में पूर्व मंत्री सीटी रवि को मैदान में उतारा है। भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, जिसमें पूर्व मंत्री सीटी रवि, वर्तमान विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन रविकुमार और पूर्व विधायक, मराठा विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष एम.जी. मुले शामिल हैं।

सीटी रवि (ओक्कालिगा), एन रविकुमार (कोली समाज), एमजी मुले मराठा समुदाय से हैं। सीटी रवि, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और हार गए थे, को एक आश्चर्य के रूप में परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने संकेत दिया था कि वह परिषद के लिए चुने जाएंगे। अब तीन सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है और एन रविकुमार को एक और मौका दिया गया है। ऐसी अफवाहें उड़ी थीं कि इस बार परिषद चुनाव में सुमलता अंबरीश को टिकट दिया जाएगा। पार्टी कार्यालय में चर्चा थी कि उन्हें शीर्ष पर एक सीट देकर अन्याय को सुधारा जाएगा, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में मांड्या निर्वाचन क्षेत्र को जेडीएस के लिए बलिदान कर दिया था। लेकिन अब भाजपा ने लिस्ट जारी कर ओक्कालिगा समुदाय से सीटी रवि, पिछड़ा वर्ग से एन रविकुमार और संघ परिवार से मुले को उम्मीदवार चुना है।

विधानसभा में 65 सदस्यों वाली विधान परिषद के लिए भाजपा आसानी से तीन उम्मीदवार चुन सकती है। चूंकि एक सदस्य को जिताने के लिए 19 वोटों की जरूरत है, इसलिए बीजेपी को तीन सीटें मिलेंगी। सोमवार को नामांकन पत्र जमा करने का आखिरी दिन है।

प्रत्येक मतगणना टेबल पर होगा सीसी कैमरा : तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला चुनाव अधिकारी और बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने कहा कि प्रत्येक टेबल पर एक सीसी कैमरा लगाया गया है जहां लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

उन्होंने ईवीएम रखे गए स्ट्रांग रूम का दौरा और निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात की और कहा कि इस बार नतीजे घोषित करने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। शहर में तीनों लोकसभा क्षेत्रों के वोटों की गिनती के लिए जरूरी इंतजाम किये गये हैं। हर कमरे में 14 टेबलें लगायी जायेंगी। इस बार बड़ी संख्या में डाक मतपत्र आने के कारण अलग से एक कमरा बनाया गया है। उन्होंने कहा डाक मतपत्र प्रणाली और डाक मतपत्रों की गिनती एक साथ की जाएगी। वोटों की गिनती के

लिए 1200 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान ऑन-कोर चुनाव आयोग का सॉफ्टवेयर है, जिसमें सूचनाएं दर्ज की जाएंगी। प्रत्येक टेबल पर जहां वोटों की गिनती होगी, वहां एक-एक सीसी कैमरे की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि गलियारों में विकास गतिविधियों पर गहन निगरानी की जाएगी। तुषार गिरिनाथ ने कहा कि मीडियाकर्मियों के लिए अलग कमरे की व्यवस्था की गई है और उन्हें अंदर मोबाइल फोन लाने की अनुमति नहीं है, पर्याप्त माइक्रो ऑब्जर्वर हैं, सोमवार सुबह ऑब्जर्वर के सामने तय किया जाएगा कि किस स्टाफ को किस टेबल पर जाना है।

साइबर क्राइम के 39,645 मामलों में 156 करोड़ रुपए जब्त

कर्णावती, 02 जून (एजेंसियां)।
सीआईडी क्राइम ने साइबर अपराध के पीड़ितों को उनके पैसे वापस दिलाने में मदद के लिए एक अभियान शुरू किया है। जिसके तहत पिछले 9 महीनों के साइबर अपराध के पीड़ितों को प्राथमिकता दी जाएगी। 22 जून को आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय लोक अदालत में साइबर क्राइम के द्वारा 39,645 शिकायतें प्रस्तुत कर फ्रीज किए गए 156 करोड़ रूपए उसके मूल मालिक को वापस देने की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस को साइबर क्राइम के पीड़ितों की सूची तैयार कर पूरी रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

राज्य के तमाम पुलिस स्टेशन में रिफंड की कार्रवाई करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को इस संदर्भ में अवगत करा दिया गया है। साइबर क्राइम के पीड़ितों को रिफंड के संदर्भ में तमाम पुलिस स्टेशन में हो रही दैनिक कार्रवाई की अपडेट्स रिफंड पोर्टल पर रखने का निर्देश भी दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद तैयार की गई रिपोर्ट और पीड़ितों की याचिका राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत की जाएगी।

सीआईडी क्राइम के आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में 38 जिलों में साइबर क्राइम की 2,04,685 शिकायत दर्ज हुई है। जिनमें से 1,34,403 शिकायतों पर कार्रवाई लंबित है। इन लंबित याचिकाओं के तहत 155.70 करोड़

रकम जब्त की हुई है। साइबर क्राइम की सबसे ज्यादा शिकायतें अहमदाबाद से दर्ज हुई हैं।

अहमदाबाद में 50,570 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 14,748 केस में पुलिस स्टेशन स्तर की कार्रवाई पूर्ण हो चुकी है। अब 70.84 प्रतिशत याचिका में कार्रवाई बाकी है। इन बाकी याचिका में से पिछले 9 महीनों से भी ज्यादा समय से लंबित हो ऐसी 12,959 शिकायतें है। दूसरे क्रम पर सूरत में 27,173 याचिका और बड़ौदा में 15,735 याचिका लंबित है।

डार्क वेब के नेटवर्क से बेच रहे थे गांजा

कर्णावती, 02 जून (एजेंसियां)।
अहमदाबाद के शाहीबाग विस्तार स्थित फॉरेन पोस्ट ऑफिस से पकड़े गए 1.16 करोड़ के हाइब्रिड गांजे के मामले की जांच में यह खुलासा हुआ है कि हाइब्रिड गांजा बेचने के लिए डार्क वेब के जरिए ड्रग्स माफियाओं ने नेटवर्क खड़ा किया था। इससे पहले गुजरात मे गांजे के पार्सल आए थे या नहीं इस दिशा में पुलिस ने जांच शुरू की है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और कस्टम विभाग के संयुक्त ऑपरेशन में फॉरेन पोस्ट ऑफिस से 1.16 करोड़ का पौने चार किलो हाइब्रिड गांजा जब्त किया गया था। इस मामले की जांच में सामने आया कि पोस्ट ऑफिस से मिले 14 पार्सल में से सबसे ज्यादा अमेरिका से 11, कनाडा से दो और थाईलैंड से एक पार्सल आया था। इस पूरे रैकेट में ड्रग्स माफियाओं ने डार्क वेब के जरिए पूरा नेटवर्क खड़ा किया था। ड्रग्स माफिया हाइब्रिड गांजे को लंच बॉक्स, चॉकलेट, महिलाओं के कपड़े, विटामिन पाउडर, कैंडी, टेडी बेयर एवं खिलौने की आड़ में पार्सल के तौर पर भेजते थे। यह सारे पार्सल अमेरिका, कनाडा, थाईलैंड जैसे देशों में से बनाकर भेजे जाते थे और इस प्रकार गांजे की हेराफेरी की जाती थी। पुलिस ने इस मामले में पार्सल भेजने वाले से लेकर डिलीवरी लेने तक के एड्रेस जांच लिए। लेकिन जांच में सामने आया कि पार्सल पर अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, पा-लनपुर और तापी विस्तार के एड्रेस लिखे गए थे और यह सारे एड्रेस फर्जी थे। जांच में ड्रग्स माफिया की चौंका देने वाली मोड्स ऑपरेंडी सामने आई है। तमाम पार्सल एक ही कंपनी के द्वारा भेजे गए थे और सभी पार्सल पर गलत नाम और एड्रेस लिखे गए थे। क्योंकि आरोपी जानते थे कि गलत एड्रेस पर पार्सल पहुंचने पर कुरियर कंपनी की तरफ से आरोपियों को फोन किया जाएगा और उसके बाद स्थानीय स्तर पर कार्यरत माफियाओं के पेडलर सही स्थान पर वह पार्सल मंगवाकर गांजा ले लेते थे। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी थी कि पार्सल पर लिखे गए नाम और एड्रेस गलत होने के कारण उसका रिकॉर्ड कहीं भी नहीं रखा जाएगा। जिसकी वजह से पार्सल कहां भेजना था और किसने रिसीव किया इसकी जानकारी कोई नहीं ले पाएगा।

उत्तराखंड में सुप्रीम कोर्ट का आदेश बेअसर, सरकार लापरवाह

सुबह से शाम तक लाउड स्पीकरों से हो रहा अजान का शोर

देहरादून, 02 जून (एजेंसियां)।
कुछ महीने की शांति की बाद एकाएक फिर से मस्जिदों की ऊंची मीनारों पर लाउड स्पीकर लग गए हैं। रमजान के दिनों में सुबह तड़के ऊंची आवाज में लोगों को उठाने के लिए दी गई प्रशासनिक छूट का गलत फायदा उठाते हुए मस्जिदों से एक बार फिर से ऊंचा शोर सुनाई दे रहा है।

हरिद्वार और देहरादून की वादियों में दिन में पांच बार लाउडस्पीकर पर अजान हो रही है। दोनों ही शहरों में तकरीबन चार सौ मस्जिदें है, मस्जिदों की ऊंची मीनारों पर लाउड स्पीकर लगे हुए हैं। सुबह तड़के इतना ज्यादा मस्जिदों से शोर उत्पन्न हो रहा है कि आसपास के लोग परेशान और प्रशासन से खफा हैं। देहरादून, विकासनगर, हरबर्टपुर, सहसपुर, हरिद्वार, लक्सर, बहादराबाद, रुड़की आदि शहरों में एक बार फिर से मस्जिदों की मीनारों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र यानि बड़े-बड़े लाउडस्पीकर लगे देखे जा रहे हैं।

पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद यूपी, उत्तराखंड सहित तमाम राज्यों में पुलिस प्रशासन ने ये लाउड स्पीकर उतरवाए थे। प्रशासन ने न सिर्फ मस्जिदों बल्कि मंदिरों से भी लाउडस्पीकर उतरवा दिए थे। इसका मुख्य कारण ध्वनि प्रदूषण था साथ ही आस-पास रहने वाले बच्चों की प्रातः कालीन पढ़ाई में व्यवधान भी बड़ी वजह थी।

मुस्लिम समाज ने पिछले रमजान की सुबह-सुबह शहरी के वक्त मस्जिदों से लोगों को जगाने, रोजा रखने मस्जिद आकर नमाज पढ़ने के लिए ऐलान के लिए पुलिस अधिकारियों से मिलकर छूट मांगी थी, कुछ शर्तों के आधार पर उन्हें ये अनुमति दे दी गई थी। किंतु इस अनुमति का दुरुपयोग अब फिर से सामने आ रहा है, मस्जिदों से दिन से रात होने तक अजान होने से आसपास के लोग परेशान हैं। सबसे ज्यादा वो बच्चे परेशान बताए जा रहे हैं, जिन्हे किसी न किसी परीक्षा की तैयारी करनी होती है।

इस मामले हिंदू संगठनों ने भी एतराज उठाया है। वीर सावरकर संगठन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह का कहना है कि प्रशासनिक ला-परवाही से फिर से लाउड स्पीकर लग गए हैं। जबकि इन्हें लिखित रूप से नोटिस देकर प्रशासन ने लाउड स्पीकर उतरवाए थे बावजूद इसके मस्जिदों से शोर होने लगा है और फिर भी पुलिस प्रशासन चुप्पी साधे हुए है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद पूरे उत्तराखंड राज्य में मस्जिदों अन्य धार्मिक स्थलों में लाउड स्पीकर जोर-जोर से बजते देखे जा सकते हैं, नैनीताल जिले में हल्द्वानी, रामनगर, भीमताल, नैनीताल, भवाली, उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिले के मुस्लिम बहुल इलाकों में बनी मस्जिदों से ऊंची आवाज में अजान का शोर सुना जा सकता है।

एग्जिट पोल के अनुमान से कांग्रेस में मची खलबली

पप्पू यादव ने राहुल-प्रियंका पर बोला हमला

पटना, 02 जून (एजेंसियां)।
लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग के बाद आए एग्जिट पोल्स में एनडीए को भारी बढ़त का अनुमान लगाए जाने को नकारते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह एग्जिट पोल्स नहीं, मोदी मीडिया पोल्स है। राहुल के ऐसे गैरजिम्मेदाराना जवाब से कांग्रेस में मची खलबली के साफ-साफ संकेत मिल रहे हैं। इसकी आहट बिहार से सुनाई भी पड़ी। पप्पू यादव ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पर बिहार की अनदेखी करने की बात कही और इन्हीं नीतियों को हार की वजय बताया।

कांग्रेस नेता और लेकिन बागी प्रत्याशी पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा टिकट बंटवारे से लेकर चुनाव प्रचार तक गंभीर होते तो विपक्षी महागठबंधन बिहार में 25-30 सीटों पर जीत हासिल करता। पप्पू यादव ने यह भी चेतावनी दे डाली कि नरेंद्र मोदी अगर फिर सत्ता में आए तो पूरा देश मणिपुर बन जाएगा। पप्पू यादव ने बिल्कुल उसी अंदाज में यह धमकी दी, जिस तरह अनुच्छेद 370 हटने पर जम्मू कश्मीर में खून की नदियां बहाने की धमकियां दी जाती थीं। अब वे चूहे के बिलों में भी नजर नहीं आते।

भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र तीव्र विकास की ओर अग्रसर: इसरो

चेन्नई, 02 जून (एजेंसियां)।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि क्षेत्रीय सुधारों के बाद देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्ट-अप और निजी फर्मों में तीव्र बढ़ोत्तरी हो रही है। भारत में एक जीवंत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को सुविधाजनक बनाने की दिशा में, इसरो अपनी तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है और अपनी विशेषज्ञता साझा कर रहा है।

अपनी वेबसाइट पर एक अपडेट में, इसरो ने कहा कि हाल ही में एक सबऑर्बिटल मिशन अग्निबान एसओआरटीईडी, मेसर्स अग्निकुल कॉसमॉस द्वारा आयोजित, एक भारतीय स्टार्ट-अप, देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी स्टार्टअप का समर्थन और पोषण करने के लिए इसरो की इच्छा को दर्शाता है। अग्निबाण मिशन के लिए, एसडीएससी-शार/इसरो ने सबऑर्बिटल उड़ान के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने में सहायता प्रदान की और लॉन्चपैड और नियंत्रण केंद्र स्थापित करने में भी सहायता की।

लॉन्च पैड, नियंत्रण केंद्र और इसरो नियंत्रण केंद्र के बीच निर्बाध डेटा और संचार के लिए एक मजबूत नेटवर्क की सुविधा प्रदान की गई। शार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा योजनाओं और प्रक्रियायों को विकसित किया जिससे सभी संचालन सुरक्षित और कुशलता-पूर्वक किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, शार ने सिस्टम प्राप्ति और प्रक्षेपण अभियानों के लिए महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स समर्थन के साथ-साथ उड़ान योजना और प्रक्षेपण मानदंडों के लिए वास्तविक समय वायुमंडलीय डेटा के लिए ऐतिहासिक पवन डेटा की आपूर्ति की।

तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) और इसरो ने अपनी विशेषज्ञता प्रदान की और अर्ध-क्रायोजेनिक इंजन को 15-सेकंड के गर्म परीक्षण की सुविधा प्रदान की। उन्होंने सीएसआईआर-एनएएल की अत्याधुनिक ध्वनिक परीक्षण सुविधा में प्रक्षेपण वाहन की अंतर-टैंक संरचना के लिए ध्वनिक परीक्षण किया। मिशन डिज़ाइन को वीएसएससी द्वारा पूर्ण सत्यापन और प्रमाणीकरण से गुजरना पड़ा, जिसने मिशन की सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पायरो चार्ज, बैटरी, टेलीकमांड डिकोडर और ट्रैकिंग ट्रांसपोंडर सहित एक व्यापक एंड-टू-एंड फ़्लाइट टर्मिनेशन सिस्टम प्रदान किया। इसने प्रक्षेपण अभियान, पूर्व-उलटी गिनती चरण और उलटी गिनती चरण के दौरान असेंबली, एकीकरण, वायरिंग और अंतिम-मिनट के पायरो संचालन के लिए ऑन-साइट समर्थन दिया। इस्ट्रैक/इसरो ने स्टार्ट-अप के साथ समझौता ज्ञापन करते हुए इस प्रक्षेपण के लिए टेलीमेट्री और ट्रैकिंग सहायता प्रदान की।

टीमों के बीच विस्तृत चर्चा ने महत्वपूर्ण प्रणालियों को अंतिम रूप प्रदान किया, जिसमें ऑनबोर्ड टेलीमेट्री सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन और ट्रैकिंग ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क शामिल हैं। इस्ट्रैक ने श्रीहरिकोटा में अपने दो ग्राउंड स्टेशनों से प्रक्षेपण अभियान का समर्थन किया, एकीकरण, परीक्षण और वास्तविक समय ट्रैकिंग की पेशकश की। उन्होंने नियंत्रण केंद्र और प्रदर्शन प्रणालियों में वास्तविक समय डेटा प्रवाह को फ़िल्टर करने के लिए वाहन डेटा अधिग्रहण सॉफ्टवेयर विकसित और तैनात किया। प्रक्षेपण के दिन, इस्ट्रैक के ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क ने सफल प्रक्षेपण की पुष्टि करते हुए वास्तविक समय समर्थन प्रदान किया।

भारतीय स्टार्ट-अप द्वारा किए गए ऐसे मिशनों के लिए इसरो का व्यापक और बहुमुखी समर्थन भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप को उपलब्ध कराए गए सहयोगी संरचना को रेखांकित करता है। इसरो इन्हें अपना समर्थन देन का आश्वासन देता है, गैर-सरकारी संस्थाओं को अंतरिक्ष क्षेत्र में संलग्न होने के लिए आमंत्रित करता है और प्रोत्साहित करता है, जिससे देश में एक जीवंत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर हुए विवाद के मामले में आठ गिरफ्तार

बुरहानपुर, 02 जून (एजेंसियां)।
मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद कुछ उपद्रवियों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए पथराव किया। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले सहित आठ उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार ने बताया कि कल शाम फरियादी द्वारा थाना गणपति नाका में उपस्थित होकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने संबंधी शिकायत की गयी। गणपति नाका पुलिस द्वारा शिकायत की तस्दीक कर कारवाई करते हुए आरोपी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना के बाद कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा इतवारा क्षेत्र में हुडदंग करते हुए नारेबाजी कर शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया गया।

सूरत में 42,50,000 मूल्य का एलएसडी ड्रग्स बरामद

सूरत, 02 जून (एजेंसियां)।
गुजरात में सूरत शहर के अडाजण क्षेत्र में

विशेष अभियान समूह (एस-ओजी) और पीसीबी की टीम ने 42,50,000 रुपए मूल्य का एलएसडी ड्रग्स और 65,460 रुपए कीमत का हाइब्रिड गांजा बरामद किया है। एसओजी सूत्रों ने रविवार को बताया कि सूचना मिली थी कि पार्थ केतनकुमार मंदिर वाला डार्कवेब नामकी ऑन लाइन वेबसाइट से बेंगकोक से कुरियर के द्वारा ड्रग्स मंगाकर बेचता है। सूचना के आधार पर अडाजण इलाके में पालनपुर पाटिया बीएसएनएल ऑफिस के निकट कृष्णकुंज सोसायटी स्थित पार्थ केतनकुमार मंदिर वाले के मकान पर छापा मारा गया। इस दौरान मौके से 65,460 रुपये कीमत का 21.820 ग्राम हाइब्रिड गांजा और 42,50,000 रुपये कीमत का एलएसडी ड्रग्स ब्लोटर पेपर नौ नग जब्त करके पार्थ केतन कुमार को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करके आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहजादे व मोहतरमा की जुबानी जंग में कौन मारेगा बाजी

मंडी, 02 जून (एजेंसियां)।
देश भर में छोटी काशी के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय सीट पर जंग ऐसे प्रत्याशियों के बीच हुई, जिन्होंने हिंदुत्व का झंडा तो उठा रखा है, मगर एक-दूसरे को संबोधित करने के लिए उर्दू के शब्दों का चयन किया। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने कांग्रेस उम्मीदवार व राज्य के मंत्री विक्रमादित्य सिंह को शहजादा कहकर संबोधित किया,वहीं श्री सिंह ने भी कंगना को मोहतरमा शब्द से संबोधित करना शुरू कर दिया।

यही कारण है कि इस बार का चुनाव शहजादे और मोहतरमा के बीच जुबानी जंग में ही उलझा रहा। जनहित के मुद्दों की बातें कम हुई, व्यक्तिगत आरोप- प्रत्यारोप ज्यादा दिखाई दिए। श्री सिंह ने अपना विजन जनता के बीच रखा तो वहीं कंगना रनौत को मोदी के सहारे चुनावी नाव पार लगने की उम्मीद है। कंगना रनौत के गृह क्षेत्र सरकाघाट में 67.58 फीसदी मतदान हुआ। यहां के मतदाताओं में मतदान को लेकर वैसा उत्साह देखने को नहीं मिला जैसा अपेक्षित था। कंगना चुनाव प्रचार के दौरान सरकाघाट की जनता से यह अपील करती रही कि यहां से ज्यादा से ज्यादा वोटिंग होनी चाहिए। सरकाघाट की जनता ने ज्यादा वोटिंग की अपील को तो खारिज कर दिया, लेकिन लीड दी है या नहीं, इसका पता चार जून को ही चलेगा।

वहीं, दूसरी तरफ श्री सिंह के गृह क्षेत्र रामपुर में 74.3 फीसदी मतदान हुआ। ये इस बात का संकेत है, प्रजा ने राजा के लिए उत्साह दिखाया है। इसे हम अधिक उत्साह भी नहीं कह सकते क्योंकि श्री सिंह 80 फीसदी से ज्यादा मतदान की आस लगाए बैठे थे। वहीं, इससे हटकर भाजपा के नेता जयराम ठाकुर का सराज इस बार भी मतदान में सबसे आगे रहा। सराज में 79.22 फीसदी मतदान हुआ,ये मंडी संसदीय क्षेत्र में सबसे ज्यादा है।

अगर अनुमान की बात करें तो मंडी संसदीय सीट पर शहजादे और मोहतरमा के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। यहां यह नहीं कहा जा सकता कि शहजादा जीत रहा है या फिर मोहतरमा। मंडी संसदीय क्षेत्र की जनता ने चुपचाप अपना जनादेश दिया है। यहां लोग केंद्र में मोदी सरकार चाह रहे थे, लेकिन प्रत्याशी से खुश नहीं थे। अब ऐसे में वोटर्स ने प्रत्याशी के प्रति नाराजगी जताई है या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में जनादेश दिया है, इसका सही-सही आकलन नहीं हो पा रहा है। तेरह लाख 77 हजार से अधिक मतदाताओं के बीच यदि किसी की जीत 25 से 50 हजार के अंतर से होती है तो इसे कांटे की टक्कर ही माना जाएगा।

जयराम के बयान पर चुनाव आयोग गम्भीर, नोटिस भेजकर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।
चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मतगणना से पहले 150 जिला अधिकारियों को फोन करने संबंधी दावे को गंभीरता से लेते हुए उन्हें नोटिस भेजा है और रविवार शाम तक इस मामले में आरोपों का आधार बताते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा है।

आयोग ने नोटिस में श्री रमेश के शनिवार को सोशल मीडिया एक्स के पोस्ट का हवाला देते हुए उनसे जवाब मांगा है। इस पोस्ट में श्री रमेश ने दावा किया, निवर्तमान गृह मंत्री ने डीएम को फोन किया है। अब तक 150 से बात भी कर ली है। आयोग ने श्री रमेश को कड़क नोटिस भेजकर कहा, आप अपनी बातों का प्रमाण के साथ हमें ज़वाब भेजें, क्योंकि चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लिए देश का सारा प्रशासन आयोग के अधीन आ जाता है और जिलाधिकारी तथा जिले के अन्य सभी बड़े अधिकारी रिटर्निंग ऑफिसर के तौर पर आयोग के निर्देशन में काम करते हैं।

आयोग को आपको यह बताना होगा कि आपकी इस जानकारी और इस सार्वजनिक पोस्ट का आधार क्या है।

श्री रमेश ने शनिवार को कहा, निवर्तमान गृह मंत्री आज सुबह से ज़िला कलेक्टर्स से फ़ोन पर बात कर रहे हैं। अब तक 150 अफ़सरों से बात हो चुकी है। अफ़सरों को इस तरह से खुल्लमखुल्ला धमकाने की कोशिश निहायत ही शर्मनाक है एवं अस्वीकार्य है।

याद रखिए कि लोकतंत्र जनादेश से चलता है, धमकियों से नहीं। चार जून को जनादेश के अनुसार नरेन्द्र मोदी, अमित शाह व भाजपा सत्ता से बाहर होंगे एवं इंडिया समूह विजयी होगा। अफ़सरों को किसी प्रकार के दबाव में नहीं आना चाहिए व संविधान की रक्षा करनी चाहिए। वे निगरानी में हैं।

जन्मदिन से पहले योगी को जीत का तोहफा देगी यूपी की जनता

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। पांच जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन है। चार जून को लोकसभा चुनाव समेत उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव का भी परिणाम घोषित होगा। सीएम योगी के जन्मदिन के पहले ही यूपी की जनता विधानसभा उप-चुनाव की चारों सीटें जिताकर उन्हें तोहफा देने का मन बना चुकी है। जिन चार सीटों पर उप-चुनाव हुए हैं, उनमें से तीन पर भाजपा और एक पर सपा ने विधानसभा चुनाव-2022 में जीत हासिल की थी। हालिया उप-चुनावों में भी देखें तो गोला गोकर्णनाथ, रामपुर और छानबे विधानसभा सीट पर मतदाताओं ने योगी के विकास पर बटन दबाया तो लोकसभा उपचुनाव में एक तरफ आजम का गढ़ ढहाया तो दूसरी तरफ रामपुर को भी आकाश पर पहुंचाया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सभी 75 जनपदों में समान रूप से विकास कार्यों की बहती गंगा से ही भारतीय जनता पार्टी के कमल की विकास धारा प्रवाहित होती है।

उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने योगी आदित्यनाथ के विकास पर ही ईवीएम का बटन दबाया। 2022 विधानसभा चुनाव में ददरौल से मानवेंद्र सिंह ने कमल के निशान पर जीत हासिल की थी। उनके निधन के उपरांत यहां उपचुनाव में पार्टी ने उनके पुत्र अरविंद सिंह को मैदान में उतारा है। सीएम योगी ने अरविंद के लिए चुनाव प्रचार भी किया। लखनऊ पूर्वी से विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा के कद्दावर नेता आशुतोष टंडन गोपाल के निधन से यह सीट रिक्त हो गई। पार्टी ने यहां से ओपी श्रीवास्तव को प्रत्याशी बनाया तो योगी ने उनका हाथ थामकर मतदाताओं से कमल खिलाने की अपील की, जिस पर मतदाताओं ने उन्हें जीत के प्रति आश्वस्त किया। आमचुनाव में सोनभद्र की दुद्धि सीट भी भाजपा के रामदुलार पर मतदाताओं ने दुलार दिखाया, लेकिन यह सीट रिक्त होने से यहां भी उपचुनाव हुआ। यहां से भाजपा प्रत्याशी श्रवण कुमार गोंड के लिए भी सीएम ने पसीना बहाते हुए दो-दो बार जनसभा की। वहीं गैंसड़ी विधानसभा से सपा विधायक शिवप्रताप यादव के निधन के उपरांत हुए उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व विधायक शैलेष कुमार सिंह शैलू को टिकट दिया। सीएम योगी ने विकास के बलबूते उनके लिए वोट मांगा।

उत्तर प्रदेश में गोला गोकर्णनाथ, रामपुर, स्वार टांडा और छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ। गोला गोकर्णनाथ में विधायक अरविंद गिरि के निधन के उपरांत उपचुनाव में भाजपा ने उनके पुत्र अमन गिरि को टिकट दिया। सीएम योगी ने उपचुनाव में भी जनता से भाजपा के पक्ष में अपील की तो अमन जीतकर लखनऊ पहुंचे। वहीं स्वार टांडा में भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) ने शफीक अंसारी पर विश्वास जताया और छानबे सीट पर अपना दल एस विधायक राहुल कोल के निधन के उपरांत उनकी पत्नी रिंकी कोल को टिकट मिला। योगी ने सहयोगी दलों के दोनों प्रत्याशियों के लिए न सिर्फ वोट मांगा, बल्कि जीत की रणनीति भी तय की। परिणाम रहा कि विधानसभा उपचुनाव की यह दोनों सीट भी सहयोगी दल ने जीती। वहीं 8 दिसंबर 2022 को रामपुर में हुए उपचुनाव में दस बार के विधायक आजम खां का किला ढह गया और आकाश सक्सेना चुनाव जीते। वहीं विधान परिषद के उप-चुनावों में भी कमल का कमाल बरकरार रहा। लक्ष्मण आचार्य के राज्यपाल व बनवारी लाल दोहरे के निधन के कारण रिक्त हुए उप-चुनाव में भी भाजपा के पद्मसेन चौधरी व मानवेंद्र सिंह ने जीत हासिल की।

रामपुर व आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव भी योगी आदित्यनाथ के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व का ही असर रहा कि 2022 में यहां खास की राजनीति पर विराम लग गया। रामपुर में जहां भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम सिंह लोधी ने 367397 वोट (51.96 फीसदी) पाकर यह सीट सपा से छीन ली। वहीं सपा को 325205 वोट (46 फीसदी) ही मिले। भाजपा को पोस्टल से 293 और सपा को महज 149 वोट ही मिले। जब घनश्याम सिंह लोधी चुनाव जीत गए, तब भी योगी आदित्यनाथ मुखिया का फर्ज निभाते हुए लोगों का आभार जताने पहुंचे। जून 2022 में आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में भी सपा की साइकिल को योगी आदित्यनाथ ने पंक्चर कर दिया। समाजवादी पार्टी ने उपचुनाव में यहां से परिवारिक सदस्य धर्मेंद्र यादव को उतारा तो भारतीय जनता पार्टी ने भोजपुरी गायक/नायक दिनेश लाल यादव निरहुआ पर दांव लगाया। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने भाई धर्मेंद्र यादव को रण की भूमि में छोड़ दिया तो योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के निर-हुआ का हाथ थामे रखा और उन्हें जीत दिलाकर दिल्ली भेज दिया। यहां योगी के भेदभाव रहित कार्यों की बदौलत दिनेश लाल यादव 312768 वोट (34.39 फीसदी) पाए, जबकि धर्मेंद्र यादव 304089 वोट (33.44 फीसदी) ही पा सके। पोस्टल वोट का दंभ भरने वाली सपा को यहां 252 और भाजपा को 336 वोट मिले।

1912 को प्रभावी और क्रियाशील बना रहा यूपीपीसीएल

लखनऊ 02 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी में विद्युत समस्याओं के निदान के लिए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन (यूपीपी-सीएल) टोल फ्री नंबर 1912 को और प्रभावी और क्रियाशील बनाने पर ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने अधिकारियों को 1912 पर प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ये भी निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता जब भी 1912 पर कॉल करें तो टोल फ्री नंबर हर हाल में उठना चाहिए और उनकी समस्याओं का निदान किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2017 में इस टोल फ्री नंबर की शुरुआत की गई थी। प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद उपभोक्ताओं की बिजली समस्याओं के निदान के लिए सरकार ने इसे वन स्टॉप सॉल्यूशन की तर्ज पर विकसित करने पर जोर दिया है। सरकार के प्रयासों के चलते इस टोल फ्री नंबर के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 1912 टोल फ्री नंबर को और प्रभावी एवं क्रियाशील बनाया जाए। उन्होंने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि टोल फ्री नंबर शीघ्र उठे और उपभोक्ता की समस्या हल होने तक उसके संपर्क में रहे। अध्यक्ष ने कहा है कि इस भयंकर गर्मी में जब पारा 50 के आसपास पहुंच गया है तब प्रदेश में टोल फ्री नंबर 1912 का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। उपभोक्ता अपनी समस्या इस टोल फ्री नंबर पर करते हैं, इसलिए इसमें कार्य करने वाले कार्मिक उपभोक्ताओं की समस्याओं को हल कराने में पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे 1912 से संपर्क में रहें और प्राप्त सूचन-ाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

एक अप्रैल 2017 से टोल फ्री नंबर 1912 पर पूरे प्रदेश से बिल, मीटर, कनेक्शन, विद्युत आपूर्ति, विद्युत चोरी एवं सुझाव आदि संबंधी 1,89,12,690 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 99.72 प्रतिशत (1,88,59,860) शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया गया। दक्षिणांचल डिस्कॉम में 32,10,816, मध्यांचल में 83,79,434, पश्चिमांचल में 45,36,535, पूर्वांचल में 27,25,922 तथा केस्को से 59,983 शिकायतें प्राप्त हुई। 1912 पर बिल संबंधी 10,51,466 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 99.75 शत प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसी तरह, मीटर से संबंधित 20,38,117 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 20,17,677 का निस्त-ारण किया गया। पूरे प्रदेश में स्मार्ट मीटर संबंधी 2,34,834 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 2,34,232 का समयबद्ध निस्त-ारण किया गया। कनेक्शन संबंधी 4,07,523 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 4,06,475 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा विद्युत आपूर्ति संबंधी 1,31,00,458 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 1,30,94,391 शिकायतों का निस्तारण किया गया जिसमें ट्रांसफ़ार्मर क्षतिग्रस्त संबंधी 2,03,698 शिकायते प्राप्त हुई जिसमें 2,03,481 शिकायतों का निस्तारण किया गया। चोरी संबंधी 1,41,785 सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें 1,39,526 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

अरुणाचल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर बोले योगी

फिर एक बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा हो रहा

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर्ष जताया है। उन्होंने इस जीत को 'फिर एक बार मोदी सरकार' के संकल्प से जोड़ते हुए 4 जून को केंद्र में भी प्रचंड बहुमत से नरेंद्र मोदी और भाजपा की सरकार बनने की उम्मीद जताई है।

सीएम योगी ने कहा, अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में प्रचंड बहुमत से फिर एक बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा हो गया है। पूर्व दिशा से आ रही इस अरुणिमा से 04 जून को पूरा देश आलोकित होगा। कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन का 04 जून को चारों खाने चित होना सुनिश्चित है। उल्लेखनीय है कि रविवार को अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती पूरी हो गई है। नतीजों में भाजपा को बंपर बहुमत मिला है और पार्टी ने 46 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस का प्रदर्शन निर-ाशाजनक रहा है और पार्टी राज्य में महज एक सीट ही जीत सकी।

चुनाव के दरम्यान मोदी-योगी के बीच दिखी मजबूत केमेस्ट्री

मोदी की रैलियों में सारथी के रूप में दिखे योगी

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। सात चरण में हुआ चुनाव और इस दौरान चला लंबा प्रचार अभियान थम चुका है, अब सबकी निगाहें 4 जून को आने वाले परिणामों पर टिक गई हैं। इन सबके बीच शनिवार को विभिन्न सर्वे एजेंसियों की रिपोर्ट पर आधारित एग्जिट पोल के नतीजों ने भाजपा और एनडीए को भरपूर जोश से भर दिया है। एक तरफ जहां मोदी सरकार 400 पार के जादूई आंकड़े को प्राप्त करते हुए तीसरी बार सत्तासीन होने जा रही है तो यूपी में भी बेहतरीन परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है। वहीं अब इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि यूपी में मोदी और योगी की जोड़ी एक बार फिर सुपरहिट साबित हुई है। लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बीच आपसी केमेस्ट्री भी काफी मजबूत दिखी। एग्जिट पोल में यूपी के शानदार परिणामों ने भी मोदी योगी के बीच बेहतरीन टीम वर्क होने का पुख्ता प्रमाण पेश किया है।

मेरठ से लेकर मिर्जापुर तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तकरीबन 21 कार्यक्रमों में एक दूसरे के साथ रहे। इस दौरान 13 जनसभाएं, 5 रोड शो, वार-ाणसी में नामांकन और काशी विश्वनाथ मंदिर व काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन के दौरान दोनों नेताओं का एक दूसरे के प्रति सम्मान और आपसी विश्वास को बढ़ाने वाले संवादों की चर्चाएं हर जगह हुईं। वहीं इसके अलावा इस दौरान के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए, जिसने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के बीच बढ़ रहे भरोसे को और भी पुख्ता किया। इनमें पीलीभीत में आयोजित जनसभा के दौरान जब मुख्यमंत्री मंचीय उद्बोधन के लिए प्रधानमंत्री के पीछे से डायस की ओर जाना चाहते थे, तभी प्रधानमंत्री द्वारा उनका हाथ पकड़कर सामने से जाने के लिए आग्रह करना सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त वायरल हुआ। इसके अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री को त्रिशूल भेंट करने वाले वीडियो को भी इंटरनेट यूजर्स ने हाथों हाथ लिया और ये वीडियो भी लंबे समय तक ट्रेंडिंग बना रहा।

पीएम मोदी के साथ 21 कार्यक्रमों में से 15 जनसभाओं में मोदी-योगी ने एक दूसरे के प्रति अपने विश्वास को खुलकर प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री ने सीएम योगी को अपना मुख्यमंत्री बताते हुए खुद को इस बात के लिए गौरवा-न्वित महसूस करने वाला बताया कि योगी जैसा साथी उनके साथ है। वहीं योगी के कार्यों की तारीफ तो उन्होंने हर कहीं की। खासकर प्रदेश की कानून व्यवस्था में हुए जबरदस्त सुधार को पीएम मोदी ने अपनी हर रैली में सराहा। हमारे योगी जी, मेरे योगी जी जैसे प्रधानमंत्री के संबोधनों ने भी दोनों नेत-ाओं के बीच प्रगाढ़ रिश्तों को प्रदर्शित किया। वहीं जनता भी मोदी है तो मुमकिन है और योगी है तो यकीन है के नारों से दोनों नेताओं की जोड़ी को यूपी में खूब पसंद किया।

फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के मिशन में अहर्निश जुटे योगी ने बीते दो माह में यूपी के सभी 80 सीटों पर प्रचार किया। इनमें से कई सीटों पर तो योगी दो से तीन बार चुनाव प्रचार करने पहुंचे। वहीं इसके अलावा कुल 12 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों में योगी ने जनसभाएं करके प्रधानमंत्री के पक्ष में मतदान की अपील की।

इसके साथ ही प्रदेश में प्रधानमंत्री के साथ हर बड़े मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साए की तरह साथ रहे। जनसभाएं ही नहीं, मंदिरों में दर्शन-पूजन से लेकर पीएम के नामांकन में भी योगी प्रधानमंत्री के साथ साथ दिखे। वहीं चाहे रोड शो हो या जनसभाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरदम पीएम मोदी के दाहिनी तरफ दिखे, जिससे भी जनता के बीच बड़ा संदेश गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जिन जनसभाओं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साए की तरह साथ साथ दिखे उनमें मेरठ (31 मार्च), सहारनपुर (6 अप्रैल), पीलीभीत (9 अप्रैल), अमरोहा (19 अप्रैल), अलीगढ़ (22 अप्रैल), आगरा (25 अप्रैल), इटावा (5 मई), लालगंज (16 मई), बाराबंकी (17 मई), वाराणसी में नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम (21 मई), बस्ती (22 मई), गाजीपुर (25 मई), मीरजापुर/रॉबर्टसगंज (26 मई) शामिल हैं। इसके अलावा यूपी में पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री के साथ पांच बड़े रोड शो किये, जिनमें गाजियाबाद में रोड शो (6 अप्रैल), बरेली में रोड शो (26 अप्रैल), कानपुर में रोड शो (4 मई), अयोध्या में रोड शो (5 मई) और वाराणसी में रोड शो (13 मई) हैं। साथ ही वाराणसी में प्रधानमंत्री के साथ काल भैरव मंदिर और श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन (13 मई) और वाराणसी में ही पीएम मोदी के नामांकन (14 मई) में मुख्यमंत्री परछाईं की तरह साथ रहे।

मेरठ में दर्दनाक हादसा: चलती सेंट्रो कार में आग लगने से चार लोग जिंदा जले

चारों की पहचान करना तक मुश्किल

मेरठ, 02 जून (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर रविवार की रात बड़ा हादसा हो गया। जानी और भोला के बीच दिल्ली से हरिद्वार जा रही सेंट्रो कार में गांव सिसौला खुर्द के सामने आग लग गई। कार में सवार चारों लोग जिंदा जल गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

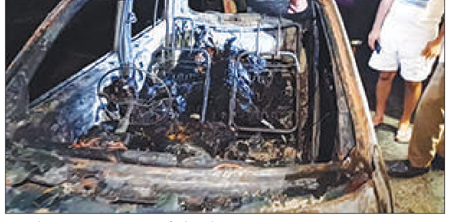

चौधरी चरण सिंह गंग नहर पटरी पर रात नौ बजे के करीब किसी ने फायर कंट्रोल रूम को फोन कर कार में आग लगने की सूचना दी गई। जानी थाना पुलिस और फायर कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने पर देखा गया तो कर में चार लोगों के कंकाल पड़े हुए थे।

चारों लोग इतनी बुरी तरह से जल चुके हैं कि यह भी पहचान करना मुश्किल हो रहा है कौन पुरुष है, कौन महिला है। गाड़ी की नंबर प्लेट मिली है, जिस पर दिल्ली का नंबर है। गाड़ी दिल्ली के सोहनपाल पुत्र ओमप्रकाश गांव पहलादपुर बांगर के नंबर पर है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। एसपी देहात कमलेश बाहदुर ने बताया कि मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। कार में आग कैसे लगी? इसके बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट जानकारी नहीं हो पाई है।

कार में लगी है सीएनजी किट

सीएफओ संतोष राय का कहना है कि कार में सीएनजी किट लगी हुई है। जब फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तो कर में भीषण आग लगी हुई थी। आग बुझाने पर चार लोगों के जले हुए शव मिले। प्रथम दृष्टया सीएनजी किट में आग लगना माना जा रहा है हालांकि पूरी जांच पड़ताल के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

जानलेवा हुई गर्मी : महोबा में तीन और लोगों की गई जान, लू के थपेड़ों ने किया बेहाल

कानपुर , 02 जून (एजेंसियां)। महोबा जिले में गर्मी का कहर जारी है। आसमान से आग बरसती सूर्य की किरणों व लू के थपेड़ों ने सभी का हाल बेहाल कर दिया है। रविवार को लू और बुखार की चपेट में आने से किसान समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, जिला अस्पताल व निजी क्लीनिकों में उल्टी, दस्त, पेटदर्द और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चिकित्सक बहुत जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं।

भीषण गर्मी व गर्म हवाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। थाना खरेला के पाठा निवासी कुलदीप सिंह बाइक से पत्नी मोहिनी (32) का चेकअप कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी गया था। घर वापस लौटते समय मोहिनी को लू लग गई। अचेत अवस्था में परिजन उसे जिला अस्पताल लाए लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं, कोतवाली चरखारी के गोरखा निवासी लालदिवान (70) खेती-किसानी करता था। मृतक के भतीजे धीरेंद्र ने बताया कि गांव में ही बने बगीचे में काम करते समय चाचा को लू लग गई।

अस्पताल में दिखाने के बाद सेहत में सुधार हुआ। शनिवार की शाम एक बार फिर हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसी तरह कस्बा कबरई के इंदिरानगर निवासी कमलादेवी (68) की देर रात हालत बिगड़ गई। बुखार होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

भारत मौसम विज्ञान केंद्र ने जिले में तीन से छह जून तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। अपर जिलाधिकारी रामप्रकाश ने मौसम के बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों को बचाव के तरीके बताए। कहा कि दोपहर 12 से तीन बजे तक कड़ी धूप में बाहर न निकलें और जितनी बार हो सके, पानी पिएं। प्यास न लगे तो भी पानी पीते रहें। हालत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें। धूप में बाहर निकलने पर शरीर व सिर को सूती कपड़े और टोपी से ढंककर रखें।

अब रोबोट होंगे 'बायो-बोट'

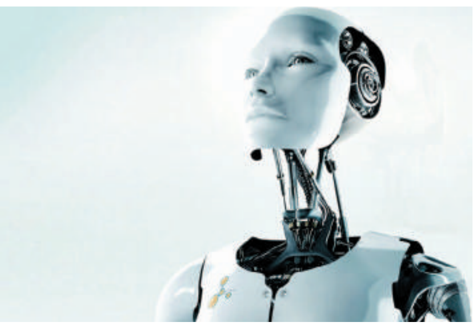

अब वह समय दूर नहीं जब रोबोट्स मानव त्वचा में आना शुरू हो जाएंगे। बायोलॉजिकल रोबोट्स की इस नई पीढ़ी के लिए इंजीनियरों ने कुछ खास सोचा है। वह अब इन्हें मांसपेशियां देने के लिए तैयार हैं। सुनने में थोड़ा अटपटा तो लगता है, लेकिन 'यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस' के शोधकर्ताओं ने ऐसे रोबोट्स वर्ग का प्रदर्शन किया है जो 'बायो-बोट्स' मांसपेशी कोशिकाओं द्वारा संचालित और बिजली के झटकों के द्वारा नियंत्रित किए जा सकेंगे। इन रोबोट्स को 'बायो-बोट्स' के नाम से जाना जाता है। शोधकर्ताओं का समूह जीव विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को एकीकृत करके एक ऐसी जैविक मशीन बनाने में लगे हुए हैं, जो पर्यावरण और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इन बोट्स की खासियत है यह कि वे 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं के बने हैं। इन मांसपेशियों की कोशिकाओं को 'इलेक्ट्रिक पल्स' द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन 'बोट्स' की गति को 'इलेक्ट्रिक पल्स' की फ्रीक्वेंसी को समायोजित करके नियंत्रित किया जा सकता है। ज्यादा फ्रीक्वेंसी पर मांसपेशियां ज्यादा जल्दी सिकुड़ती हैं जिससे 'बायो-बॉट' की रफ्तार भी तेज हो जाती है। इससे पहले, शोधकर्ताओं ने चूहों के दिल की कोशिकाओं का उपयोग करके 'बायो-बोट्स' निर्माण करने की कोशिश की थी। लेकिन चूहों के दिल की कोशिकाओं के लगातार सिकुड़ने के कारण शोधकर्ताओं को उसकी गति पर नियंत्रण प्राप्त करने में असफलता प्राप्त हुई। 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं से शोधकर्ताओं को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। फिलहाल इन रोबोट्स का आकार छोटा होगा और इनका काम शरीर में मौजूद जहरीले पदार्थों के असर को बिल्कुल खत्म करने का होगा। ऐसे 'बोट्स' के निर्माण से यह बात तो स्पष्ट है कि दुनिया भर में वैज्ञानिक ऐसे रोबोट्स बनाने में लगे हुए हैं जो हमारी तरह दिख सकें, हमारे जैसे चल सकें, हमारी तरह बात कर सकें और जो हमारे ही जैसे कार्य कर सकें।

अब ड्रोन से खींचे सेल्फी...

अब तक आपने लोगों को सेल्फी स्टिक से सेल्फी खींचते हुए देखा होगा लेकिन अब सेल्फी स्टिक जल्द ही बीते जमाने की बात हो जाएगी। अब सेल्फी खींचने के लिए ड्रोन का प्रयोग होने लगेगा। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सेल्फी ड्रोन बनाया है। यह सेल्फी ड्रोन बेहतरीन तस्वीरें खींच सकता है और इससे फोटो लेने के लिए आपको अपने हाथ को भी आगे खींचना नहीं पड़ेगा। इस सेल्फी ड्रोन को ऑस्ट्रेलिया की कंपनी आईओटी ग्रुप ने बनाया है। इसका नाम रोम ड्रोन रखा गया है और यह बाजार में आने से पहले बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जून से बेचा जाएगा। कंपनी की सोच एक स्टेरायड से लैस सेल्फी स्टिक बनाने की थी। सेल्फी स्टिक की समस्या यह है कि जितनी लंबी उसकी डंडी होगी, उतनी ही अच्छी तस्वीरें आएंगी। तो विचार यह है कि ऐसी चीज बनाई जाए जो आपके आसपास उड़ कर आपकी तस्वीर खींचे। इसलिए यह ड्रोन बनाया गया है, जो इतना छोटा है कि बैग या जेब में रखा जा सकता है। इसका आकार 600 मिली पानी के बोतल जितना है। सभी को मालूम है कि ड्रोन उड़ते हुए तस्वीरें खींचते हैं। लेकिन यह उनसे अलग इसलिए है कि यह पोर्टेबल है और इसे दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है।

हैरान करने वाली डिवाइसेस...

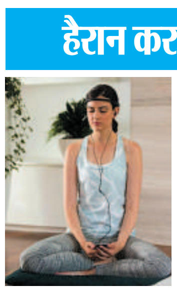

गैजेट की दुनिया में आपको कई ऐसी डिवाइसेस मिलेंगी जिनका प्रयोग देखकर आप हैरान रह जाएंगे। मूज ब्रेन सेंसर भी ऐसा ही अनोखा गैजेट है जो मस्तिष्क के संकेतों को दर्ज करने और ध्यान के समय आपको शांति मिलती है या नहीं, इसका पता लगाता है। मूज ब्रेन सेंसर में अनेक सेंर्स से होते हैं जोकि हैड बैंड से जुड़े होते हैं। यह पुरानी चिंता एवं अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। इसी तरह कार्बन टाइटेनियम एस-1 प्लस ऑटोमैटिक बार टेंडिग मशीन है जिसे आप अपने स्मार्टफोन पर ऐप की मदद से नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप आलस महसूस कर रहे हैं तो आप इस मशीन को केवल एक बटन दबाकर आदेश दे सकते हैं कि वह कॉकटेल तैयार कर दे लेकिन इससे पहले आपको तय करना होगा कि उस जगह पर सारी सामग्री सही हो।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब आप वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिराहने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

पहले वेबसाइट्स आईं, फिर ऐप्स और अब बाट्स का जमाना आने वाला है। तकनीक की दुनिया में इसे सॉफ्टवेयर के लेवल पर बड़े बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह इंसान और मशीन के बीच रिश्ते की शुरुआत है। बॉट्स को वेब रोबॉट भी कहा जाता है। असल में बॉट्स एक खास प्रोग्राम है जो मैसेज का जवाब देता है। यह खास सर्विस के लिए डिजाइन किया जाता है जैसे शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि।

अब बॉट्स का जमाना...

21वीं सदी में चूंकि हर दिन एक नई तकनीक आपके सामने आ रही है इसलिए आपके लिए यह जरूरी हो गया है कि पुरानी तकनीक को छोड़ कर आगे बढ़ें और अपडेटेड रहें। पहले लोगों के लिए वेबसाइट आई, फिर आए मोबाइल ऐप्स लेकिन अब इसके भी आगे की चीज आ गई है जो जल्द ऐप्स की जगह ले सकती है और वो है बॉट्स। जी हां, इसको मनुष्य और मशीन के बीच की एक नई अहम कड़ी माना जा रहा है। साथ ही, यह इंसानों से बात करने और उनकी इच्छा को भापने का एक नया माध्यम बन गया है। अभी आपको कंप्यूटर पर काम करने के लिए कंप्यूटर जैसा बनना पड़ता है लेकिन भविष्य में बॉट्स इंसानों की तरह काम करने को तैयार हैं।

क्या हैं बॉट्स ?

बॉट्स तकनीकी दुनिया की एक नई खोज है जो आपको कंप्यूटर पर अपने तरीके से काम करने की सहूलियत देती है। इन बॉट्स को इंटरनेट के रोबॉट के नाम से जाना जाता है। असल में बॉट्स एक ऐसा नया और खास प्रोग्राम है जिसे मेसेज का जवाब देने के लिए बनाया गया है। ये हर सर्विसेज के लिए अलग बने होते हैं जैसे कि हेल्थ सलाह देने के लिए हेल्थ बॉट्स, वेदर अपडेट के लिए वेदर बॉट्स, शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि। ये बॉट्स सॉफ्टवेयर और एप्स जैसे ही बनते हैं। इन बॉट्स को अपने या कस्टमर के हिसाब से बनाया जा सकता है। इसके लिए सॉफ्टवेयर डेवलपर को अच्छी तकनीकी जानकारी होनी

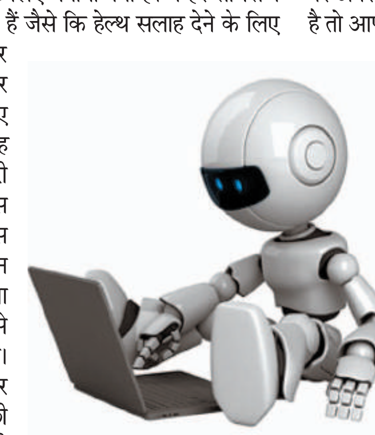

चाहिए। लेकिन कुछ कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने ऐसे प्लेटफॉर्म बना दिए हैं जिससे कोई भी बिना मशक्कत के कोडिंग करके इसे बना सकता है। फिलहाल ऐसी कई कंपनियां हैं जो यह प्लेटफॉर्म लोगों को उपलब्ध करा रही हैं जैसे फेसबुक, स्लैक, किक, गपशप आदि। इस सॉफ्टवेयर का कोडिंग का एक सेट लेआउट होता है जिसे प्रोग्रामर जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज्ड कर सकता है।

क्या जरूरत है बॉट्स की?

फिलहाल लोग मूल रूप से वेबसाइट और ऐप्स के जरिए ही अपनी जरूरतों तक पहुंचते हैं। जहां लोग मैसेजिंग ऐप्स से हर वक्त एक्टिव रहते हैं वहीं कोई चीज ढूंढने या कोई जानकारी लेने के लिए लोगों को दूसरी साइट या ऐप प्ले स्टोर पर जाना पड़ता है। ऐसे में हर कंपनी का मकसद अपने कस्टमर को अच्छी सहूलियत पहुंचाना बन जाता है। कस्टमर की इसी परेशानी का हल बने हैं ये बॉट्स। मिसाल के तौर पर अगर आपको कहीं जाना है और आपको कैब बुक करानी है तो आपको पहले उसकी वेबसाइट पर जाना पड़ेगा और तब बुकिंग करानी पड़ेगी। लेकिन बॉट्स के जरिए आपकी परेशानी का हल निकल जाता है। इससे न तो आपको बार-बार वेबसाइट पर जाना पड़ता है और न ही ऐप को बार-बार क्लिक करना पड़ता है। आप अपनी मैसेजिंग ऐप से ही कैब या कोई भी अन्य काम कर सकते हैं। इस सुविधा के लिए आपको कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा बल्कि बॉट्स बनाने या चलाने का पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ही करेगी।

कहां हो रहा इतेमाल

बॉट्स भले ही हमारे के लिए नए हों परंतु ये बॉट्स कॉरपोरेट लेवल पर कबके इस्तेमाल होना शुरू हो चुके हैं। कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट से लेकर कई और डिपार्टमेंट तक इन बॉट्स का इस्तेमाल हो रहा है। इस बॉट्स का इस्तेमाल कंपनियां एंप्लॉयीज को फीडबैक लेने और देने के लिए कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल कर रही हैं। दुनियाभर में कई ऐसी कंपनियां हैं जो इन बॉट्स को इस्तेमाल करने का मन बना रही हैं।

कैसे बनाए जाते हैं बॉट्स

यह कुछ उसी तरह बनते हैं जैसे वेबसाइट्स और ऐप बनते हैं। कोई भी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर इसको अपनी या कस्टमर की जरुरत के हिसाब से डिजाइन कर सकता है, लेकिन इन्हें बनाने के लिए काफी तकनीकी ज्ञान की जरुरत होती है। कुछ कंपनियो ने इनके प्लेटफॉर्म बना कर इसे काफी हद तक आसान बना दिया है।

आ गए हैं कई बॉट्स

फिलहाल कई मैसेजिंग ऐप्स ऐसी हैं जिन्होंने अपने चैटबॉट्स लॉन्च कर दिए हैं उनमें सब कुछ नाम हैं फेसबुक, स्लैक, टेलेग्राम, हिपचैट और किक। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, पीएनबी मेटलाइफ, फ्लिपकार्ट, ओला और मेरू कैब जैसी कंपनियों ने बॉट्स का इस्तेमाल इन-हाउस ऑपरेशंस के लिए शुरू कर दिया है। अभी कुछ दिनों पहले फेसबुक मैसेंजर पर हेल्थ कंसल्टेंसी लाइब्रेट और ऑटो एग्रीगेटर जुगनू ने अपने बॉट्स लॉन्च किए हैं। लाइब्रेट से यूजर्स हेल्थ से संबंधित और जुगनू से अपना ऑटो बुक आसानी से करा सकता है। यदि चैट करते वक्त आपको भूख लगे तो आप पिज्जा के बॉट्स पर जाकर वैरायटी या रेंज के सवाल पूछ सकते हैं और इसके साथ ही आप आर्डर भी बुक कर सकते हैं और आनलाइन पेमेंट भी कर सकते हैं।

ऐप्स को पीछे छोड़ेंगे

अगर बात करें बॉट्स के रिसपॉन्स की तो अभी ये उतने दमदार नहीं हैं। धीमे चलने वाले ये बॉट्स सवाल का जवाब बहुत जेनरिक या काफी सामान्य देते हैं। कई बार ये सवाल समझने में नाकाम रहते हैं या तो सवाल का सही जवाब नहीं देते हैं। कभी-कभी फनी बॉट्स गालियों का इस्तेमाल चैट में करने लगते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद ये धीरे-धीरे ही सही लेकिन आगे बढ़ रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि आने वाले समय में ये बॉट्स ऐप्प को पीछे छोड़ सकते हैं और हमारी जिंदगी में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसकी क्षमता बढ़ाने और इसे बेहतर बनाने में अभी थोड़ा वक्त और लग सकता है।

कैसे शुरू करना है

इस सर्विस को एक्टिव करना काफी आसान है। फेसबुक मैसेंजर पर लाइब्रेट नाम के चैट बॉट को एक्टिव करके हेल्थ सवालों का जवाब मिल सकता है इसे एक्टिव करने के लिए ऐड का ऑप्शन है।

चेहरे या आवाज को बनाएं पासवर्ड...

सभी लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट की सिक्योरिटी को लेकर परेशान हैं। सिक्योरिटी के लिए तरह-तरह की कोशिश की जा रही है। कभी पैटर्न लॉक लगाया जाता है, कभी पिन इस्तेमाल किया जाता है तो कभी पासवर्ड लगाकर देखा जाता है। सभी के अपने फायदे हैं। यही सिक्योरिटी आपके लिए तब सिरदर्द बन जाती है, जब हर बार आपको अपने पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक का इस्तेमाल करना होता है ताकि अपने डिवाइस को इस्तेमाल करना पड़ता है। एंड्राइड डिवाइस पर अपने चेहरे को पहचान कर भी ऐसा करना अब संभव है। अगर अपने डिवाइस पर आप ये इनेबल कर देते हैं तो ये पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक की जरूरत ही खत्म हो जाएगी और सिक्योरिटी के लिहाज से ये बहुत सुरक्षित भी होगा क्योंकि आपके जैसा दिखने वाला दुनिया में कोई नहीं है। ऐसा शायद सिर्फ फिल्मों में होता है।

शुरू करना आसान

फेस रिकग्निशन एंड्राइड डिवाइस और क्रोम बुक के स्मार्ट लॉक नाम के फीचर का हिस्सा होता है। इसको शुरू करना बहुत ही आसान है। बस सिक्योरिटी में जाइए और उसके बाद आपको स्मार्ट लॉक दिखाई देगा। इसको देखने के लिए अपने डिवाइस में आपको स्क्रीन लॉक को एक्टिवेट करना होगा। स्मार्ट लॉक का इस्तेमाल करके आप अपने डिवाइस को अलग अलग तरीके से अनलॉक करने के लिए सेटिंग कर सकते हैं। इसे आप किसी भी अपने दूसरे डिवाइस के साथ जोड़ा बना सकते हैं, अपने चेहरे को भी पासवर्ड बना सकते हैं या फिर अपनी आवाज को।

ऐसे लें तस्वीर

एंड्राइड डिवाइस पर जब आप अपने चेहरे को पासवर्ड बना रहे हैं तो अपनी तस्वीर लेते समय रोशनी बढ़िया होनी चाहिए। स्क्रीन पर आपको एक गोल दिखाई देगा जिसके अंदर आपकी तस्वीर होनी चाहिए। एक बार पासवर्ड के लिए अपने चेहरे को आपने सेट कर लिया, उसके बाद बस स्क्रीन को कुछ सेकेंड के लिए देखिए उसके बाद आप स्क्रीन को स्वाइप कर अनलॉक कर सकते हैं।

ढेर सारे ऐप

कुछ एंड्राइड डिवाइस में आपको यह फीचर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर यह फीचर आपको चाहिए तो ये काम करने वाले ढेर सारे ऐप आपको गूगल प्ले स्टोर पर मिल जाएंगे। वैसे ही वॉइस लॉक करने वाले ऐप भी कई मिल जाएंगे।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो

ऐसे होती है हेराफेरी

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सैलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

संपादकीय

चुनाव को जनता का खौफ

चुनाव चिढ़ाने लगे हैं, वादों के दांतों से डराने लगे हैं। आसमान में चढ़ाते फिर गिरा कर खजूर के पेड़ पर लटका देते हैं जो चुनाव, उन्हीं का पीछा करते अब जनता आगे देखना चाहती है। देश जितना आगे देखेगा, उतनी ही दृष्टि हिमाचली जनता भी प्रत्यक्ष और प्रमाणित करना चाहेगी। जिस देश में मोदी दस साल चले, वहां हिमाचल ने पिछले विधानसभा में पैंतरा क्यों बदला। जिस प्रदेश ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, उसके छह विधायक क्यों सुक्खू सरकार के खिलाफ बगावती हुए। क्या इन चुनावों में पिछले विधानसभा चुनावों का रंज छुपा है या देश के हालात और नए मुद्दों की दीवार पर चढक़र हिमाचल अपना जनादेश खोजेगा। जो भी हो गर्मियों की ऋतु से गर्म स्वभाव के चुनाव में मतदाता की खामोशी निरा संयम तो नहीं। हजारों पोस्टरों और होर्डिंग्स के बीच खुद को दिशाहीन पा रहा मतदाता शायद पूछ रहा है कि इस बार ऐसा क्या खास, जो पिछली बार के मतदान ने उदास किया। चुनाव की ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर भी मतदान की मंजिल पर लुटेरों की बस्ती और अनादर की गलियों में आम नागरिक की उम्मीदें। कितनी गारंटियां अब बंट रहीं और चुनाव रेहड़ी पर बांट रहा देश का मुकद्दर, लेकिन घर में बेटे-बेटी के अरमान उपहास उड़ाते हैं। देश-प्रदेश की नीतियों के गहने पहने उम्मीदवारों का श्रृंगार पहली बार असली और नकली के बीच झूल रहा है तो इसलिए कि राजनीति ने दलबदल को नैतिकता से अलग कर दिया। कौन किसके पलड़े में आबाद और किसने अपनी पार्टी का दामन छोडक़र दूसरे घर का नमक हलाल कर दिया, इस बहस से दूर चुनाव की एकाग्रता में सत्ता का गठजोड़ स्पष्ट है। चुनाव देश के बजाय देश की सरकार के लिए और प्रदेश में भी सत्ता की जय जयकार के लिए हथियाए जा चुके हैं। चुनाव अब लोकतंत्र का पहरावा नहीं, सत्ता का मुजरिम है। न्यायाधीश बनी राजनीति बरगला रही है अपनी ही न्याय पद्धति से चुनाव को चला रही है। यह दीगर है कि चलते चुनाव के साथ जनता कतई नहीं चल रही। जो मीडिया बहस में बोला या तौला जा रहा, उससे दूर छिटक कर क्यों बैठ गई जनता। क्या जनता को गारंटियों की गारंटी पर भरोसा नहीं या नेताओं के रिपोर्ट कार्ड पर इतना संदेह है कि वक्त के जख्म अब कुरेदे नहीं जा रहे। जो प्रचार यह दर्शा रहा कि देश की किस्मत 400 के पार हो रही, उसे भी मालूम नहीं कि मतदाता की खामोशी में पतझड़ का अंदेशा है या वसंत की कलियों में खिलने से पूर्व का संघर्ष है। हिमाचल में अग्निवीर योजना की समीक्षा में भाजपा के लिए प्रदेश की सैन्य पृष्ठभूमि आड़े आ रही है, लेकिन बागी विधायकों की रुसवाई में कांग्रेस की सत्ता को अग्निपरीक्षा देनी पड़ रही है। हिमाचल में चुनाव के एक पक्ष में लाभ की रेखा है, तो दूसरे ही पल हानि की मुद्रा में जनता का खौफ सता रहा है। जनता की कचहरी पहले भी थी, लेकिन पहली बार इसके तेवर बदले हैं। यह चुनाव के भीतर लोकतंत्र की बची खुची मर्यादा के लिए सही वक्त खोज रही है। यहां चुनाव के मायने एक लोकसभा या विधानसभा सीट नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिंहासन पर देश को प्रतिष्ठित करने की जिम्मेदारी है ताकि सत्ता के नशे में कोई एक शख्स पूरी व्यवस्था, लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्थानों पर भारी न पड़ जाए। देश की परिस्थितियां, लोकतांत्रिक काबिलीयत के लिए जनता से मुखातिब हैं। जनता खामोश निगाहों में राजनीति के जखीरे लिए यह सोच रही है कि अबकि बार सोच समझ कर इनसाफ न किया, तो यह लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लापरवाही होगी। देखें सचेत मन से मतदाता की आंखों से तीर निकलता है या तुक्का।

आसमान में चढ़ाते फिर गिरा कर खजूर के पेड़ पर लटका देते हैं जो चुनाव, उन्हीं का पीछा करते अब जनता आगे देखना चाहती है। देश जितना आगे देखेगा, उतनी ही दृष्टि हिमाचली जनता भी प्रत्यक्ष और प्रमाणित करना चाहेगी। जिस देश में मोदी दस साल चले, वहां हिमाचल ने पिछले विधानसभा में पैंतरा क्यों बदला। जिस प्रदेश ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, उसके छह विधायक क्यों सुक्खू सरकार के खिलाफ बगावती हुए। क्या इन चुनावों में पिछले विधानसभा चुनावों का रंज छुपा है या देश के हालात और नए मुद्दों की दीवार पर चढक़र हिमाचल अपना जनादेश खोजेगा। जो भी हो गर्मियों की ऋतु से गर्म स्वभाव के चुनाव में मतदाता की खामोशी निरा संयम तो नहीं। हजारों पोस्टरों और होर्डिंग्स के बीच खुद को दिशाहीन पा रहा मतदाता शायद पूछ रहा है कि इस बार ऐसा क्या खास, जो पिछली बार के मतदान ने उदास किया। चुनाव की ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर भी मतदान की मंजिल पर लुटेरों की बस्ती और अनादर की गलियों में आम नागरिक की उम्मीदें। कितनी गारंटियां अब बंट रहीं और चुनाव रेहड़ी पर बांट रहा देश का मुकद्दर, लेकिन घर में बेटे-बेटी के अरमान उपहास उड़ाते हैं।

दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं

कब तक हादसों का शिकार होते रहेंगे निर्दोष

योगेंद्र योगी

कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है।

राजनीतिक दल समस्या के जड़मूल से समाधान करने के बजाय कैसे घडियाली आंसू बहाते हैं, इसका उदाहरण दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब इस तरह के हादसों ने देश को झकझोर कर रख दिया हो। ये हादसे बताते हैं कि सरकारी तंत्र में किस हद तक भ्रष्टाचार और लापरवाही की जंग लग चुकी है। कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है। दिल्ली के विवेक विहार स्थित न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर में आग लगने से सात बच्चों की मौत हुई थी। वहीं, शाहदरा में एक चार मंजिला इमारत में लगी आग की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक सुविधा में कोई अग्निशामक यंत्र या आपातकालीन निकास नहीं था। दुर्घटना के समय जो डॉक्टर ड्यूटी पर था, वह नवजात प्रोत्साहन देखभाल की आवश्यकता वाले नवजात शिशुओं का इलाज करने के लिए योग्य नहीं था। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय या डीजीएचएस द्वारा अस्पताल को जारी किया गया लाइसेंस दुर्घटना से लगभग दो महीने पहले ही 31 मार्च को समाप्त हो चुका था। इस अग्निकांड में अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची को कल गिरफ्तार कर लिया गया। आग लगने के समय ड्यूटी पर मौजूद एक अन्य डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह गुजरात के राजकोट में एक गेम जोन में आग लगने की घटना में 12 बच्चों समेत कुल 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की पीठ ने इस हादसे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि इस तरह के

गेम जोन जरूरी मंजूरी लिए बिना बनाए गए हैं। साथ ही हादसे को लेकर कहा कि यह प्रथम दृष्टया मानव निर्मित आपदा है। इससे पहले भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति अलग-अलग स्थानों पर होती रही है। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी ब्रिज त्रासदी में 135 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग थे। 137 साल पुराना सस्पेंशन ब्रिज मरम्मत के बाद पांच दिन पहले ही फिर से खुला था। मोरबी पुल की मरम्मत में जिन सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था, उनकी गुणवत्ता घटिया थी। इस वजह से पुल की संरचना ही कमजोर बनी। 143 वर्ष पुराने इस पुल का किसी ने कभी संरचनात्मक ऑडिट तक भी नहीं किया था। इस सस्पेंशन ब्रिज के कई केबलों पर जंग लग चुका था, जिस वजह से उनकी भार उठाने की क्षमता पहले के मुकाबले कम हो गई थी। पुल को देखने आए लोगों को किसी आपात स्थिति में बचाने के लिए यहां कोई इंतजाम पहले से नहीं था। इस ब्रिज की मरम्मत को लेकर भी कंपनी के पास कोई कागजात नहीं थे। कंपनी को पुल के मरम्मत का काम दिसंबर तक करने का समय दिया गया था, लेकिन उसने इसे जल्दी खोल दिया। मोरबी पुल हादसे से पहले गुजरात के सूरत के सरथाना इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से कम से कम 22 छात्रों की मौत और कई अन्य घायल हो गए थे। यह कोचिंग सेंटर तक्षशिला कॉम्प्लेक्स की तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित था। इस कोचिंग सेंटर में ज्यादातर किशोर थे। सभी छात्रों की मौत दम घुटने या कॉम्प्लेक्स से कूदने के कारण हुई। अग्नि या दूसरी दुर्घटनाओं के प्रति सरकारों की गैर जिम्मेदारी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक आग से 55 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान 36 लोगों की जान गई थी। देश में पांच साल में 50 हजार से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। वर्ष 2021 में आगजनी की 8491 घटनाएं दर्ज हुई हैं। नेशनल क्राइम रिकॉड्र्स ब्यूरो के मुताबिक 2017 से लेकर 2021 तक पांच साल में आग लगने की 55 हजार 353 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 54 हजार 280 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 4348 आगजनी की घटनाएं रिहायशी इलाकों और इमारतों में हुईं। इसके बाद कॉमर्शियल इमारतों में 274, गाडियों में 241 घटनाएं हुईं। राहत की बात है कि साल दर साल आग लगने की घटनाओं और मृतकों की संख्या में गिरावट हो रही है। इसी साल आग लगने की कुल घटनाओं में से कम से कम चार घटनाएं ऐसी थीं, जो अस्पतालों में हुई थीं। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और हैदराबाद के अस्पतालों में हुए इन हादसों में नौ लोगों की जान गई थी। इनमें से आठ लोगों की जान जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल में हुए हादसे में गई थी। पिछले साल जून में प्रकाशित रिपोर्ट जर्नल ऑफ फेल्योर एनालिसिस एंड प्रेवेंशन के मुताबिक इस हादसे और मौतों के पीछे की मुख्य वजह यह थी कि अस्पताल में इमरजेंसी की हालत में बाहर निकलने के लिए केवल एक ही रास्ता बनाया गया था और वह भी पर्याप्त यानी 3.6 मीटर चौड़ा नहीं था, जो फायर सर्विस की गाडियों के आने-जाने के लिए उपयुक्त होता। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में झारखंड के धनबाद में आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की एक बड़ी घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल गुजरात के अहमदाबाद में हनी चिल्ड्रंस हास्पिटल में आग लगने के हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। देश के उत्तर-पश्चिमी और केंद्रीय हिस्सों में बसे शहरों में नीतिगत विसंगतियों और अनियंत्रित शहरीकरण के चलते आग लगने की घटनाएं असामान्य नहीं हैं।

दृष्टि कोण

टूटी सडक़ों के दरमियां कुल्लू की सैरगाहें

साल 1970 से लेकर 2024 के मध्य मुझे दर्जनों बार कुल्लू जिले के पर्यटन स्थलों में सैर-सपाटे के अवसर मिले हैं। 1970 में मैंने मनाली से रोहतांग की यात्रा पैदल तय की थी और कोठी से केलांग की सडक़ निर्माणधीन थी। हाल में जब मैं कुल्लू जाते हुए लारजी टनल के पास रुका तो पता चला कि वहां से शांघड़ 30 किलोमीटीर दूर है। लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मुझे कार में 3 घंटे का वक्त लगा। वाया सैंज आप जब शांघड़ पहुंचते हैं तो पहाड़ के खूब शिखर पर एक विशाल हरा-भरा मैदान आपका स्वागत करता है। चंद साल पहले देश-विदेश में खूब लोकप्रिय रही पहाड़ी भाषा की 'सांझ' फिल्म के ओपनिंग दृश्य इसी अत्यंत मनोरम स्थल पर फिल्माए गए हैं। मगर मुद्दा यह है कि आप कुल्लू के किसी भी शहरी कस्बाई या गांव में भ्रमण या ट्रैकिंग के लिए निकल जाएं, टूटी सडक़ों की दुर्दशा देखकर आप हिमाचल सरकार को कोसे बिना नहीं रह सकेंगे। आपको डिप्रैशन भी हो सकता है। शांघड़ तक पहुंचना और पुनः लारजी के पास फोरलेन तक लौटना एक ऐसा दुष्कर और तनावपूर्ण यात्रा अनुभव है जिसे आप ताउम्र नहीं भूल सकते। 1993-94 में जब कुल्लू में मेरी तैनाती थी, तब भी बाढ़, सैलाब और ब्यास के तटबंध जार-जार होने की घटनाएं आम थीं। जुलाई-अगस्त 2023 में कुल्लू में भयंकर बारिश और बाढ़ के बाद दर्दनाक हादसे दरपेश आए थे। लेकिन स्थानीय लोग इस बात को लेकर क्षुब्ध हैं कि एक साल बाद टूटी सडक़ों की मरम्मत तो हो सकती है। विक्रमादित्य जो माल रोड या रिज पर अपने पिताश्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को प्रतिमा के लिए दो $गज ज़मीन भी न मिलने के लिए सुक्खू सरकार से क्षुब्ध थे, और मीडिया के समक्ष आंसू बहा रहे थे, लोक निर्माण मंत्री रहते हुए कुल्लू तो क्या, देश की सडक़ों की ओर $खास ध्यान नहीं दिया। सत्ता पाने, उसे बचाए रखने की जंग में हिमाचल की कांग्रेस सरकार इस कदर व्यस्त रही है कि जनसमस्याएं नेपथ्य में सरका दी गई हैं। बेहतर होता अगर सुक्खू हैलीकाप्टर में उड़ते रहने का 'सुख' प्राप्त करने की बजाय

सडक़ों से प्रदेश की यात्रा करते और सूरतेहाल से परिचित होते। बहरहाल, कुल्लू में शांघड़ तो एक महज़ उदाहरण है। बंजार रोड पर शोजा या जलोड़ी पास तक जाने वाली सडक़ भी कई सालों से बेहद खस्ताहाल में रही है। शोजा का मनमोहक पर्यटन स्थल बरबस ही आपको खींच लेता है। यहां कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। चंडीगढ़ से मनाली के जिस फोरलेन की चर्चा देशभर में है, उसका सूरते हाल भी पिछले साल की बाढ़ ने बुरी तरह बिगाड़ दिया था। उस पर दिन-रात काम चल रहा है। मोदी भले ही विपक्ष की आलोचना के केन्द्र में हों, गडकरी की तारीफ हर किसी के जुबां पर है। मंडी से कुल्लू के मध्य काफी हद तक फोरलेन की मरम्मत कर उसे बेहतर बना दिया गया है। अप्रैल से जून तक कुल्लू-मनाली में पर्यटकों की भीड़ को देखकर यही लगता है कि हिमाचल में 'एक्सैसिव टूरिज़म' यानी अति पर्यटन के खतरे भी कम नहीं हैं। ऐसा लगता है मानों हिमाचल में शिमला, धर्मशाला और कुल्लू-मनाली के अलावा कोई दूसरा पर्यटन स्थल है ही नहीं। पर्यटन के बेजा दबाव ने इन शहरों के संरचनात्मक ढांचे को तहस-नहस कर डाला है। जब सैलानी सोलंग नाला या रोहतांग से लौटते हुए लेफ्टबैंक की सडक़ से नग्गर की ओर आते हैं तो सडक़ में गड्ढे और टूटे किनारों पर गाड़ी चलाते हुए वे हैरान-परेशान रह जाते हैं। नग्गर बाजार से रोरिक आर्ट गैलरी वाली दो किलोमीटर की सडक़ की ओर लोक निर्माण विभाग का निगाहे-करम गत 30 साल में शायद कभी नहीं हुआ। रोरिक आर्ट गैलरी घाटी के लैंडस्के को देखकर लगता है, आप कोई पेंटिंग देख रहे हों। लेकिन जिस नग्गर में धरोहर के रूप में अनेक पुराने मंदिर हैं, कैसल है, वहां की सडक़ें आपको कई दफा तो रुला देती हैं। 'जब वी मेट' और 'रोज़ा' जैसी फिल्मों के अलावा अनेक फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है। अनेक रूसी कलाकार, एम्बैसडेर और डिप्लोमैट रोरिक की धरोहर को देखने आते हैं। उनके ज़हन पर सडक़ों का क्या विपरीत प्रभाव पड़ता होगा, सहज़ ही कल्पना की जा सकती है। यहां 1942 में रोरिक व देविका रानी के निमंत्रण पर नेहरु और इंदिरा गांधी आए थे। मनाली शहर का हिडिम्बा देवी भी एक अत्यन्त भीड़-भाड़ वाला स्थल है, लेकिन वहां भी सडक़ों में गड्ढे इस बात का प्रतीक हैं कि हिमाचल के मुख्यमन्त्रियों और मन्त्रियों में एक बड़े बीचों-बीच का अभाव रहा है। कुल्लू में ही बिजली महादेव के लिए नग्गर से 50 साल पूर्व वन विभाग की एक सडक़ बनी थी जो जंगल ज्यादा सडक़ कम है। आज भी बिजली महादेव जैसे अत्यन्त आकर्षक और नयनाभिराम स्थल तक पहुंचने के लिए सडक़ का मार्ग नहीं है। यह सचमुच कितना खेदजनक है कि लोकसभा चुनाव में हिमाचल की 4 सीटों और 6 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में स्थानीय मुद्दे गायब हैं।

कुछ अलग

कौन बनेगा प्रधानमंत्री, किसकी बनेगी सरकार?

लोकसभा चुनाव की पिछली 19 अप्रैल से शुरू हुईं सात चरणों के मतदान की प्रक्रिया का आज (शनिवार) को अंतिम चरण भी समाप्त हो रहा है। आज आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 57 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के बाद सारे देश की निगाहें होंगी एक्जिट पोल और फिर 4 जून को आने वाले आधिकारिक नतीजों पर। अब कयास लगेंगे कि देश में आने वाले समय में कौन सी पाटा या गठबंधन की सरकार बनेगी? देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा? पहले की तरह से लोकसभा चुनावों की घोषणा के समय से ही राजनीतिक विश्लेषकों से लेकर ज्योतिषियों ने बताना शुरू कर दिया था कि देश को किस तरह के नतीजे मिलेंगे। यूं तो सभी दलों के अपने- अपने दावे हैं, पर एक राय यह बन रही है कि देश में फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। हालांकि उसे राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पिछले 2019 के चुनावों की तुलना में कम सीटें मिलेंगी। उधर, इंडिया गठबंधन के नेता दावा कर रहे हैं कि सरकार उनकी बनेगी। पहले बात करते हैं चोटी के राजनीतिक चितक बताने वाले योगेन्द्र यादव की। वे राहुल गांधी की एक पदयात्रा में भी शामिल हुए थे। योगेन्द्र यादव के मुताबिक, इन चुनावों में भाजपा को 240-260 और एनडीए के साथी दलों को 35-45 सीटें मिल सकती हैं। देश में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए। इस बीच, मुंबई के जाने-माने लेखक और ज्योतिषी और स्तंभकार पंडित जेपी त्रिखा पिछले कम से कम दो लोकसभा चुनावों की सटीक भविष्यवाणी कर चुके हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में एनडीए की सफलता की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने ज्योतिष विद्या के आधार पर 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों पर भी गहन शोध के बाद अपनी भविष्यवाणी कर दी है। पंडित त्रिखा कहते हैं, 'मेरा ज्योतिष अध्ययन स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पाटा बनने जा रही जा रही है। इस मामले पर कोई बहस नहीं होनी चाहिए। वे देश में अगली सरकार भी बना लेंगे। हां, नई सरकार के सामने लगातार चुनौतियां आती रहेंगी। नई सरकार को चुनौतियां का संभल कर सामना करना होगा।' इस बीच, लोकनीति के संदीप शास्त्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर तो इस बार देश में 'मोदी लहर' देखने को नहीं मिली, लेकिन राज्यों में छोटी-छोटी लहरें जरूर हैं। राज्यों में 'मोदी हवा के झोंके', जरूर चल रहे हैं। 2004 का चुनाव परिणाम सामने आने के बारे में अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था- कौन क्यों जीता पता नहीं और कौन क्यों हारा वो भी पता नहीं। इस बार भी वुछ ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। वहीं, भाजपा का आंकड़ा 304 से ऊपर रहता है या नीचे जाता है, यह दो राज्य तय करेंगे। ये राज्य हैं महाराष्ट्र और पामि बंगाल। संदीप शास्त्री ने इशारों ही इशारों में बता दिया कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार आ सकती है। हालांकि ये भी सच है कि इंडिया गठबंधन के नेता जैसे राहुल गांधी,दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविद, समाजवादी पाटा नेता अखिलेश यादव वगैरह सब दावा कर रहे हैं कि देश में इस बार मोदी सरकार नहीं बनने जा रही है। इनका कहना है कि गठबंधन को 300 सीटें मिलने जा रही हैं। ये कह रहे हैं कि भाजपा को सिर्प 220 सीटें मिल सकती हैं। प्रख्यात पॉलिटिकल कमेंटेटर और डेटा साइंटिस्ट सुरजीत भल्ला कह रहे हैं कि भारत के लोगों को बीते दस सालों के दौरान जो तऱक्क़ी देश में देखी है इतनी तरक्की सत्तर साल में

देश दुनिया से

सवा दो महीने की चुनाव यात्रा में हमने देश को प्रभावित करने वाले असल मुद्दों पर जनता की राय जानी

हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन–से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर– मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है।

चुनाव 2024 के लिए लगभग दो महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान तमाम तरह के मुद्दे उभर कर आये और देखा जाये तो हर चरण के मुद्दे अलग-अलग रहे। प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर- मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह पैसा कहां से आयेगा। तुलनात्मक रूप से अध्ययन करें तो यह देखने को मिलता है कि मुफ्त सौगातों के वादे सबसे कम भाजपा ने ही किये हैं। इन मुफ्त सौगातों को लेकर देश की जनता भी बंटी हुई नजर आई है। अधिकांश लोगों का कहना था कि हमें मुफ्तखोर बनाने की बजाय सरकार को चाहिए कि हमें आत्मनिर्भर बनाये। कई लोगों का कहना था कि मुफ्त की चीजें सबसे ज्यादा जरूरतमंद व्यक्ति को ही मिलनी चाहिए क्योंकि यह एक तरह से करदाताओं के पैसे की बर्बादी है। कुछ लोगों का कहना था कि सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त होनी चाहिए बाकी कुछ भी मुफ्त नहीं होना चाहिए। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि मुफ्त चीजें बांटने की जगह महंगाई को कम कर देना चाहिए। लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश भर में निकाली गयी विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये देश का यह महत्वाकांक्षी मिशन पूरे भारत के कोने-कोने तक पहुँच चुका था। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिये अपने भाषण में भी विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही थी इसलिए जनता इसको लेकर पूरी तरह जागरूक थी। जब हमने देशव्यापी यात्रा की तो पाया कि इस संकल्प के सिद्ध होने में किसी को कोई शक नहीं था बल्कि लोग इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए अपने तमाम तरह के सुझाव देते दिखे। लोगों का कहना था कि हमने पिछले दस सालों में यह महसूस कर लिया है कि हम कुछ भी कर सकते हैं। हम 11वीं से अगर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, हम चंद्रमा के दक्षिणी पोल पर पहुँचने वाला पहला देश बन सकते हैं, हम महामारी के समय कुशलता के साथ उसका सामना कर सकते हैं, हम महामारी के समय नेगेटिव में चली गयी विकास दर को चंद महीनों में दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना सकते हैं तो हम विकसित भारत भी बन सकते हैं। विपक्ष ने चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा हमले किये वह थे संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताना। विपक्ष की ओर से यह बात फैलाई गयी कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गयी और मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन गये तो यह आखिरी चुनाव होगा और भारत में भी रूस और उत्तर कोरिया जैसा शासन हो जायेगा। जब हमने ग्रामीण क्षेत्रों के बीच जनता का मन टटोला तो खासतौर पर

पिछड़े वर्ग के लोगों ने कहा कि हमें सड़क और बिजली नहीं चाहिए पर संविधान में हमें जो अधिकार दिये गये हैं वह नहीं खत्म होने चाहिए। हमने पाया कि विपक्ष ने जो भ्रम फैलाया था कि यदि भाजपा फिर सत्ता में आई तो गरीबों और पिछड़ों के अधिकार छीन लेगी उसका निचले स्तर पर काफी असर हो रहा था। इस भ्रम को दूर करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से कोई प्रयास भी नहीं किये जा रहे थे जिससे भाजपा को नुकसान की संभावना हमें दिखाई दी। हालांकि इस मुद्दे को लेकर अधिकांश लोगों का कहना था कि संविधान और लोकतंत्र को कोई खत्म नहीं कर सकता और यदि किसी ने ऐसे प्रयास किये तो जनता सड़कों पर उतर आयेगी। लोगों ने कहा कि कृषि कानूनों को वापस लेने वाली मोदी सरकार जनता की ताकत जान गयी है और उसे पता है कि संसद में बहुमत के दम पर तानाशाही या मनमानी नहीं की जा सकती। देश भर में भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को लेकर विपक्ष का आरोप था कि उसे परेशान किया जा रहा है और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्ष ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जनता से समर्थन भी मांगा लेकिन जब हमने जनता से बात की तो सभी का यह कहना था कि यह बहुत अच्छा काम हो रहा है।

आप का नजरिया

क्या मुख्यमंत्री बीमार हैं?

यह बेहद गंभीर सवाल है कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की गिरती सेहत और बिगड़ती तबीयत के खिलाफ कोई साजिश कर सकता है क्या? क्या एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था के साथ ऐसा नियमित खिलवाड़ संभव है? मुख्यमंत्री नवीन पटनायक हैं, लेकिन उनके डिजिटल हस्ताक्षरों का दुरुपयोग कर कोई लॉबी सत्ता का अवैध संचालन कर सकती है? क्या सत्ता और सरकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था इतनी कमजोर हो सकती है? जनादेश किसी राजनेता के आह्वानों और उसके राजनीतिक दल को मिले, लेकिन सत्ता अदृश्य रूप से कोई और चलाए, क्या हमारी संवैधानिक व्यवस्था में ऐसे भी छिद्र हैं? 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव आज समाप्त हो रहा है। चुनाव-प्रचार पर तो 30 मई को ही पटाक्षेप हो गया था। ढेरों अनाप-शनाप मुद्दे उठाए गए। संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने की हास्यास्पद राजनीति भी की गई, लेकिन इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष ने चिंता और सरोकार नहीं जताए, जो सीधा 'जनसेवक' के स्वास्थ्य से जुड़ा है और उसके यथार्थ को जानने का अधिकार जनता को है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सेहत को लेकर सवाल जरूर उठाया, लेकिन उसे 'राजनीतिक साजिश' का रंग भी दे दिया, लिहाजा प्रधानमंत्री भी वोट बटोरने की मुद्रा में थे। उनका आशय यह था कि जो मुख्यमंत्री काम करने में 'असहाय' हो, तो उसका विकल्प ढूंढना चाहिए। साफ मायने थे कि विकल्प के तौर पर ओडिशा में भाजपा मौजूद है, लिहाजा उसे ही जनादेश मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनका माकूल जवाब भी दिया कि यदि प्रधानमंत्री उन्हें अपना मित्र मानते हैं, तो वह फोन कर तबीयत का हाल पूछ सकते हैं। अलबत्ता वह बिल्कुल ठीक-ठाक और अपना दायित्व निभाने लायक हैं। लेकिन जो दो वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, उनमें से एक वीडियो में मुख्यमंत्री चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं और उनका बायां हाथ इस तरह हिल रहा था मानो वह पार्किन्सन रोग के मरीज हैं! मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे, अब उनके निकटस्थ सहयोगी, पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन बार-बार मुख्यमंत्री के हिलते हाथ को ओट में छिपा रहे थे, लेकिन हाथ बार-बार सार्वजनिक हो रहा था। दूसरे वीडियो में एक सहयोगी मुख्यमंत्री के पांव को सहारा दे रहा था, उसी से मुख्यमंत्री स्थिर होकर बैठ पा रहे थे। दरअसल प्रधानमंत्री ने जो सवाल उठाए हैं, वे पांडियन को निशाना बनाकर उठाए हैं। साजिश का मुलम्मा पांडियन पर ही चढ़ाया जा रहा है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने यहां तक घोषणा कर दी कि यदि 10 जून को ओडिशा में भाजपा सरकार बनी, तो एक विशेष समिति गठित कर जांच कराई जाएगी कि नवीन बाबू की तबीयत इस कदर बिगड़ती क्यों गई है? प्रधानमंत्री मानते हैं कि ओडिशा में परदे के पीछे से एक खास लॉबी सत्ता भोग रही है, जिसे बेनकाब करना जरूरी है, क्योंकि यह लोकतंत्र और जनादेश के खिलाफ है। दरअसल भारत में राजनेता के निजता के अधिकार और जनता के सब कुछ जानने के अधिकार के बीच कुछ 'लक्ष्मण-रेखाएं' खींची गई हैं। भारत में सार्वजनिक संवाद कमोबेश मौन रहने वाला या अल्पभाषी और चौकस रहा है।

मुकेश अंबानी को पछाड़कर फिर से एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति बने अडाणी, दुनिया में 11वें स्थान पर

मुंबई, 02 जून (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति बन गए हैं। गौतम अदाणी को अपनी कंपनियों के शेयरों की कीमत में उछाल का फायदा मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 111 अरब डॉलर हो गई है, जो उन्हें एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। वहीं मुकेश अंबानी 109 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आया उछाल

अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी जेफरीज ने समूह के बारे में बेहतर राय पेश की है। इन घटनाक्रमों के बाद समूह की सभी कंपनियों के शेयर 14 प्रतिशत तक चढ़ गए। इससे अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 84,064 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। कारोबार बंद होने के समय अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 17.51 लाख करोड़ रुपये हो गया। जेफ्रीज ने अदाणी ग्रुप की विस्तार की एक महत्वकांक्षी योजना का खुलासा किया है, जिसमें जेफ्रीज ने बताया कि अदाणी ग्रुप अगले एक दशक में 90 अरब डॉलर की पूंजी खर्च करेगा। इसके बाद अदाणी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों की कीमत में उछाल आया।

अदाणी समूह के लिए चुनौतीपूर्ण रहा था बीता साल

गौतम अदाणी दुनिया के 11वें नंबर के सबसे अमीर उद्योगपति हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बर्नार्ड अर्नॉल्ट दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी कुल संपत्ति 207 अरब डॉलर है। अर्नॉल्ट के बाद एलन मस्क का नाम आता है, जिनकी कुल संपत्ति 199 अरब डॉलर है। अदाणी समूह के लिए पिछला साल काफी चुनौतीपूर्ण रहा था और रिपोर्ट से हुए खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी आरोपों की जांच के आदेश दिए थे। इसका असर ये हुआ कि अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। हालांकि अब समूह उस झटके से उबर चुका है। बीते हफ्ते ही गौतम अदाणी ने भविष्य में समूह के विस्तार की आशावादी योजना साझा की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

इस हफ्ते 39 भारतीय स्टार्टअप्स ने 387 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद इस हफ्ते भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में फंडिंग लगातार जारी रही। देश में कम से कम 39 स्टार्टअप्स ने 387 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पूंजी जुटाई, इसमें 13 ग्रोथ-स्टेज के सौदे और 20 अर्ली-स्टेज के सौदे शामिल थे। एनट्रैकर की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रोथ-स्टेज के सौदों में 13 स्टार्टअप्स ने 309 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई। बेंगलुरू स्थित स्टार्टअप 15 सौदों के साथ टॉप पर रहे। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद का स्थान रहा। डीप-टेक स्टार्टअप सेडेमैक ने 100 मिलियन डॉलर जुटाए। इसका इस्तेमाल एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाने और भारत, अमेरिका एवं यूरोपीय संघ में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इन्फ्रा डॉट मार्केट ने मार्स यूनिकॉर्न फंड से 50 मिलियन डॉलर जुटाए, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी एथर एनर्जी ने ऋण और इक्विटी फंडिंग में 34.5 मिलियन डॉलर प्राप्त किए। एक अन्य ईवी कंपनी यूलर मोटर्स ने अपना सीरीज सी फंडिंग राउंड पूरा कर लिया, जिसमें 23.9 मिलियन डॉलर प्राप्त हुए। ज़िप इलेक्ट्रिक ने भी इस सप्ताह 15 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाई, ताकि कंपनी के बेड़े को 21 हजार से बढ़ाकर 2 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटरों तक किया जा सके।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ, ब्रेंट क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 76.99 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 81.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 84 पैसे और डीजल 76 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में गिरावट है। दूसरी ओर हरियाणा में पेट्रोल-डीजल 21 पैसे महंगा हो गया है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों का समाधान वर्क फ्रॉम होम नहीं, टीसीएस चेयरमैन ने बताया निपटने का तरीका

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों से बचने के लिए घर से काम करना (वर्क फ्रॉम होम) कोई समाधान नहीं है। इसकी बजाय इस मामले में लोगों को शिक्षित करने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान टीसीएस कर्मचारियों द्वारा रिपोर्ट की गई यौन उत्पीड़न की शिकायतों की कुल संख्या 110 रही जो पिछले वर्ष 49 थी। हालांकि, आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि 2023-24 के आंकड़ों में कर्मचारियों की ओर से विश्व स्तर पर रिपोर्ट किए गए आंकड़े शामिल हैं जबकि 2022-23 के आंकड़े भारतीय परिचालन से जुड़े हैं। टीसीएस में 152 देशों के 6,01,546 कर्मचारी काम करते हैं, इनमें महिलाओं की हिस्सेदारी 35.6 प्रतिशत है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में एक शेयरधारक की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में चंद्रशेखरन ने कहा कि टीसीएस जैसी बड़ी कंपनी में ऐसे मामलों की इतनी संख्या हो सकती है। आगे उन्होने कहा कि ऐसे मामलों का सामधान वर्क फ्राम होम से नहीं बल्कि लोगों को शिक्षित करने से ही संभव है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बेहतरीन कमांड...

और वहां जीत भी दर्ज कर सकती है। आंध्र प्रदेश में तो इस बार भाजपा के लिए टीडीपी के साथ हुआ गठबंधन बड़ी राहत लेकर आया है। यह अमित शाह की रणनीति का ही हिस्सा रहा। एग्जिट पोल बता रहे हैं कि इस राज्य में एनडीए क्लीन स्वीप कर सकता है, उसका आंकड़ा 25 सीटों में से 21-22 तक जा सकता है। तेलंगाना में भी इस बार 17 सीटों में से भाजपा और सहयोगी दल 10 से 11 सीटें निकाल सकते हैं। उधर, ओड़ीशा में पिछली बार भाजपा का आंकड़ा महज 7 सीटों पर सिमट गया था। लेकिन इस बार भाजपा 21 सीटों में से 20 सीटें तक अपने नाम कर सकती है। यानी, नवीन पटनायक के गढ़ में अप्रत्याशित सेंधमारी इस बार देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल में पिछली बार भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 सीटें जीती थी, लेकिन फिर भी ममता आगे रही। लेकिन इस बार एग्जिट पोल्स तो इस राज्य में भी परिवर्तन की जबरदस्त लहर दिखा रहे हैं। एक्सिस का आंकड़ा तो कह रहा है कि भाजपा 26 से 31 सीटें तक जीत सकती है, वहीं टीएमसी का आंकड़ा महज 11 से 15 सीटों पर सिमट सकता है। पूर्वोत्तर के राज्यों में भी 25 सीटों में से इस बार भाजपा 16 से 21 सीटें मिल सकती हैं।यह आंकड़ा मायने रखता है क्योंकि भाजपा हर राज्य में इस बार लाभ हासिल करती दिख रही है, जहां पिछली बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। बड़ी बात यह है कि भाजपा को खुद इस बात का अहसास था कि उसे इस बार बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा जैसे राज्यों में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। जमीन पर ऐसे समीकरण बन चुके थे कि पार्टी कुछ सीटें हारने की कगार पर दिखी। तभी से एक अलग रणनीति पर फोकस किया गया जहां पर इन सीटों को छोड़ उन राज्यों में फोकस किया गया जहां से जीत निकाली जा सके। उसी रणनीति में दक्षिण भारत शामिल था, पूर्वोत्तर को रखा गया था और बंगाल-ओड़ीशा पर खास जोर दिया गया। अब वो रणनीति एग्जिट पोल में जरूर रंग लाती दिख रही है, जिन 120 सीटों पर 2019 के चुनाव में एनडीए को हार का सामना करना पड़ा था, इस बार उन सीटों पर खेल बदल सकता है।भाजपा ने शुरुआत से ही इस बार दक्षिण भारत पर अपना खास फोकस किया था। अकेले तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल जनवरी से 30 मई के बीच में 9 रैलियां संबोधित कीं। इसी तरह बंगाल में 42 सीटों के लिए मोदी ने 23 जनसभाएं कीं। यह बताने के लिए काफी है कि भाजपा का इन राज्यों पर कितना फोकस था। उस फोकस की वजह से ही पार्टी ने अपना विस्तार किया है, खुद को फर्श से अर्श तक पहुंचाने का काम किया है। अब अगर एग्जिट पोल एग्जैक्ट पोल साबित होते हैं, तो भाजपा रूपी सेना के कमांडर इन चीफ नरेंद्र मोदी, युद्ध-रणनीतिकार सेनापति अमित शाह और यूपी रेजिमेंट के कमांडर योगी आदित्यनाथ समेत तमाम भाजपा-सैनिकों को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय तो जाता ही है।

अरुणाचल में...

भाजपा ने राज्य की सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। भाजपा पहले ही बोमडिला, चौखम, ह्युलियांग, ईटानगर, मुक्तो, रोइंग, सागली, ताली, तालिहा और जीरो-हापोली सहित 10 सीटें बिना किसी संघर्ष के निर्विरोध जीत चुकी है।

सिक्किम की एसकेएम पार्टी ने 2019 में 24 साल 5 महीने और 15 दिन पुरानी एसडीएफ के मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को हराया था। इस तरह एसकेएम के प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। 2019 सिक्किम विधानसभा चुनाव में एसकेएम ने 17 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया और प्रेम सिंह मुख्यमंत्री बने। एसडीएफ 15 सीटों पर सिमट गई थी। 2014 के सिक्किम विधानसभा चुनाव में एसडीएफ ने 22 सीटें जीती थीं और पवन कुमार चामलिंग लगातार पांचवीं बार सीएम बने थे।अरुणाचल विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है, खासकर भाजपा के लिए। पार्टी ने इन विधानसभा चुनावों में नया रिकॉर्ड बनाया है। 2019 में हमने 41 सीटें जीती थीं और 2024 में हमने 46 सीटें जीतीं। उन्होंने यह भी कहा कि 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होगी। उसके बाद सभी विजयी उम्मीदवार ईटानगर पहुंचेंगे। दिल्ली से वरिष्ठ नेता भी आ सकते हैं। पार्टी की औपचारिकताओं के बाद हम नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें यकीन है कि हम राज्य की दोनों लोकसभा सीटें भी जीतेंगे।अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में बड़े जनादेश के साथ सत्ता में वापसी की है। पिछले दो कार्यकाल में भाजपा द्वारा किए गए काम के कारण ही लोगों ने भाजपा को फिर से वोट दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के लोगों पर खास ध्यान दिया है। लोगों की सरकार तक पहुंच और सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लोगों के जीवन में जबरदस्त बदलाव ला रही हैं, यही कारण है कि भाजपा ने चुनाव में जीत हासिल की है।

सिक्किम के मौजूदा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग 2019 में राज्य के छठे मुख्यमंत्री चुने गए थे। तमांग पश्चिम सिक्किम से आते हैं और 1990 के दशक की शुरुआत से राजनीति में सक्रिय हैं। 1993 में प्रेम सिंह तमांग सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) में शामिल हुए और 1994 में चाकुंग विधानसभा सीट से चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद उन्हें राज्य सरकार में मंत्री भी बनाया गया और 2009 तक वह कैबिनेट मंत्री बने रहे।पवन कुमार चामलिंग की एसडीएफ के साथ कभी राजनीति शुरू करने वाले प्रेम सिंह तमांग करीब 16 सालों तक पार्टी में रहे। इसके बाद उन्होंने बगावत कर दी। 2013 में प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) का गठन किया और 2019 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा। 2019 में जब एसकेएम ने चुनाव लड़ा तो उसे राज्य की 32 में 17 सीटों पर जीत हासिल हुई और पार्टी को बहुमत भी मिला। इसके बाद प्रेम सिंह तमांग राज्य के मुख्यमंत्री बने। प्रेम सिंह तमांग ने राज्य के 25 साल तक मुख्यमंत्री रहे पवन चामलिंग को हराया था। इससे चामलिंग का 25 साल का शासन भी खत्म हुआ था। 1994 से लगातार पवन कुमार चामलिंग सिक्किम के मुख्यमंत्री बनते आ रहे थे।प्रेम सिंह तमांग ने भाजपा के साथ भी गठबंधन किया था, लेकिन इस साल चुनाव से पहले उन्होंने अलग लड़ने का फैसला लिया। भाजपा सिक्किम में अकेले चुनाव लड़ी, लेकिन एक भी सीट नहीं ला पाई। 2019 के विधानसभा चुनाव में भी सिक्किम में भाजपा को एक भी सीट हासिल नहीं हुई थी लेकिन बाद में एसडीएफ के आठ विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद भाजपा के विधायकों की संख्या 8 हो गई थी। भाजपा भी सिक्किम सरकार में शामिल थी।

तेलंगाना, आंध...

एआईएडीएमके अपनी अंदरूनी लड़ाई से जूझ रहा है।

अगर भाजपा कर्नाटक में 2019 जैसी सफलता दोहराती है तो यह निश्चित रूप से हैरान करने वाला होगा। तब भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीती थीं। लेकिन पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में कर्नाटक में कांग्रेस को जीत मिली। यहां तमाम चैनलों के एग्जिट पोल्स में भाजपा को औसत रूप से 23 सीटें मिलने की बात कही गई है। इससे ऐसा संकेत मिलता है कि भाजपा को जेडीएस के साथ किए गए गठबंधन की फायदा मिला है।भाजपा विरोधी चुनाव समीक्षक योगेंद्र यादव भी अब यह कह रहे हैं कि चुनाव की घोषणा के बाद लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जितना डर या संदेह उनके मन में था, उतना 40 साल में कभी नहीं हुआ। लेकिन जब क्षेत्र में घूमे तो उन्हें लगा कि चुनाव पलट गया है।एग्जिट पोल्स ने तेलंगाना को लेकर जो आंकड़े दिए हैं, अगर वह सच साबित होते हैं तो यह भी निश्चित रूप से लोगों को हैरान ही करेगा। तेलंगाना में भाजपा कभी बड़ी ताकत नहीं रही है। कांग्रेस यहां सरकार में है। तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति का ग्राफ लगातार गिर रहा है। एग्जिट पोल्स बताते हैं कि भाजपा यहां पर कांग्रेस के साथ कड़े चुनावी मुकाबले में है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, तेलंगाना में भाजपा को 11-12 सीटें मिल सकती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने इस राज्य में चार सीटों पर जीत दर्ज की थी।आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ हुए हैं। एग्जिट पोल बताते हैं कि भाजपा, टीडीपी और जनसेना पार्टी के गठबंधन को राज्य की 25 में से 22 तक सीटें मिल सकती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की थी।अगर वाईएसआर कांग्रेस को एग्जिट पोल्स के आंकड़ों के हिसाब से ही सीटें मिलती हैं तो यह माना जाएगा कि राज्य में एंटी इनकंबेंसी फैक्टर काफी ताकतवर रहा है। वाईएसआर कांग्रेस ने इस बार बड़े पैमाने पर नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था। इससे यह भी पता चलता है कि आंध्र प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर एनडीए गठबंधन का चुनावी गणित ठीक रहा है।

आतंकियों का...

श्रीलंका सरकार ने गेरार्ड के बारे में जानकारी देने वाले को 20 लाख श्रीलंकाई मुद्रा में इनाम घोषित किया था। अब गुजरात एटीएस की टीम गेरार्ड का कब्जा लेने श्रीलंका जाएगी।

श्रीलंका सरकार ने गेरार्ड पर 20 लाख रुपए का इनाम घोषित करने के बाद गेरार्ड फरार हो चुका था। गेरार्ड पुलिस से बचने के लिए लगातार अपना हुलिया भी बदल रहा था। वह श्रीलंका छोड़कर भागने की तैयारी में ही था लेकिन श्रीलंका की तीन-तीन एजेंसी उसके पीछे लगी होने के कारण आखिरकार गेरार्ड दबोचा गया।पूछताछ में सामने आया है कि गेरार्ड श्रीलंका से आईएसआईएस के आतंकियों को भारत में भेजता था। गुजरात में से पकड़े गए चार आतंकियों के अलावा और कितने आतंकी भारत के अन्य किस किस राज्य में गेरार्ड ने भेजे हैं इस बारे में श्रीलंका पुलिस पूछताछ कर रही है। गुजरात एटीएस ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर से दबोचे चार आतंकी श्रीलंका से भारत में आए थे। इस्लामिक स्टेट प्रतिबंधित आतंकी संस्था है इसके बावजूद श्रीलंका के चार युवक इस संस्था में सक्रिय होकर आतंक फैलाने निकले हैं। इस बात की जानकारी श्रीलंका सरकार को मिलते ही श्रीलंका सरकार ने गुजरात एटीएस और भारत सरकार के पास पूरी जानकारी लेने की प्रक्रिया शुरू की थी। श्रीलंका सरकार ने भी पाकिस्तान में रहने वाले खड के नेता अबू बकर की सक्रियता के बारे में स्थानीय स्तर पर जांच शुरू की थी।

भारत में पकड़े गए चारों आतंकियों की जानकारी लेकर श्रीलंका में चारों की सक्रियता और स्थानिक स्तर पर उनकी लिंक के बारे में जांच करने पर श्रीलंका पुलिस ने चारों आतंकियों को मदद करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया था और इस बात की जानकारी गुजरात एटीएस को दी थी। इन युवकों ने चार आतंकियों को नकदी देने में एवं एयर टिकट निकलवाने में मदद की थी। साथ में एटीएस को यह जानकारी भी मिली थी कि इन चार आतंकियों से पहले भी खड ने अन्य आतंकियों को गुजरात भेजा था।

अपनी सत्ता वाले ...

लेकिन अपराध की घटनाओं और मूलभूत समस्याओं के नहीं सुलझने का असर कर्नाटक में दिख रहा है। लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में भाजपा का आंकड़ा बरकरार रहने की उम्मीद है।कर्नाटक के अलावा भाजपा को हिमाचल प्रदेश में भी 4 में से 4 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। यहां भी कांग्रेस 2022 में सत्ता में आई थी लेकिन उसे एक भी सीट नहीं मिलती दिखाई दे रही है। यहां तक कि मंडी सीट भी भाजपा के पास जा रही हैं जहां से कांग्रेस के प्रभावशाली नेता विक्रमादित्य सिंह चुनाव लड़ रहे हैं।इसके अलावा कांग्रेस-जेएमएम गठबंधन वाले राज्य झारखंड में भी भाजपा को 8-10 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। यहां भी कांग्रेस और जेएमएम कोई बड़ा उलटफेर नहीं कर सकी है। कांग्रेस के अलावा विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी भाजपा को बड़ा फायदा होने जा रहा है। सबसे बड़ा उलटफेर बंगाल में हुआ है। यहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान हो रहा है। पश्चिम बंगाल में भाजपा को 26-31 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। पिछली बार भाजपा यहां 18 सीट जीती थी। तृणमूल 11-14 पर सिमटती दिखाई दे रही है। ऐसे में भाजपा के लिए यहां सबसे बड़ा फायदा होने वाला है।पश्चिम बंगाल के अलावा भाजपा को ओड़ीशा में भी बड़ी जीत मिल रही है। ओड़ीशा में भाजपा के 21 में से 20 सीट जीतने का अनुमान लगाया जा रहा है। ओड़ीशा में सत्ताधारी बीजद को भारी नुकसान होने जा रहा है। यहां विधानसभा चुनाव भी लोकसभा के साथ हुए हैं। उनमें भी भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर रही है।इसके अलावा केरल में भी भाजपा का खाता खुलता दिखाई दे रहा है। यहां एनडीए को 2-3 सीटें मिलती दिख रही हैं। यदि ऐसा होता है तो यह भाजपा के लिए बहुत बड़ा फायदा होगा और राज्य में आगे का मार्ग प्रशस्त करेगा। केरल में लेफ्ट और कांग्रेस की लड़ाई से भाजपा फायदे में दिख रही है। पंजाब में आम आदमी पार्टी को 2 सीटें जबकि कांग्रेस को 7-9 सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। यहां भाजपा को 2-4 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा को यदि 4 सीट मिलती हैं तो यह आपा सरकार के लिए बड़ा झटका होगा।तमिलनाडु में भी भाजपा का खाता खुलने की उम्मीद है। एनडीए के तमिलनाडु में 2-4 सीट मिलने का अनुमान जताया गया था। 2019 में यहां 39 में से 38 सीट यूपीए गठबंधन को मिली थीं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में भी एनडीए को बड़ा फायदा हो रहा है। आंध्र प्रदेश में 25 में से 21-23 सीटें एनडीए द्वारा जीतने का अनुमान लगाया जा रहा है। सत्ताधारी वाईएसआरसीपी यहां 2-4 सीट पर सिमट सकती है।विपक्ष जहां अपने सत्ता वाले राज्यों में अपनी जमीन नहीं बचा पाया, वहीं उसकी हालत भाजपा शासित राज्यों में और भी खराब है।

भाजपा कार्यकर्ता ...

शनिवार को पश्चिम बंगाल की 9 लोकसभा सीटों दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, माथुरपुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर पर मतदान हुआ था, जिसमें राजनीतिक पार्टियों की तरफ से 2500 से ज्यादा शिकायतें मिलीं, जिसमें ईवीएम में गड़बड़ी, पोलिंग बूथ पर एजेंट्स को जाने से रोका जाना और वोटर्स को धमकाना शामिल था। भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ता वोटर्स को धमका रहे हैं।पुलिस ने मुख्य आरोपी की पहचान हो जाने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिजनों का कहना है कि हफीजुल शेख के भाजपा में शामिल होने पर ही उनकी हत्या की गई है। पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में अब तक कई लोगों की हत्या हो चुकी है। कुछ दिन पहले नंदीग्राम में भाजपा और टीएमसी वर्कर्स के बीच मारपीट हो गई थी। इस दौरान भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता की मौत हो गई थी तथा पार्टी के सात अन्य सदस्य घायल हो गए थे।निर्वाचन आयोग ने चुनाव बाद की हिंसा पर कड़ा रुख अपनाते हुए चार जून की मतगणना के बाद भी विभिन्न राज्यों को केंद्रीय बल मुहैया कराए हैं, ताकि उनके और केंद्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा दिए गए आकलन के आधार पर हिंसा की किसी भी घटना को रोका जा सके।

आखिरकार जाना ...

जमानत पर बाहर थे। वह वापस जेल चले गए हैं और मुझे उम्मीद है कि 4 जून के बाद तानाशाही खत्म होने पर वह जल्द ही बाहर आएंगे। पूरा देश एग्जिट पोल पर सवाल उठा रहा है, नतीजे 4 जून को हमारे पक्ष में आएंगे। जबकि दिल्ली सरकार में ही एक अन्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि कितना समय लगेगा यह नहीं पता, लेकिन सरकार, पार्टी और देश को बचा कर रखना है।मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने की तुलना भगत सिंह के जेल जाने से कर डाली। केजरीवाल ने भगत सिंह का हवाला दिया। भगत सिंह ने कहा था कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जेल जिम्मेदारी बन जाती है। देश को आजाद कराने के लिए भगत सिंह को फांसी दी गई थी। इस बार मैं जेल जा रहा हूं, मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा। भगत सिंह को फांसी हुई थी, मैं भी फांसी पर चढ़ने को तैयार हूं।केजरीवाल ने जेल जाने से पहले फिर से अपना पुराना घिसा-पिटा सवाल दोहराया कि आबकारी घोटाले के सौ करोड़ रुपए कहां गए? केजरीवाल ने कहा, ईजी के पास केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। बिना सबूत के जेल में डाल दिया। हम देश को बचाने के लिए जेल में जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 21 दिनों की जमानत देते हुए अदालत ने केजरीवाल को सख्त हिदायत दी थी कि वे बाहर घोटाले से जुड़ी कोई बात नहीं बोलेंगे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि वे आज इसलिए जेल नहीं जा रहे कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार किया है। वे इसलिए जेल जा रहा हैं क्योंकि उन्होंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की जुर्रत की है।

असम का ...

जो 2001 में घटकर 64.9 और 2011 में 61.46 प्रतिशत रह गई। वहीं, 1971 में मुस्लिम आबादी 24.6 प्रतिशत थी, जो 2001 में बढ़कर 30.9 और 2011 में 34.2 प्रतिशत हो गई। यानी 10 वर्ष में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत बढ़ गई! हालांकि यह समस्या इससे भी कहीं बड़ी है।घुसपैठियों के बारे में तीन आधिकारिक अनुमान हैं। 1992 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया ने इनकी संख्या 32 लाख बताई थी। 2004 में संप्रग सरकार ने संसद में घुसपैठियों की संख्या 50 लाख, जबकि 2016 में राजग सरकार ने घुसपैठियों की आबादी 80 लाख होने का अनुमान लगाया था। इसके अलावा, तीन स्वतंत्र अध्ययन हैं, जिसके अनुसार 2040 से 2051 के बीच असम बांग्लादेशी मूल वाला मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। 2021 के जनगणना के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन हाल के रुझानों के अनुसार, असम में 38-40 प्रतिशत मुस्लिम हो सकते हैं। हालांकि हर सरकार और हर राजनीतिक दल घुसपैठ को पूर्वोत्तर के लोगों की पहचान पर खतरा मानता है, फिर भी नाममात्र के कदम उठाए गए, जिनके परिणाम लगभग शून्य हैं।इसका कारण है कि असम का 20 वर्ष में मुस्लिम बहुल बनने का अनुमान जन्म दर व मुस्लिम आबादी की वृद्धि पर आधारित है। इसमें घुसपैठ को शामिल नहीं किया गया है। यदि स्थानीय लोगों की रक्षा के लिए कुछ नहीं किया गया तो वे अल्पसंख्यक हो जाएंगे। घुसपैठियों को खदेड़ने व स्थानीय आबादी की रक्षा के लिए 1970 के दशक से परोक्ष जनांदोलन चल रहा है। इसके परिणामस्वरूप 1985 का असम समझौता, 2016 में एनआरसी अद्यतन व केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित समिति की सिफारिशें सिर्फ उनके लिए भूमि आदि आरक्षित करने के लिए हैं, जिनके नाम 1951 के राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर में दर्ज हैं। इस समिति को असम समझौते के अंतर्गत खंड 6 समिति रिपोर्ट के रूप में जाना जाता है। केंद्र, राज्य व घुसपैठ के विरुद्ध लड़ाई का नेतृत्व करने वाले संगठन के बीच हुए समझौते के परिणामस्वरूप 25 मार्च, 1971 या उससे पहले असम में प्रवेश करने वाले सभी बांग्लादेशियों को नागरिकता दी गई।यह देश के बाकी हिस्सों के विपरीत है, जहां संविधान के अनुच्छेद-6 के तहत कट-आफ तिथि 19 जुलाई, 1948 थी। असम समझौते के तहत, राज्य ने 23 वर्ष बाद तक घुसपैठियों को नागरिकता देने का भार उठाया, जबकि केंद्र व राज्य सरकारों ने वचन दिया था कि सभी विदेशियों की पहचान कर कट-आफ तिथि के बाद रिपोर्ट की जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि घुसपैठ रोकने के लिए कोई कदम ही नहीं उठाया गया। एवं सरकारी अनुमान के अनुसार, 2016 में 80 लाख घुसपैठिए थे, जो 2011 में राज्य की कुल आबादी 3.3 करोड़ का 25 प्रतिशत हैं। वास्तव में घुसपैठ का मुद्दा उठाकर बड़ी संख्या में नेता तो तैयार हुए, पर राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए उन्होंने इस मुद्दे का इस्तेमाल किया और फिर इसे त्याग दिया, क्योंकि उन्हें वोट बैंक की चिंता थी।एनआरसी नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर है, जिसे 1951 में असम के सभी निवासियों के लिए लागू किया गया था और 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर रजिस्टर को अद्यतन किया गया था। इसका उद्देश्य 25 मार्च, 1971 के पहले से राज्य में रह रहे उन लोगों या उनके पूर्वजों की पहचान करना है, जो 1951 में नागरिक थे और अपनी या पूर्वजों की मौजूदगी के दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं, उन्हें अद्यतन एनआरसी में शामिल किया जाएगा।ऐसे लोगों की दो श्रेणियां हैं। पहली, जिनके नाम 1951 के रजिस्टर में हैं और दूसरी श्रेणी में उनकी संतानें व बाद की पीढ़ियां शामिल हैं। एनआरसी अद्यतनीकरण सर्वोच्च न्यायालय की देखरेख में किया गया था, फिर भी बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई, खासकर सीमावर्ती जिलों में, जहां बड़ी संख्या में विदेशी भी एनआरसी में अपना नाम शामिल कराने में सफल रहे। विदेशी न्यायाधिकरणों ने जिन्हें विदेशी घोषित किया था, वे प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से एनआरसी में अपना नाम दर्ज कराने में सक्षम थे। जैसे, धुबरी जिले में विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित सभी 26,000 लोगों के नाम एनआरसी में शामिल किए गए थे।ऐसे भी मामले हैं, जिन्हें विदेशी तो घोषित कर दिया गया, पर वे हिरासत में थे और उनके मामले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं। इसलिए उन्हें भी एनआरसी में शामिल किया गया। वास्तव में एनआरसी प्रक्रिया के दौरान घुसपैठियों ने सुनियोजित तरीके से तोड़फोड़ की ताकि वे इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें! एनआरसी में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए निरीक्षण टीमों को आवेदकों के घर जाना था। लेकिन दल ने दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया और आवेदक के दो पड़ोसियों के बयान दर्ज किए जो उन्हें नागरिक प्रमाणित करते थे और तद्नुसार आवेदक जो प्रमाणित करता था कि वह पड़ोसी या नागरिक है। एनआरसी का अधिकांश डेटा डिजिटलीकृत है और सभी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हैं। इनके आधार पर एनआरसी का पुनर्सत्यापन मुश्किल नहीं है।घुसपैठ का प्राथमिक कारण है अर्थव्यवस्था, बांग्लादेश में भूमि व संसाधनों की कमी, जो मुस्लिम घुसपैठियों को असम में धकेल रही है। इन्हें निकालने का एक उपाय है कि उन्हें हतोत्साहित किया जाए ताकि वे असम में प्रवेश न कर सकें या प्रवेश कर भी गए हैं तो संसाधनों तक आसान पहुंच न हो और वे असम छोड़ने को मजबूर हो जाएं। असम की तरह पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों व देश के बाकी हिस्सों में भी वनवासियों व अन्य नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने वाले कानून हों ताकि घुसपैठिए आसानी से संसाधनों तक न पहुंच सकें। ऐसी कानूनी व्यवस्था के कारण पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की उपस्थिति नगण्य है। हालांकि असम में फर्जी पहचान के आधार पर वे नागरिकता व भूमि संबंधी अधिकार, संसाधनों तक पहुंच और अन्य सरकारी लाभ प्राप्त करने में सक्षम हैं। 1951 का एनआरसी डेटा और समान कानून लागू कर इन्हें हतोत्साहित किया जा सकता है।इस संबंध में पहली बार 2015 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त उपमन्यु हजारिका आयोग ने सिफारिश की थी। आयोग ने बांग्लादेश के साथ सटी सीमा की स्थिति पर अदालत को 4 रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें घुसपैठ रोकने का एकमात्र उपाय सुझाया गया था। वह था-असम में कानून बनाकर भूमि, रोजगार, व्यापार आदि सिर्फ उनके लिए आरक्षित किया जाए, जिनके नाम या जिनके पूर्वजों के नाम 1951 के एनआरसी में हैं।यह असम समझौते की धारा 6 के अनुरूप भी है, जिसके तहत असम के लोगों से वादा किया गया था कि 23 वर्ष से घुसपैठियों का बोझ उठाने और उन्हें नागरिकता देने के एवज में राज्य के लोगों को कानूनी व संवैधानिक सुरक्षा दी जाएगी। कानून बनाकर ऐसे छोटे जातीय समुदायों की पहचान की रक्षा की जा सकती है। इस दिशा में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक समिति गठित की थी, जिसने 2020 में सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में सुझाया था कि भूमि, रोजगार, व्यापार के अधिकारों की रक्षा करने वाला कानून केवल उनके लिए हो, जिनके नाम 1951 एनआरसी में हैं।अभी एनआरसी मसौदा प्रक्रिया में है और इसे अधिसूचित नहीं किया गया है। इसे तभी अधिसूचित किया जा सकता है, जब बड़ी संख्या में मौजूद विदेशियों को बाहर रखा जाए। ऐसा दस्तावेजों के दोबारा सत्यापन के माध्यम से हो सकता है, जो डिजिटल हो गए थे। भले ही राज्य सरकार कहे कि उनके दोबारा सत्यापन के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की जरूरत है, पर नागरिकता अधिनियम व नियम सरकार को ऐसा करने का अधिकार देते हैं। इसके लिए न्यायालय का निर्देश जरूरी नहीं है, केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। धारा 6 पर समिति की रिपोर्ट पहले से ही केंद्र व राज्य सरकारों के पास है। इसमें उपमन्यु हजारिका आयोग की रिपोर्ट भी शामिल है। यदि ठोस उपाय नहीं किए गए तो 2040 तक असम की स्थानीय आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। एनआरसी का दोबारा सत्यापन और स्थानीय लोगों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करके ही इस प्रवृत्ति को पलटा जा सकता है।

मुसेटी को कड़े मुकाबले में हराकर जोकोविच अगले दौर में पहुंचे, फेडरर के इस रिकॉर्ड की बराबरी की

पेरिस, 02 जून (एजेंसियां)।

महिला और पुरुष मिलाकर सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले सर्बिया के विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। जोकोविच को हालांकि इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ जीत दर्ज करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाते हुए पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

साढ़े चार घंटे तक चला मैच – जोकोविच और मुसेटी के बीच पुरुष सिंगल्स वर्ग के तीसरे दौर का चार घंटे और 30 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार जोकोविच ने बाजी मारी। जोकोविच ने मुसेटी को 7–5, 6–7 (6), 2–6, 6–3, 6–0 से हराया। मुसेटी ने जब लगातार दो सेट जीते तो लग रहा था कि जोकोविच के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा लेकिन सर्बिया के इस खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार खेल दिखाया तथा खुद को रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम और फ्रेंच ओपन में अपने चौथे खिताब की दौड़ में बनाए रखा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मैं वास्तव में बड़ी मुश्किल में था और मुझे कोर्ट पर असहज बनाने का श्रेय लोरेंजो को जाता है। उसने वास्तव में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। एक समय वास्तव में मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना है।

जोकोविच की ग्रैंडस्लैम में 369वीं जीत – जोकोविच की ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह 369वीं जीत है और इस तरह से उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। जोकोविच यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जब उनका सामना अर्जेंटीना के 23वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा। अगर जोकोविच इस मैच को जीतने में सफल रहे तो वह ग्रैंडस्लैम में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

बालाजी–मार्टिनेज की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में – भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस–वेरेला मार्टिनेज ने डैन एडेड और थियो एरिबेज की जोड़ी को तीन सेटों में हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बालाजी और मार्टिनेज की जोड़ी ने एक घंटे 42 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में फ्रांस की जाड़ी को 6–4, 3–6, 6–2 से हराया। पेरिस ओलंपिक में बालाजी के रोहन बोपन्ना का जोड़ीदार बनने की ज्यादा संभावना है।

न्यूज़ ब्रीफ

सितसिपास फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में, स्वियातेक अल्कारेज भी आगे बढ़े

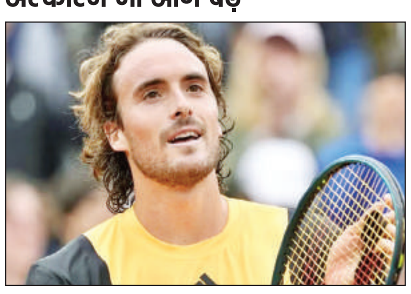

पेरिस । स्टेफानोस सितसिपास ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके कार्लोस अल्कारेज और इगा स्वियातेक के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया। सितसिपास ने झांग झिझेन को 6–3, 6–3, 6–1 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला इटली के गैर वरीयता प्राप्त माटेओ अर्नाल्डी से होगा जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को 7–6 (6), 6–2, 6–4 से हराया था। इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सिनर ने पावेल कोटोव को 6–4, 6–4, 6–4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर का अगला मुकाबला फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट से होगा। दो बार के ग्रैंडस्लैम विजेता कार्लोस अल्कारेज ने भी 27वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6–4, 7–6 (5), 6–3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। अल्कारेज पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच से हार गए थे।महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैरी बौज़कोवा को 6–4, 6–2 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला गैर वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा से होगा। अमेरिका की सोफिया केनिन को हार का सामना करना पड़ा। केनिन को डेनमार्क की गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी क्लारा टूसन ने 6–2, 7–5 से हराया। टूसन का अगला मुकाबला विंबलडन में दो बार उपविजेता रही ओंस जेबुर से होगा। ट्यूनीशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस ने 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज को 6–4, 7–6 (5) से हराया। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लो पैक्वेट को 6–1, 6–3 से पराजित किया।

डीपी मनु ने ताइवान ओपन में भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता, 81.52 मीटर का रहा सर्वश्रेष्ठ प्रयास

ताइपे । भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु ने ताइपे में 81.58 मीटर थ्रो के साथ ताइवान ओपन 2024 में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ने अपने पांचवें प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया और पहले स्थान पर रहे। ताइवान ओपन विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता है। इसमें खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक भी मिलते हैं। मनु के पांच प्रयास मनु ने 78.32 मीटर थ्रो के साथ शुरुआत की, जबकि उनका दूसरा प्रयास 76.80 मीटर का रहा। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे प्रयास में 80.59 मीटर और पांचवें प्रयास में 81.52 मीटर दूर फेंका। हालांकि, उनका चौथा प्रयास फाउल रहा था। व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी दूर हालांकि, यह प्रदर्शन मनु के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.35 मीटर से बहुत दूर था। यह मौजूदा सत्र में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रयास 82.06 से भी कम है, जो पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में आया था। वह फेडरेशन कप में ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। अब तक क्वालिफाई नहीं कर सके मनु पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने वाले मनु को अभी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना बाकी है, जिसके लिए क्वालिफिकेशन मार्क 85.50 मीटर है।

हमारी सभी योजनाओं को ध्वस्त कर देते थे सचिन : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर सचिन तेंदुलकर सबसे बेहतर थे और हमारी सभी योजनाएं उनके सामने विफल हो जीती थीं। पोंटिंग ने सचिन को तकनीकी रुप से सबसे सबसे अच्छा बल्लेबाज करार दिया। टी20 विश्व कप को लेकर जब पोंटिंग से जब भारतीय टीम के बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर बात की गई तो कहा कि महान बल्लेबाज सचिन सर्वश्रेष्ठ थे। पोंटिंग ने खेल एंकर संजना गणेशन से कहा, सचिन की तकनीक उतनी शानदार थी जैसा मैंने अपने पूरे करियर में किसी और की नहीं देखी थी। हमने चाहे भारत में हो या फिर ऑस्ट्रेलिया में जो भी योजना उनके लिए बनाई वो सभी को धवस्त कर देते थे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि दौर में कौन सा बल्लेबाज उनके जैसा है इस पर पोंटिंग ने कहा, देखिए सचिन ने जब क्रिकेट खेला तब के हालात आज के मुकाबले से अधिक कठिन थे। अब वनडे क्रिकेट के नियम काफी बदल गये हैं।

डॉर्टमुंड को एकतरफा अंदाज में हराकर रियल मैड्रिड बना चैंपियन, 15वीं बार जीता खिताब

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

डानी कारवाजल और विनिसियस जूनियर के एक–एक गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रियल मैड्रिड ने डॉटमुंड को 2–0 से हराया और 15वीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस तरह रियल मैड्रिड ने अपने पिछले नौ यूरोपियन कप फाइनल्स जीते हैं और पिछले 11 सीजन में से छह बार टूर्नामेंट जीता है।

रियल मैड्रिड के लिए डानी ने टोनी क्रूस के कॉर्नर पर 74वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया। अंतिम सीटी बजने तक डॉर्टमुंड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। निकलास फुएलक्रुग के पोस्ट पर करीम अदेयेमी गोल करने में नाकाम रहे। डॉर्टमुंड ने कई मौके गंवाए जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड को करना पड़ा संघर्ष

मैड्रिड को पहले हाफ में संघर्ष करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने मैच में दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से डैनी कार्वाजल और विनीसियस जूनियर ने गोल दागे। डॉर्टमुंड ने पहले हाफ में अच्छा खेल दिखाया। उसने कुछ मौके भी बनाए लेकिन इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। कार्वाजल, लुका मोड्रिक, टोनी क्रूस और नाचो ने छठी बार ट्रॉफी जीती और इस तरह से उन्होंने मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी रहे पाको गेंटो की बराबरी की।

मैड्रिड का कोच रहते एंसेलोटी ने तीसरी बार जीता खिताब

रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी का कोच के रूप में चैंपियंस लीग में यह पांचवा खिताब है। इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड में सुधार किया। जिनेदिन जिदान, पेप गार्डियोला और बॉब पैस्ले ने कोच के रूप में तीन–तीन बार चैंपियंस लीग जीती है। रियल मैड्रिड का कोच रहते हुए एंसेलोटी ने तीसरी बार चैंपियंस लीग जीती। वेंबले स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की जीत के बाद एंसेलोटी ने कहा, हमें इसकी आदत पड़ती जा रही है। हमारा स्वप्निल सफर जारी है। यह बेहद मुश्किल मैच था। हमने जितना सोचा था यह उससे अधिक कड़ा मैच था। पहले हाफ में हम थोड़ा सुस्त थे लेकिन इसके बाद हमने अच्छा खेल दिखाया।

टी20 विश्वकप : अर्शदीप ने अभ्यास मैच में लिटन को किया बोल्ड

न्यूयॉर्क । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां एकमात्र अभ्यास मैच में बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास को क्लीन बोल्ड कर दिया। लिटन 8 गेंदों में केवल 6 रन ही बना सके। लिटन ने अपनी इस पारी में एक चौका जसप्रीत बुमराह की गेंद पर लगाया। वह अर्शदीप की बैक–ऑफ–द–लेंथ गेंद को खेलने में पूरी तरह से विफल रहे। अर्शदीप ने इस मैच में दो विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई अर्शदीप ने पिछले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम की ओर से खेला था। गत माह आईपीएल 2024 के दौरान भी उनकी गेंदबाजी की तारीफ हुई थी। अर्शदीप ने 2023 सीजन में 18, 2022 सीजन में 10 तो 2021 सीजन में 19 विकेट लिए थे। बांग्लादेश के खिलाफ पहले खेलते हुए भारतीय टीम की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 1 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रोहित ने ऋषभ के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। ऋषभ 33 गेंदों पर 53 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 23 गेंदों पर 40 रन बनाकर टीम को 182 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम 122 रन ही बना पाई। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप के अलावा शिवम दुबे ने भी दो विकेट लिए। वहीं बुमराह, सिराज, हार्दिक और अक्षर पटेल ने 1–1 विकेट लिया।

इंपेक्ट प्लेयर नियम बनाये रखें पर बाउंड्री को बढ़ा दें : गांगुली

मुंबई, 02 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि इंपेक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में जारी रहे पर टॉस के समय ही ये तय हो कि कौन सा खिलाड़ी इंपेक्ट प्लेयर के तौर पर उतरेगा। गांगुली दिल्ली कैपिटल्स टीम के क्रिकेट निदेशक भी हैं। गांगुली का ये बयान इसलिए आया है क्योंकि हाल में समाप्त हुए आईपीएल सत्र में 'इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम को लेकर सवाल उठे थे और कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है इससे खेल में बल्लेबाज हावी होते हैं। इसी कारण बड़े स्कोर बने हैं। वहीं गांगुली ने कहा कि इंपेक्ट प्लेयर का नियम बना रहे पर अगले सत्र से बाउंड्री और बढ़ा देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुझे इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम पसंद है कयोंकि इससे खेल में रोमांच आता है। जहां तक संतुलन की बात है तो इसके लिए मैदान थोड़े बड़े कर देने चाहिए। सीमारेखा को थोड़ा बढ़ा देना चाहिए। इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के साथ बदलाव के तहत खिलाड़ी पर फैसला टॉस से पहले हो जाना चाहिये। टॉस से पहले खुलासा करने के लिए आपको कौशल और रणनीति की जरूरत होगी पर मैं इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम को बनाये रखा जाना चाहिये। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव का इस आईपीएल सत्र में प्रदर्शन इतना शानदार नहीं रहा पर गांगुली का कहना है कि वह अब भी युवा है और छोटे प्रारूप को सीख रहा है। उन्होंने कहा कि वह अभी 23 साल का ही है। वह अब भी सीख रहा है कि टी20 क्रिकेट कैसे खेला जाए। वह शानदार प्रतिभा का धनी है और आने वाले समय में बेहतर ही होगा। साथ ही कहा कि हम पहले ही काफी कुछ उम्मीद लगाने लगते हैं और पृथ्वी के कौशल को देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि वह आने वाले समय में अच्छा करेगा।

एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे युवराज

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) ।

पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

प्रज्ञानंद ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को हराया क्लासिकल शतरंज में हासिल की ये विशेष उपलब्धि

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो कारुआना को क्लासिकल शतरंज के पांचवें दौर में हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानंद ने क्लासिक शतरंज में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को पहली बार हराया है।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 पर पहुंचे प्रज्ञानंद

प्रज्ञानंद अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की विश्व रैंकिंग में शीर्ष–10 में शामिल हो गए हैं। 18 वर्ष के भारतीय ग्रैंडमास्टर ने इससे पहले तीसरे दौर में कार्लसन को हराया था। फिड शतरंज विश्व कप के गत उपविजेता प्रज्ञानंद ने शानदार चाल चलते हुए कार्लसन को मात दी थी। इससे पहले भी अपने करियर में कुछ मौकों पर प्रज्ञानंद ने कार्लसन को रेपिड और ब्लिट्ज गेम को मात दी थी।

नाकामुरा ने बढ़त मजबूत की

अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने खराब फॉर्म में चल रहे चीन के विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर अपनी बढ़त को एक अंक तक बढ़ा दी। नाकामुरा के 10 अंक हैं। कार्लसन ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। अब जबकि टूर्नामेंट में पांच दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब प्रज्ञानंद 8.5 अंक लेकर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन के बाद तीसरे नंबर पर हैं। अलीरेजा के 6.5 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर हैं। कारुआना पांच अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि डिंग लिरेन की खराब फॉर्म जारी है। उनके केवल 2.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद और कारुआना के बीच शुरू में मोहरों की अदला बदली देखी गई। प्रज्ञानंद ने अमेरिकी खिलाड़ी को उलझाए रखा। कारुआना ने 66वीं चाल में गलती की जिसका प्रज्ञानंद ने पूरा फायदा उठाया और इसके 11 चाल बाद जीत दर्ज की।

वैशाली का शानदार प्रदर्शन जारी

महिला वर्ग में प्रज्ञानंद की बहन और ग्रैंडमास्टर भारत की आर वैशाली ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखा और आर्मगेडन गेम में चीन की टिंगकी लेई को हराकर अपने अंको की संख्या 10 पर पहुंचा दी है। वैशाली के बाद अन्ना मुजीचुक का नंबर आता है जिनके नौ अंक हैं। उन्होंने पांचवें दौर में स्वीडन की पिया क्रैमलिंग को हराया। महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने आर्मगेडन में भारत की कोनेरू हंपी को पराजित किया। वह 7.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। लेई छह अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं।

मुक्केबाजी में भारत हासिल कर सकता है एक और ओलंपिक कोटा, जैस्मीन का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) ।

मुक्केबाजी में भारत को एक और ओलंपिक कोटा मिल सकता है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 57 किग्रा क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड की एना मारिजा मिलिसिक पर शानदार जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब पहुंच गई हैं। भारत की इस 22 साल की खिलाड़ी ने अंतिम 16 मुकाबले में जजों के सर्वसम्मत निर्णय (5–0) से मिलिसिक को शिकस्त दी। निशांत देव (71 किग्रा) के अलावा महिला वर्ग में निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पहले ही पेरिस के लिए अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। क्वार्टर फाइनल में जीत दिलाएगा ओलंपिक कोटा क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में चार कोटा स्थान है। जैस्मीन को पेरिस खेलों में अपनी जगह पक्की करने और भारत के लिए 57 किग्रा कोटा पुन: प्राप्त करने के लिए अपना क्वार्टर फाइनल जीतना होगा। परवीन हुड्डा ने 2023 एशियाई खेलों में 57 किग्रा कोटा हासिल किया था, लेकिन पिछले महीने डोपिंग के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया गया था, जिससे भारत को कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। जैस्मीन ने तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया जैस्मीन ने एशियाई खेलों और ओलंपिक के पहले क्वालीफायर में 60 किग्रा में चुनौती पेश की थी लेकिन टूर्नामेंट में रिजर्व के रूप में सूचीबद्ध होने के कारण उन्हें 57 किग्रा में भाग लेने की अनुमति मिल गई। जैस्मीन और मिलिसिक ने शुरुआत में एक–दूसरे को आंकने पर ध्यान दिया। जैस्मीन ने इसके बाद अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया और मिलिसिक लगातार मुक्के बरसाये। स्विट्जरलैंड की खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की लेकिन जैस्मीन उनसे दूरी बनाए रखने में सफल रहीं। जैस्मीन ने अपनी कद का इस्तेताल करते हुए मिलिसिक पर दबाव बनाए रखा। सचिन का सफर सेमीफाइनल में समाप्त पुरुषों के 57 किग्रा में पूर्व युवा विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 57 किग्रा सेमीफाइनल में अच्छी कोशिश की, लेकिन टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता फिलीपींस के कार्लो पालम से 0–5 से हार गए।

मुक्केबाज अमित पंघाल ने हासिल किया ओलंपिक कोटा, क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के अंतिम–4 में पहुंचे

नई दिल्ली । भारत के दिग्गज मुक्केबाज अमित पंघाल ने पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। उन्होंने दूसरे विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विपक्षी मुक्केबाज को 5–0 से हराया। इस जीत के साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर गए। उन्होंने 51 किलोग्राम भारवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया है। विश्व चैंपियनशिप में भारत के एकमात्र पुरुष रजत पदक विजेता पंघाल ने क्वार्टर फाइनल में लियू को 5–0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक खेलों की मेजबानी का टिकट हासिल किया। वह इस तरह निशांत देव (71 किग्रा), निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) की चौकड़ी में शामिल हो गए। इन सभी ने पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।पंघाल के पास पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के लिए केवल एक मौका था, क्योंकि वह पहले की दो क्वालिफाइंग प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया से हार गए थे, लेकिन इस बार 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन ने अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। अब जैस्मीन लैंबोरिया (57 किग्रा) और सचिन सिवाच (57 किग्रा) भी ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

मुकदमे में छह गलतियों ने ट्रंप को दोषी ठहराया, बचाव पक्ष की जिरह में जज की बेइज्जती से लेकर झूठ था शामिल

वाशिंगटन, 02 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के पहले ऐसे राष्ट्रपति बन गए हैं जिन्हें किसी मुकदमे में दोषी ठहराया गया है। विशेषज्ञों की मानें तो वह इस मुकदमे में पूरी तरह राहत पा सकते थे, शायद केस भी जीत सकते थे। लेकिन उन्होंने और उनके वकीलों ने मुकदमे के दौरान छह गलतियों से कोई परहेज तक नहीं किया। ट्रंप ने की जज की बेइज्जती ट्रंप ने जज का अनादर किया। उनकी टीम ने बार-बार जज को नाराज करने की गलती की। उन्होंने 10 बार अदालत की अवमानना की। इसके लिए वह लगभग जेल जाते-जाते बचे थे। उनके वकीलों ने कई तुच्छ और दोहरे प्रस्ताव पेश किए। इससे उनके केस और खुद की प्रतिष्ठा को कोई फायदा नहीं पहुंचा। जाहिर है कि मुवक्किल (ट्रंप) ने ही इस पर जोर दिया होगा। कोर्ट में लेते रहे झपकी ट्रंप अपने मुकदमे में अधिकांश वक्त में झपकी लेते दिखे। ज्यूरी सदस्यों को उनके कभी-कभी सोने से परेशानी नहीं थी। लेकिन कोर्ट रूम में मॉनिटर पर (जिस पर ट्रंप को सामने से दिखाया गया) उनकी आंखें हर दिन और गवाही के बड़े हिस्से में बंद दिखी थीं। गवाह पेश करने का फैसला बचाव पक्ष किसी भी गवाह को न बुलाए जाने का विकल्प चुन सकता था। इसके बजाय बचाव पक्ष ने मुकदमे में अब तक के सबसे खराब और कम विश्वसनीय गवाह गुंडे रॉबर्ट कॉस्टेलो को बुलाया। बचाव पक्ष से जिरह में चूक बचाव पक्ष ने स्टॉर्मी डेनियल्स से जिरह में चूक की। उनकी वकील सुसान नेशेल्स के लिए यह साबित करना मुश्किल था कि डेनियल्स ट्रंप के साथ यौन संबंध के बारे में झूठ बोल रही थीं। हालांकि, वह साफ तौर से झूठ नहीं बोल रही थीं। लेकिन नेशेल्स ने डेनियल्स को उनके करियर विकल्पों के लिए शर्मिंदा करने, डेनियल्स को गलत साबित करने के लिए उनके खिलाफ सुबूत होने का बहाना किया। तर्क छोड़ना बचाव पक्ष के मुख्य वकील टॉड ब्लैंच ने माइकल कोहेन के विरुद्ध अच्छे तर्क छोड़ दिए। ब्लैंच, कोहेन के सभी झूठों की सूची बनाने में ही उत्सुक बने रहे। एक्सेस हॉलीवुड टेप पर झूठ बचाव पक्ष के वकील टॉड ब्लैंच जिरह के दौरान एक्सेस हॉलीवुज टेप पर झूठ बोला। उन्होंने कहा कि राजनेताओं एक्सेस हॉलीवुड टेप को नकारात्मक कहा है। कुछ भी सत नहीं है। ज्यूरी ने इस टेप को लेकर बहुत सारी गवाहियां सुनी थी।

न्यूज ब्रीफ

नाटो का एशिया-प्रशांत संस्करण बनाने की कोशिश कर रहा अमेरिका, चीन के शीर्ष रक्षा अधिकारी का बड़ा बयान

बीजिंग । चीन के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने दावा किया है कि अमेरिका, नाटो का एशिया प्रशांत

संस्करण बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि उसकी यह स्वार्थी कोशिश सफल नहीं होगी। चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के जॉइंट स्टाफ विभाग के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल जिंग जियानफेंग ने यह बड़ा दावा किया है। लेफ्टिनेंट जियानफेंग का यह दावा अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के शंगरी ला डायलॉग में दिए गए भाषण के जवाब में सामने आया है। अमेरिका के लिए गोलियां खाएंगे अन्य देश शंगरी ला डायलॉग में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने और सहयोग मजबूत करने की बात कही थी। शंगरी ला डायलॉग एशिया का प्रमुख रक्षा सम्मेलन है। ऑस्टिन के भाषण के जवाब में लेफ्टिनेंट जनरल जिंग ने चेताया कि अगर क्षेत्रीय देश अमेरिका की हिंद प्रशांत रणनीति पर हस्ताक्षर करते हैं तो वे अमेरिका के युद्ध रथ का हिस्सा बनने के लिए मजबूर होंगे और उन्हें अमेरिका के लिए गोलियां खानी होंगी। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन की टिप्पणी सुनने में अच्छी लगती है, लेकिन यह सही नहीं है और इसे सिर्फ अमेरिका के भू-राजनैतिक हितों को साधने के लिए बनाया गया है और ये असफल होने के लिए अभिशप्त है। अमेरिका के आधिपत्य को कायम रखना उद्देश्य चीनी सैन्य अधिकारी ने कहा कि इस पूरी नीति का उद्देश्य अमेरिका के आधिपत्य को कायम रखना है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) एक अंतरसरकारी सैन्य गठबंधन है। जिसमें 32 देश सदस्य हैं। इनमें से 30 देश यूरोपीय और दो देश उत्तरी अमेरिकी हैं। नाटो के किसी भी सदस्य देश पर हमले को पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उस हमले का जवाब देते हैं।

आइसलैंड में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान जारी, पूर्व पीएम कैटरीन और टॉमसडॉटिर के बीच टक्कर

रेक्जाविक (आइसलैंड) । आइसलैंड में नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान जारी है। स्थानीय समय के

अनुसार, बड़े नगर पालिकाओं में मतदान केंद्र खुले रहेंगे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए लगभग दो लाख 70 हजार लोग वोट देने के लिए पात्र हैं। उन्हें मतदान करने के लिए पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस जैसी व्यक्तिगत पहचान लानी होगी। वहीं, चुनाव मैदान में 12 उम्मीदवारों ने ताल ठोकी है। नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार, आइसलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री कैटरीन जकोब्सडॉटिर और व्यवसायी हल्ला टॉमसडॉटिर के बीच कांटे की टक्कर है। सर्वेक्षण एजेंसी गैलप पोल ने जकोब्सडॉटिर को 26 फीसदी और टॉमसडॉटिर को 23.9 फीसदी वोट दिए। वहीं जॉन ग्रार को पांचवें स्थान पर आठ फीसदी मत मिले। एक अगस्त तक काम करेंगे निवर्तमान राष्ट्रपति गुडनी बता दें कि आइसलैंड के निवर्तमान राष्ट्रपति गुडनी जोहानसन एक अगस्त तक राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे। इस दौरान नव-निर्वाचित राष्ट्रपति पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं, जोहानसन ने एक जनवरी को घोषणा की थी कि वह दो कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। आइसलैंड में एक दौर में होता है चुनाव जानकारी के अनुसार, आइसलैंड में चुनाव एक दौर में होता है।

कट्टरपंथी नेता अहमदीनेजाद फिर राष्ट्रपति बनने की रेस में शामिल, अयातुल्लाह खुमैनी की बढ़ सकती है परेशानी

तेहरान । ईरान के कट्टरपंथी पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद एक बार फिर राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल हो गए हैं। दरअसल अहमदीनेजाद ने 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया। इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद ईरान में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं। महमूद अहमदीनेजाद के नामांकन के बाद ईरान के राष्ट्रपति का चुनाव रोचक हो गया है। अहमदीनेजाद ईरान के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। खास बात ये है कि अहमदीनेजाद के नामांकन से ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अल खुमैनी पर दबाव बढ़ गया है। ईरान का राष्ट्रपति रहने के दौरान अहमदिनेजाद ने अयातुल्लाह अल खुमैनी को चुनौती दी थी, जिसके चलते साल 2021 में अहमदीनेजाद को राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। अहमदीनेजाद को अमेरिका का कट्टर विरोधी माना जाता है। अहमदीनेजाद अगर ईरान की सत्ता में वापस आते हैं तो कट्टरपंथी नेता की यह वापसी ऐसे समय होगी, जब ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तनाव चरम पर है। ईरान लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को बढ़ा रहा है। साथ ही ईरान इजराइल के खिलाफ भी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। इजराइल हमास युद्ध के चलते ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर हमले कर रहे हैं, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

बाज नहीं आ रहे हूती, हिंद महासागर-लाल सागर में छह अभियान चलाने का दावा, तीन जहाजों पर बोला हमला

काहिरा, 02 जून (एजेंसियां)। इजराइल-हमास संघर्ष के बीच फलस्तीन के समर्थन में यमन के हूतियों ने लाल सागर और हिंद महासागर में छह अभियान चलाए। इस दौरान एक अमेरिकी विमानवाहक पोत, एक युद्धपोत और तीन जहाजों को निशाना बनाया। यह जानकारी ईरान समर्थित समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने दी।

बाज नहीं आ रहे हूती, लाल सागर में जहाजों को बनाया निशाना

ईरान गठबंधन हूती संगठन लाल सागर में नवंबर से लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इससे जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका की तरफ मुड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इजराइल-हमास युद्ध के बढ़ने की आशंका है, इससे मध्य-पूर्व एक बार फिर अस्थिर हो सकता है। इस साल मार्च में हूती संगठन के एक नेता ने कहा था कि वह इजराइल से जुड़े जहाजों को रोकने के लिए वह हमले तेज कर रहा है।

कई मिसाइलों और ड्रोन से हमला

याह्या सारी ने कहा कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के उत्तर में स्थित अमेरिकी विमानवाहक पोत आइजनहावर को कई मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया। यह हमला पिछले 24 घंटों में दूसरी बार किया गया है।

इनको बनाया गया निशाना

प्रवक्ता ने आगे बताया कि अन्य अभियानों में लाल सागर में एक अमेरिकी युद्धपोत और अबलियानी जहाज को निशाना बनाया गया है। साथ ही मैना जहाज को भी निशाना बनाया गया। इस जहाज पर लाल सागर और अरब सागर में दो बार हमला करने की कोशिश की गई।

इसके अलावा, हिंद महासागर में जहाज अलोराईक को भी निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों के ड्रोन और मिसाइल हमलों का उद्देश्य बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी है। इन हमलों की वजह से जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका की तरफ मुड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

नेतन्याहू के खिलाफ तेल अवीव की सड़कों पर सबसे बड़ा प्रदर्शन, बंधकों को छुड़ाने की मांग

तेल अवीव । तेल अवीव की सड़कों पर एक बार फिर बड़े सरकार विरोधी प्रदर्शन देखने को मिले। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने हमास के साथ बंधकों की अदला-बदली समझौते और बेंजामिन नेतन्याहू को प्रधानमंत्री के पद से हटाने व देश में तय समय से पहले जल्द चुनाव कराने की मांग की। प्रदर्शन के आयोजकों का दावा है कि सात अक्तूबर के बाद से सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में अकेले तेल अवीव में 1,20,000 लोग पहुंचे। हांलाकि, इस आंकड़े की पुष्टि नहीं की गई है। इसी तरह के विरोध प्रदर्शन देशभर के विभिन्न हिस्सों में भी देखने को मिले। प्रदर्शनकारियों ने डेमोक्रेसी स्क्वायर, बिगिन रोड और कपलान स्ट्रीट के चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, यरूशलम में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति निवास की ओर कूच किया। उन्होंने बंधकों की सुरक्षित वापसी की मांग और संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का आभार जताया। इस दौरान गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के प्रतीक पीले झंडे भी लहराए गए। प्रदर्शनकारियों ने बंधकों को वापस लाना होगा के नारे लगाए। इस बीच, कतर, अमेरिका और मिस्र ने एक साझा बयान में इजराइल और हमास से प्रस्तावित युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए समझौते को अपनाने का आग्रह किया। बयान में कहा गया है कि कतर अमेरिका और मिस्र संयुक्त रूप से हमास और इजराइल दोनों से 31 मई 2024 को राष्ट्रपति बाइडन द्वारा पेस समझौते को अंतिम रूप देने का आह्वान करते हैं। बयान में कहा गया है कि यह समझौता गाजा में लंबे समय से पीड़ित लोगों के साथ-साथ बंधकों और उनके परिवारों दोनों को तत्काल राहत देगा। इसमें कहा गया है, यह सौदा युद्ध विराम और संकट को खत्म करने के लिए एक रोडमैप पेश करता है।

दक्षिण अफ्रीका के चुनाव में बड़ा उलटफेर, सत्तारूढ़ एएनसी ने 30 साल बाद पहली बार खोया बहुमत

जोहान्सबर्ग, 02 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है। बीते तीस वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है जब अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को संसदीय चुनाव में बहुमत नहीं मिला। हुए चुनाव के लिए करीब 99.8 फीसदी मतों की गणना हो चुकी है और सत्तारूढ़ एएनसी को 40 फीसदी से ज्यादा मत मिले हैं, जो बहुमत से कम है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के नेतृत्व वाली एएनसी ने 1994 में नेल्सन मंडेला के निर्वाचित होने के बाद पहली बार अपना बहुमत खोया। देश के स्वतंत्र चुनाव आयोग (आईसीसी) ने डाले गए मतपत्रों के 99.8 फीसदी की गणना पूरी हो चुकी है। एएनसी को केवल 40 फीसदी वोट मिले हैं। जिसमें डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) को 22 फीसदी मत मिले। जबकि पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की नई पार्टी उम्खोंटो वी सिजवे (एमके) ने करीब 15 फीसदी मत हासिल किए। इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स (ईएफएफ) का हिस्सा घटकर 9 फीसदी रह गया। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब यह तय करने के लिए गहरी बातचीत होगी कि गठबंधन में देश पर कौन शासन करेगा। एनएसी के चुनावी अभियान के प्रमुख नदुमिसेनी नटुली ने एक टीवी चैनल से कहा, मुझे नहीं लगता कि एनएसी के सदस्य और नेता के रूप में इसे हमें पार्टी के अंत के संकेत के रूप में देखना चाहिए। यह एनएसी के लिए एक सीखने का एक बिंदु (लर्निंग प्वाइंट) है। यह एख सबक है जो हमें ड्राइंग बोर्ड पर वापस जाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन चुनाव नतीजों ने दक्षिण अफ्रीका में एएनसी के तीन दशक से चले आ रहे दबदबे को खत्म कर दिया है। हालांकि, अभी तक कोई गठबंधन सहयोगी बातचीत के लिए तैयार नहीं है। मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक अलायंस को 22 फीसदी मत मिले हैं। पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की एमके पार्टी अपने पहले चुनाव में 14 फीसदी से अधिक मतों के साथ तीसरे स्थान पर रही है। ईएफएफ नौ फीसदी मतों के साथ चौथे स्थान पर रही। सरकार बनाने के लिए वार्ताओं का दौर शुरू होने वाला है। चुनावी नतीजों के बाद एमके पार्टी ने कहा कि किसी भी समझौते के लिए उनकी शर्तों में से एक यह है कि रामाफोसा को एनएस अध्यक्ष के पद से हटाया जाए। एमके पार्टी के प्रवक्ता नहलामुलो एन्डलेला ने कहा, हम एएनसी के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची छलांग, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के सबसे बड़े क्रेटर पर उतरा चांग ई-6

बीजिंग, 02 जून (एजेंसियां)। चीन का चंद्रमिशन चांग ई-6 सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतर गया है। जिस जगह चीन का चंद्रयान उतरा है, वह चांद का दूरस्थ इलाका है। इस मिशन के साथ ही चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाई है। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि चांग ई-6 चांद के दक्षिणी ध्रुव के एटकेन बेसिन क्रेटर पर उतरा।

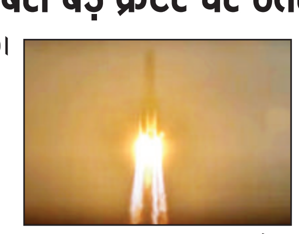

यह क्रेटर अभी तक का ज्ञात सबसे बड़ा क्रेटर है। चांद की सतह से नमूने लेकर आएगा चांग ई 6 चीन अपने चंद्रमिशन के जरिए चांद के दक्षिण ध्रुव की सतह से नमूने इकट्ठा करके लौटेगा। चीन के चांग ई 4 मिशन ने साल 2019 में पहली बार चांद की सतह पर लैंडिंग की थी। अब चांग ई 6 मिशन के जरिए चीन चांद की सतह से करीब दो किलो नमूने भी लेकर आएगा। चांग ई 6 के लैंडर में ड्रिल करने और फिर वहां से नमूने उठाने के लिए मैकेनिकल आर्म लगाई गई है। चीन का यह मिशन 53 दिन का है और इसे 3 मई को लॉन्च किया गया था। चीन का यह मिशन इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर लैंड किया है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं।

ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है। साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजेगा चीन नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने साल 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है।

दूसरी बार टली सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष यात्रा, यान में खराबी, फिर भरेंगी उड़ान

वाशिंगटन, 02 जून (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यान में आई तकनीकी खराबी के चलते भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की लगातार दूसरी बार तीसरी अंतरिक्ष यात्रा टल गई। इंजीनियर स्टारलाइन स्पेसक्राफ्ट की खामी को दुरुस्त कर रहे हैं। सबकुछ ठीक रहा तो सुनीता फिर से उड़ान भरेंगी। इस बारे में नासा ने ट्वीट कर जानकारी दी है। इससे पहले सुनीता विलियम्स अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरने को पूरी तरह तैयार थीं। नासा के मुताबिक तकनीकी खराबी दूर करने के बाद सुनीता 'स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट से फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरेंगी। बता दें कि इससे पहले 7 मई को भी नासा और विमान निर्माता कंपनी बोइंग के संयुक्त मिशन में तकनीकी खामी के चलते सुनीता की अंतरिक्ष यात्रा टल गई थी। 'सुनीता' विलियम्स और साथी नासा अंतरिक्ष यात्री बैरी 'बुच' विल्मोर नासा के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम के हिस्से के रूप में स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होने वाले पहले यात्री होंगे। यह यान रॉकेट कंपनी यूनाइटेड लॉन्च अलायंस (यूएलए) के एटलस-5 रॉकेट पर अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। सुनीता का रिकॉर्ड सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में रिकॉर्ड 322 दिन बिता चुकी हैं। वह पहली बार 9 दिसंबर 2006 को अंतरिक्ष में गईं, और 22 जून 2007 तक वहां रहीं। इसके बाद वह 14 जुलाई 2012 को दूसरी बार अंतरिक्ष यात्रा पर गईं और 18 नवंबर 2012 तक अंतरिक्ष में रहीं।

मिशन सफल रहा तो रोटेशन प्रक्रिया

यदि यह मिशन सफल रहा तो नासा, स्टारलाइनर और इसकी प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए चालक दल रोटेशन मिशन के लिए प्रमाणित करने की अंतिम प्रक्रिया शुरू कर देगा। स्टारलाइनर कैप्सूल चार अंतरिक्ष यात्रियों या चालक दल और कार्गो के मिश्रण को नासा मिशन के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जाएगा।

मैक्सिको में ऐतिहासिक चुनाव, देश को मिल सकती हैं पहली महिला राष्ट्रपति

मैक्सिको सिटी, 02 जून (एजेंसियां)। इस साल कई देशों में चुनाव होने वाले हैं। भारत में आम चुनाव चल रहे हैं। वहीं मेक्सिको में राष्ट्रपति चुनाव हो रहा है। इसी के साथ राष्ट्र अपने राजनीतिक इतिहास में एक बड़े बदलाव के कगार पर खड़ा हुआ है। मेक्सिको में दो जून को लोकप्रिय राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर (एएमएलओ) के उत्तराधिकारी का चुनाव करने के लिए मतदान होगा, जिन्हें संविधान द्वारा दूसरे छह साल का कार्यकाल पूरा करने से प्रतिबंधित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, उम्मीदवारों की बड़ी संख्या के साथ एक ऐतिहासिक पल के लिए मंच तैयार किया गया है। यहां पहली बार किसी महिला राष्ट्रपति को सत्ता की बागडोर संभालते हुए देखा जा सकता है।

राष्ट्रपति पद की दौड़ ने विशेष रूप से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। दरअसल, इसमें कई प्रमुख उम्मीदवार दौड़ में सबसे आगे हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में-

क्लाउडिया शीनबाम

मेक्सिको अपनी पहली महिला राष्ट्रपति का चुनाव करने जा रहा है। पर्यावरण इंजीनियर से राजनीतिज्ञ बनीं 61 साल की शीनबाम मेक्सिको की अगली राष्ट्रपति बनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर के अधीन मेक्सिको सिटी की पर्यावरण सचिव के रूप में काम किया। वहीं साल 2014 में वह ओब्रेडोर की मोरेना पार्टी में शामिल हुईं। उनका लक्ष्य चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर मेक्सिको की निर्भरता को कम करना है और वह अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते का समर्थन करती हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट की माने तो अगर शीनबाम चुनी जाती हैं तो वह न केवल मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी बल्कि यहूदी की पहली नेता होंगी।

शीनबाम ने यह वादे किए

वरिष्ठ नागरिकों के लिए लोपेज ओब्राडोर के पेंशन कार्यक्रम को जारी रखना छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का विस्तार छोटे पैमाने के किसानों के लिए मुफ्त उर्वरक प्रदान करना राष्ट्रीय गार्ड और न्यायिक सुधारों समेत व्यापक सुरक्षा सुधारों को लागू करना लोपेज ओब्राडोर के साथ घनिष्ठ संबंध के बावजूद शीनबाम ने अपनी स्वतंत्रता और नेतृत्व शैली पर जोर दिया है। उन्होंने मूल सिद्धांतों को अपनाते हुए मौजूदा राष्ट्रपति से खुद को अलग करने की कोशिश की है।

विपक्ष की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार जोचिटल गैल्वेज

विपक्षी गठबंधन ने महिला सांसद जोचिटल गैल्वेज को अपना उम्मीदवार चुना है। वह शीनबाम के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी हैं। विपक्षी सीनेटर गैल्वेज एक टेक उद्यमी हैं। गैल्वेज निवर्तमान राष्ट्रपति की कटु आलोचक हैं। उनकी हालिया तीखी नोकझोंक काफी चर्चा में भी रही। एक गरीब ग्रामीण कस्बे में पली-बढ़ी जोचिटल गैल्वेज ने अपने परिवार की मदद के लिए घर पर बनी कैंडी तक बेची हैं। अब वह एक सफल उद्यमी हैं और मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनने की उम्मीद कर रही हैं। गैल्वेज, जो एक स्वदेशी ओटोमी पिता और मिश्रित नस्ल की मां की संतान थीं, अपने मूल के बारे में गर्व के साथ बात करती हैं। 2015 और 2018 के बीच, गैल्वेज ऊपरी सदन में सीट जीतने से पहले मैक्सिको सिटी के एक जिले की मेयर थी। वह एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की वकालत करती हैं। गैल्वेज फिलहाल स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करने पर जोर दे रही हैं।

जोचिटल गैल्वेज ने किए यह वादे

गैल्वेज नेवरिष्ठ नागरिकों के लिए लोपेज ओब्राडोर के पेंशन कार्यक्रम को जारी रखने का वादा किया है। मध्यम और निम्न वर्गों के लिए एक व्यापक सामाजिक कल्याण प्रणाली लागू करना जीवाश्म ईंधन पर मेक्सिको की निर्भरता को कम करने के लिए अक्षय ऊर्जा पहल को प्राथमिकता देना सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए स्थानीय और राज्य पुलिस बलों को मजबूत करना जॉर्ज अल्वारेज मेनेज भी दौड़ में शामिल तीसरे उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मेनेज हैं, जो सिटीजन मूवमेंट पार्टी के पूर्व संघीय कांग्रेसी हैं। उन्होंने युवा वोट हासिल करने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन उन्हें ज्यादा समर्थन नहीं मिला है। हालांकि, मेनेज ने मेक्सिको के भविष्य के लिए अपने साहसिक नीति प्रस्तावों और प्रगतिशील दृष्टि के लिए ध्यान आकर्षित किया है। 38 साल की उम्र में मेनेज एक नई पीढ़ी का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

हिंदू धर्म के 18 पुराण

जानें किस पुराण में क्या लिखा है और इसका क्या महत्व है

पुराण, हिंदू धर्म के प्राचीन ग्रंथों का एक विशाल संग्रह है, जो ज्ञान और शिक्षा का भंडार हैं। इन ग्रंथों में धार्मिक कथाएँ, पौराणिक कथाएं, दर्शन, नीतिशास्त्र, ज्योतिष, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और अन्य विषयों का समावेश होता है। पुराण हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों, देवी-देवताओं की कथाओं, त्योहारों और अनुष्ठानों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। वे भक्तों को सदाचार और नीतिशास्त्र के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। पुराण भारतीय संस्कृति और परंपराओं का स्रोत हैं। वे लोककथाओं, नीतिवचन, कहावतों और नैतिक शिक्षाओं के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को बनाए रखने में मदद करते हैं।

ब्रह्म पुराण :- ब्रह्म पुराण क्या आप जानते हैं ब्रह्म पुराण क्या है? ब्रह्म पुराण के रचियता कौन है? 18 पुराण के नाम की लिस्ट में ब्रह्मा पुराण सबसे पहला और पुराना पुराण है। ब्रह्मपुराण के रचिता महर्षि वेद व्यास जी है तथा इस पुराण को महा पुराण भी कहते हैं। व्यास जी ने इसे संस्कृत भाषा में लिखा। महर्षि व्यास जी ने ब्रह्मा पुराण के 10,000 श्लोकों में कई महत्वपूर्ण बातों और कथाओं के बारे में बताया है। जैसे सृष्टि का जन्म कैसे हुआ, धरती पर जल की उत्पत्ति कैसे हुई? ब्रह्मा जी और देव दानवों का जन्म कैसे हुआ, सूर्य और चंद्र के वंशज कौन थे? श्री राम और कृष्ण की अवतार गाथा ब्रह्मा पूजन विधि मां पार्वती और शिव जी के विवाह। विष्णु जी की पूजन, विधि, श्राद्ध, भारतवर्ष आदि के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें अनेक तीर्थों के बारे में सुन्दर और भक्तिमय आख्यान भी दिए गए हैं। साथ ही इस पुराण में कलयुग का भी विवरण दिया गया है। ब्रह्मा देव को आदि देव भी कहते हैं। इसलिए इस पुराण को आदि पुराण के नाम से भी जाना जाता है।

पद्म पुराण :- क्या आप जानते हैं कि पद्म पुराण पद्मा पुराना क्या है और इसके रचियता कौन है? पद्म का अर्थ है कमल का फूल। इसकी रचना भी महर्षि वेद व्यास जी ने संस्कृत भाषा में की तथा इसमें 55,000 श्लोक है। इस पुराण में बताया गया है की ब्रहम देव श्री नारायण जी के ना भी कमल से उत्पन्न हुए थे और उन्होंने सृष्टि की रचना की। इस पुराण के पान खंडों में सृष्टि खंड, भूमि खंड, स्वर खंड, पाताल खण्ड और उत्तर खंड में भगवान विष्णु की महिमा, श्री कृष्ण और श्री राम की लीलाओं, पवित्र तीर्थों की महानता, तुलसी महिमा, विभिन्न व्रतों के बारे में सुंदर और अद्भुत विवरण दिया गया है।

विष्णु पुराण :- विष्णु पुराण एक पवित्र पुराण है जिसमें 23,000 श्लोक के द्वारा भगवान विष्णु जी की महिमा का अद्भुत विवरण किया गया है। विष्णु पुराण के रचिता पराशर ऋषि है। उन्होंने ये पुराण संस्कृत भाषा में लिखा। इस पुराण में देवी देवताओं की उत्पत्ति, भक्त प्रह्लाद की कथा, समुद्र मंथन, राज़, ऋषियों और देव ऋषियों के चरित्र के बारे में तार्किक ढंग से बताया गया है। साथ ही इसमें कृष्ण और रामकथा का भी उल्लेख है। इसके अलावा इसमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति, ग्रह, नक्षत्र, पृथ्वी, ज्योतिष, आश्रम व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था, वृहस्त, धर्म, वेद की शाखाओं, श्राद्ध विधि, विष्णु जी और लक्ष्मी माँ की महिमा आदि का भी वर्णन है।

वायु पुराण :- क्या आम जानते है वायु पुराण क्या है? और वायु पुराण के किसने लिखा है? वायु पुराण को शैव पुराण भी कहते हैं तथा इसके रक्षिता हैं श्री वेद व्यास जी 112 अध्याय दो खंडों और 11,000 श्लोकों वाले वायु पुराण में भूगोल, खगोल युग, सृष्टिक्रम तीर्थ, युग श्राद्ध, पितरों, ऋषि वंश, राजवंश, संगीत शास्त्र भेद शाखाओं, शिव भक्ति आदि का विस्तार पूर्वक विवरण दिया गया हैं। इसमें शिव जी की पूजन विधि और उनकी महिमा का विस्तृत वर्णन होने के कारण इसे शिव पुराण भी कहा जाता है। इस पुराण में भारत के बारे में भी लिखा गया है तथा नदी, पर्वतों, द्वीपों और लंका के बारे में भी लिखा गया है। इसके अलावा इसमें वरुण वंश, चंद्र, वंश आदि का भी सुंदर विवरण है।

भागवत पुराण :- भागवत पुराण हिंदू धर्म के 18 में से पांचवा पुराण है। और इसे भागवत और श्रीमद्भागवतम के नाम से भी जाना जाता है। इसके रचियता हैं वेद व्यास जी और उन्होंने इस पुराण को संस्कृत में लिखा। भागवत पुराण में 12 स्कंद और 18,000 श्लोक है। कहते है ये पुराण आत्मा की मुक्ति का मार्ग बताता है। इस पुराण का मुख्य बिंदु प्रेम और भाव भक्ति है। इसमें श्री कृष्ण को भगवान के रूप में बताया गया है और उनके जन्म, प्रेम और लीलाओं का विस्तार पूर्वक विवरण दिया गया है। इसमें पांडवों और कौरवों के बीच हो रहे महाभारत युद्ध और उसमें कृष्ण की भूमिका के बारे में भी बताया गया है। साथ ही श्री कृष्ण ने कैसे देह त्यागा और कैसे द्वारिका नगरी जलमग्न हुई और कैसे समस्त यदुवंशियों का नाश हुआ ये भी बताया गया है।

नारद पुराण :- नारद पुराण को नारदीय पुराण भी कहते है। ऐसा माना जाता है की ये वैष्णव पुराण स्वय नारद मुनि ने कही। जिसे महर्षि वेद व्यास जी ने संस्कृत भाषा में लिखा था। इस पुराण में शिक्षा, ज्योतिष, व्याकरण, गणित और ईश्वर की उपासना की विधि का विस्तार पूर्वक विवरण दिया गया है। इसमें 25,000 श्लोक हैं और इसके दो भाग हैं। पहले भाग में ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विनाश, मंत्रोच्चारण, गणेश पूजा और अन्य पूजन विधिया हवन और यज्ञ महीनों में आने वाले व्रतों और विधियों के बारे में बताया गया है। दूसरे भाग में विष्णु जी के अवतारों से जुड़ी कथाओं का सुंदर विवरण है तथा इसमें कलयुग में होने वाले परिवर्तनों के बारे में भी बताया गया है।

मार्कंडेय पुराण :- मार्कंडेय पुराण 18 पुरानो में से सात वा पुराण है। इसमें 137 अध्याय और 9000 श्लोक है तथा ये पुराण बाकी पुरानो से छोटा है। मेहरशी मार्कंडे द्वारा कहे जाने के कारण इसे मारकंडे पुराण कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये पुराण दुर्गा चरित्र के विवरण के लिए जाना जाता है। इस पुराण में ऋषि ने मानव कल्याण के लिए भौतिक, सामाजिक, अध्यात्मिक, नैतिक विषयों के बारे में बताया है। इस उड़ान में पक्षियों के पूर्व जन्म और देव इंद्र द्वारा मिले श्राप के कारण हुए रूप विकार के बारे में भी बताया गया है। इसमें द्रोपदी पुत्रों की कथा, बालभद्र कथा, हरीश चंद्र की कथा, बत और आदि पक्षियों के बीच हुआ युद्ध, सूर्य देव के जन्म आदि का भी उल्लेख है।

अग्निपुराण :- अग्निपुराण पुराण के रचियता भी वेद व्यास जी हैं। उन्होंने इसे संस्कृत भाषा में लिखा। अग्निपुराण का नाम अग्नि पुराण इसलिए पड़ा, क्योंकि इसे स्वयं अग्नि देव ने गुरु वशिष्ट को सुनाया था। विस्तृत ज्ञान, भंडार और विविधता के कारण इसका विशेष स्थान है। इस पुराण में त्रिदेवों अर्थात ब्रह्मा देव, विष्णु देव और शिव जी का वर्णन सूर्य पूजन विधि का भी उल्लेख महाभारत और रामायण का संक्षिप्त विवरण है। इसके साथ ही इसमें कुर्म और मत्स्य अवतार, दीक्षा विधि, सृष्टि का सृजन, वास्तुशास्त्र, पूजा मंत्रो आदि का सुंदर प्रतिपादन है। अग्नि पुराण में 383 अध्याय और 12,000 श्लोक है। इस उड़ान को विष्णु भगवान का बाया चरण भी कहते है। ये पुराण आकार में सबसे छोटा है फिर भी इसमें सभी विद्याओं का समावेश है।

भविष्य पुराण :- क्या आप जानते हैं कि भविष्य पुराण क्या है और इसके रचियता कौन है? भविष्य पुराण 18 पुरणो में से नौवां पुराण है। इसकी रचना भी महर्षि वेद ब्यास जी ने संस्कृत भाषा में की थी। भविष्य पुराण में 14,500 श्लोक हैं तथा इसमें धर्म, नीति, सदाचार, व्रत, दान, आयुर्वेद और ज्योतिष आदि के बारे में लिखा गया है। इसमें विक्रम बेताल के बारे में भी बताया गया है। जैसा की नाम से ही प्रतीत होता है। इसमें कई भविष्यवाणियां की गई जो सही साबित हुई। इसमें पृथ्वीराज चौहान, हर्षवर्धन महाराज, शिवाजी महाराज जैसे वीर हिंदू राजाओं और मोहम्मद तुगलक, अलाउद्दीन, बाबर, तैमूरलंग, अकबर रानी, विक्टोरिया आदि के बारे में कहा गया है। इसकी शैली और विषय वस्तु के कारण बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें सूर्य देव की पूजन विधि और महिमा का भी विवरण है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण :- ब्रह्मवैवर्त पुराण में 218 अध्याय और 18,000 श्लोक हैं। इसमें कई स्रोत और भक्तिपूर्ण आख्यान है। इस उड़ान में यशोदानंदन को ही परब्रह्म माना गया है और ये भी माना गया है की उनकी इच्छा अनुसार ही इस सृष्टि का निर्माण हुआ। ये भी बताया गया है की कृष्ण से ही शिवजी, विष्णु जी, ब्रह्मा देव और समस्त प्रकृति का जन्म हुआ। इस पुराण में धरती पर जीवों की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे? सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा जी ने धरती, जल और वायु में अनगिनत जीवों के जन्म और उनके लिए पालन पोषण की व्यवस्था की? इस बात का विस्तार पूर्वक विवरण दिया है। इसमें श्री राम और श्री कृष्ण की लीलाओं, गणेश जी के जन्म कथा और उनकी लीला का भी वर्णन है।

लिंग पुराण :- लिंग पुराण में 11,000 श्लोकों में शिव महिमा का सुंदर चित्रण किया गया है। इसमें भोलेनाथ के 28 अवतारों के बारे में बताया गया है। इसमें रुद्रवतार और लिंगोध्भव की कथा का। बर्ण है। इस पुराण में सृष्टि के कल्याण के लिए भोलेनाथ द्वारा ज़ोर तिलिंग के रूप में प्रकट होने की घटना का भी विवरण है। इसके अलावा इसमें उन व्रतों, शिव पूजन और यज्ञ के बारे में भी लिखा गया है, जिसे करने से मुक्ति प्राप्त होती है।

वाराह पुराण :- वाराह पुराण 18 पुरानो में से बारहवां पुराण है और इसके रचियता भी महर्षि वेद व्यास है। उन्होंने इसे संस्कृत भाषा में लिखा है तथा इस पुराण में 270 अध्याय और 10,000 श्लोक है। इस पुराण में विष्णु जी के वराह अवतार का उल्लेख है। ऐसा माना जाता है की विष्णु जी धरती के उधार के लिए वराह रूप में अवतरित हुए थे। इसमें वराह कथा, व्रत, तीर्थ दान, यज्ञ आदि का वर्णन है। इसमें श्री नारायण जी की पूजा विधि, मां पार्वती और शिव जी की कथा, तीर्थों आदि को विस्तृत रूप से लिखा गया है। इसमें वराह देव के धर्मोपदेश और ऋषियों एवं संतों को दान दक्षिणा देने से होने वाले पुण्य का भी उल्लेख है। इसमें गणपति चरित्र, शक्ति, महिमा, कार्तिकेय, चरित्र, त्रिशक्ति, महात्मा आदि का भी विवरण है तथा इसमें गोदान को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। और संस्कारों अनुष्ठानों की विधियों के बारे में भी बताया गया है।

स्कंद पुराण :- स्कंद पुराण में क्या लिखा है किसने लिखा है ये भी जान लें। स्कंद पुराण 18 पुरानो में तेरहवां पुराण है तथा इसकी रचना वेद व्यास जी ने संस्कृत भाषा में की थी। इस पुराण में शिव पुत्र कार्तिके जिनका एक नाम स्कंद भी है के बारे में बताया गया है। इस पुराण के 81,100 श्लोक में अयोध्या, यमुना, बद्रिका आश्रम, द्वारका, जगन्नाथपुरी, कांची, कन्याकुमारी, काशी, रामेश्वर आदि तीर्थों की महिमा का सुंदर चित्रण है। इसमें नर्मदा, गंगा, सरस्वती नदियों के उदगम के बारे में कथाएं लिखी गयी है। तथा इसमें हर महीने आने वाले व्रतों और उनकी कथाओं का भी विवरण है। इसमें धर्म योग, सदाचार, भक्ति और ज्ञान के बारे में सुंदर विवेचन किया गया है। इसमें कई महान संतों शिव पार्वती, विवाह सतीत्व, तार का सुरवध और कार्तिकेय के जन्म की कथा का मनोरम वर्णन है।

वामन पुराण :- वामन पुराण, 18 पुराणों में से चौदहवां पुराण है तथा इसके लेखक हैं वेद व्यास और इसे उन्होंने संस्कृत में लिखा इस धार्मिक ग्रन्थ में भगवान विष्णु के वामन अवतार के बारे में लिखा गया है। इसमें कुल 10,000 श्लोक हैं। लिंग की पूजा विधि शिव पार्वती विवाह, गणेश पूजन आदि के विषय में बताया गया हैं। इसके अलावा इसमें भगवती दुर्गा, नरनारायण, देव और उनके परम भक्त जैसे भक्त प्रह्लाद और श्री दामा के बारे में सुंदर आख्यान हैं। इसमें कई व्रतों, नियमों और स्रोतों का भी उल्लेख हैं।

कूर्म पुराण :- कूर्म पुराण 18 पुरानों में पन्द्रहवां पुराण है। ये पुराण श्री हरी विष्णु द्वारा कथित हैं। इसमें पाप का नाश करने वाले व्रतों का उल्लेख हैं। इसमें कुल 18,000 श्लोक हैं जिसे चार संहिताओ, ब्राह्मी, भागवती, सॉरी, वैष्णवी में बांटा गया था। इसमें विष्णु की दिव्य लीलाओं का खुबसूरत विवरण है। इसमें यदवंश शिवलिंग की महिमा, वामन अवतार, वर्णाश्रम धर्म आदि का सुन्दर वर्णन है। इस उड़ान में काल गणना, ब्रह्मा देव की आयु, गंगा और पृथ्वी की उत्पत्ति आदि के बारे में भी विस्तार से उल्लेख किया गया है तथा इसमें प्रलय काल का भी वर्णन है।

मत्स्य पुराण :- मत्स्य पुराण 18 पुराणों में से सोलहवां पुराण हैं। इस पुराण के 14,000 श्लोकों में विष्णु जी के मत्स्य अवतार के बारे में बताया गया हैं। विष्णु जी ने अपने मत्स्य अवतार में सप्तऋषियों और राजा वैबसूरत मनु को जो उपदेश दिए थे उसी पर ये पुराण आधारित हैं। इसमें कई व्रतों, दान, तीर्थों, यज्ञों की महिमा का उल्लेख है। इसमें मत्स्य व मनो के बीच हुए संवाद, जल प्रलय, तीर्थ यात्रा और राजधर्म, नर्मदा महात्मा काशी, महात्मा प्रयाग, महा त्रिदेवों की महिमा और दान धर्म पर विशेष तौर पर लिखा गया है। इसमें नव ग्रह तीनों युगों तार का सुरवध कथा। अवतार सावित्री कथा के बारे में भी उल्लेख है।

गरुड़ पुराण :- गरुड़ पुराण 18 पुराणों में से सत्रहवां पुराण है। यह पुराण विष्णु भक्ति पर आधारित है। सनातन धर्म में व्यक्ति की मृत्यु के बाद इस पुराण के पाठ को पढ़ने का प्रावधान है। तथा ऐसा करने से आत्मा को मुक्ति मिलती है ऐसा माना जाता है। गरूर पुराण पढ़ने से आत्म ज्ञान होता है। इसके 19,000 श्लोकों में भक्ति, वैराग्य, निष्काम सदाचार, शुभ कर्मों, तीर्थ दान आदि की महत्ता के बारे में वर्णन किया गया है। इसमें व्यक्ति की अंतिम यात्रा और उस दिन किए जाने वाले सभी कार्यों का विवरण है। मृत्यु के बाद क्या क्या होता है और मनुष्य की आत्मा की दशा क्या होती है सब वर्णित है। इसमें ज्योतिष, धर्मशास्त्र और योग का भी विवरण है।

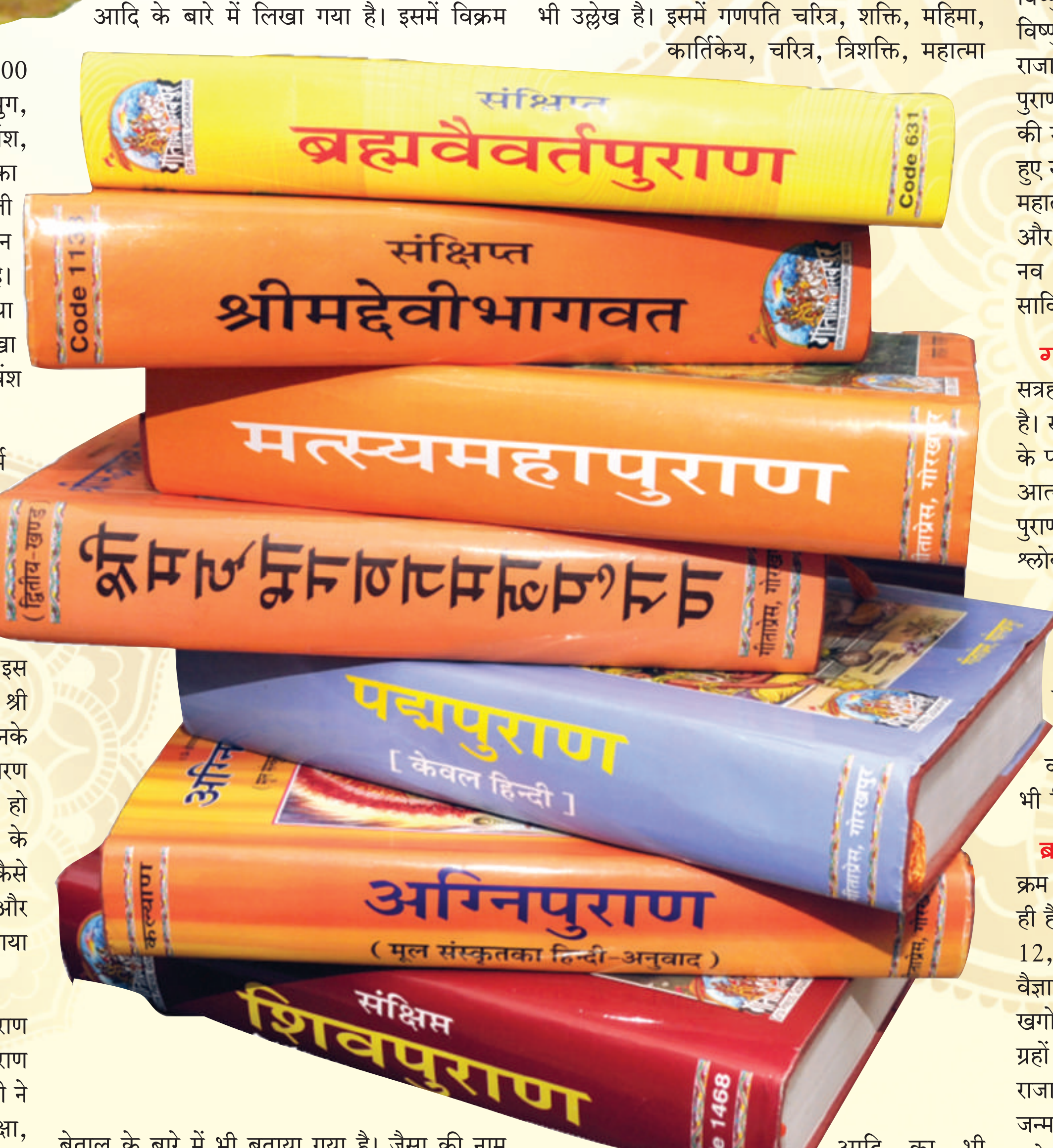

ब्रह्माण्ड पुराण :- ब्रह्माण्ड पुराण 18 प्राणों के क्रम में आखिरी पुराण है और इसके रचियता वेद व्यास ही हैं। इसके तीन भाग पूर्व, मध्य और उत्तर भाग और 12,000 श्लोक हैं। ये आखिरी पुराण है लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से ये बहुत महत्वपूर्ण है। इस उड़ान और खगोल शास्त्र भी कहते हैं। इसमें समस्त ब्राह्माण और ग्रहों का विस्तृत वर्णन है। इसमें चंद्रवंशी और सूर्यवंशी राजाओं के बारे में बताया गया है। जब से सृष्टि का जन्म हुआ है तब से लेकर अब तक सात काल बीत चूके हैं और इन सभी सात कालों के बारे में ब्रह्माण्ड पुराण में वर्णित है। इसमें परशुराम कथा भी लिखी गई है। मित्रों, आज का हमारा यह प्रस्तुति कैसा लगा कमेंट करके अवश्य बताएगा।

पत्रलेखा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 10 साल

हंसल मेहता का किया शुक्रिया

राजकुमार राव के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली एक्ट्रेस पत्रलेखा ने सिनेमा जगत में 10 साल पूरे कर लिए है। उन्होंने इसके लिए फिल्म निर्माता हंसल मेहता का आभार व्यक्त किया है।अपनी पहली फिल्म सिटीलाइट्स के रिलीज होने के एक दशक पूरे होने पर फिल्म निर्माता हंसल मेहता के प्रति आभार

व्यक्त करते हुए पत्रलेखा ने कहा कि उन्होंने मेरी प्रतिभा को पहचाना और मुझे बड़ा ब्रेक दिया।फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, यह सीखने, आगे बढ़ने और अविस्मरणीय क्षणों से भरी एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। मेरी प्रतिभा को पहचानने और मुझे राखी दीपक सिंह की खूबसूरत और जटिल भूमिका निभाने का अवसर देने के लिए मैं अपने निर्देशक हंसल मेहता का विशेष आभार व्यक्त करती हूं।अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अभी बहुत कुछ आना बाकी है। मैंने उन परियोजनाओं पर काम किया है जिनके बारे में मैं बहुत भावुक हूं, और मैं दर्शकों द्वारा उन्हें देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

एक्ट्रेस पत्रलेखा की 2014 में रिलीज हुई सिटीलाइट्स एक ड्रामा फिल्म है, जो ब्रिटिश फिल्म मेट्रो मनीला (2013) की रीमेक थी। यह फिल्म राजस्थान के एक गरीब किसान की कहानी बताती है, जो आजीविका की तलाश में मुंबई आता है। सीन एलिस द्वारा निर्देशित क्राइम ड्रामा मेट्रो मनीला फिलीपींस में सेट है।सिनेमा में दस सालों में पत्रलेखा ने लव गेम्स, नानू की जानू, बदनाम गली और तेरंदाज़ में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। उन्होंने 2017 में बोस: डेड/अलाइव से वेब स्पेस में डेब्यू किया।पत्रलेखा अगली बार गुलकंदा टेल्स, वाइल्ड वाइल्ड पंजाब और फुले में नजर आएंगी।बॉलीवुड के लवेबल कपल कहे जाने वाले पत्रलेखा और राजकुमार राव ने 2021 में चंडीगढ़ में शादी की थी। दोनों एक-दूसरे को 2010 से डेट कर रहे थे।

नशे में धुत रवीना टंडन ने बुजुर्ग महिला के साथ सड़क पर की मारपीट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल एक्ट्रेस पर एक बुजुर्ग महिला और उनके परिवार के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित का आरोप है कि एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बीती रात शराब के नशे में उनके साथ मारपीट की है। यह घटना बांद्रा में स्थित रिजवी लॉ कॉलेज के पास की बताई जा रही है। पीड़ित के अनुसार रिजवी लॉ कॉलेज के पास रवीना टंडन की गाड़ी से उनकी मां चोट लग गई थी। इस घटना के बाद एक्ट्रेस और उनके ड्राइवर ने माफी मांगने की जगह पीड़ित और उनके परिवार से खूब बहस की।

पीड़ित का आरोप है कि रवीना टंडन की गाड़ी से उनकी मां को चोट लग गई थी। जिसके बाद ड्राइवर गाड़ी से नीचे उतरकर आया और उनसे बहस करने लगा। पीड़ित ने दावा किया कि बहस करने के बाद ड्राइवर ने उनकी भांजी और मां के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद रवीना टंडन भी गाड़ी से उतरीं। पीड़ित का दावा है कि दारू के नशे में एक्ट्रेस ने उनकी मां के साथ मारपीट की है। मेरी मां और भांजी का पूरा सिर फट गया है। वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला रवीना टंडन से कह रही है, तुम्हें अपनी रात जेल में बितानी पड़ेगी, देखो मेरी नाक से खून आ रहा है। तो वहीं देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस वीडियो बनाने से मना कर रही हैं और साथ ही कह रही हैं, मुझे धक्का मत दो, मुझे मत मारो।

वीडियो में पीड़ित यह भी आरोप लगा रहा है कि वह पिछले 4 घंटे से खार पुलिस थाने में इंतजार कर रहे हैं लेकिन उनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़ित ने आरोप लगाया किवह थाने के बाहर मामले को सुलटाने की बात कर रहे हैं लेकिन हम उनके साथ निपटारा नहीं करेंगे क्योंकि हमें न्याय चाहिए। हालांकि इस मामले पर अभी तक रवीना टंडन की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

शॉर्ट ड्रेस पहन शरवरी वाघ ने शेयर किया अब तक का सबसे किलर लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार लोगों को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है।बंटी और बंबली 2 फेम एक्ट्रेस शरवरी वाघ किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंन अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के चलते फैंस को दीवाना बनाया हुआ है।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं। हालिया तस्वीरों में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।शेयर की गई लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने ब्लू कलर की डेनिम लुक में शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक ग्लैमरस अंदाज में पोज दे रही हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शरवरी वाघ कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।बालों

का बन बनाकर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये जबरदस्त लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।बता दें एक्ट्रेस शरवरी वाघ जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर इंटरनेट का पारा हाई हो जाता है।एक्ट्रेस शरवरी वाघ भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

तपती गर्मी से बचने के लिए मोनालिसा ने पूल में लगाई छलांग

भोजपुरी और टीवी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मोनालिसा अक्सर अपने ग्लैमरस और सिजलिंग फोटोज अपने तमाम चाहने वाले फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस मोनालिसा की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। मोनालिसा भी फैंस को निराश किए बिना आए दिन अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से कुछ में मोनालिसा पूल के अंदर नजर आ रही हैं और तपती गर्मी को मात दे रही हैं।मोनालिसा ने मोनोकिनी पहनी है और अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। मोनालिसा का कातिलाना अंदाज देखकर उनके चाहने वाले तमाम फैंस घायल हो रहे हैं।मोनालिसा की प्यारी स्माइल से फैंस का ध्यान नहीं हट रहा है। मोनालिसा ने आंख बंदकर करके ऐसी किलर स्माइल दी है कि उनके सभी फैंस मदमस्त हो गए हैं।मोनालिसा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मोनालिसा की झलक देखने के बाद उनके फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस पर प्यार बरसा रहे हैं।मोनालिसा के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की हों। मोनालिसा अक्सर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।मोनालिसा तमाम बार बिकिनी पहनकर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि मोनालिसा पूल के किनारे एंजॉय करते नजर आ रही हैं।मोनालिसा का कर्वी फिगर देखकर उनके फैंस आहें भरते हैं। मोनालिसा की झलक देखने के लिए फैंस बेसब्र रहते हैं और एक्ट्रेस उनकी इच्छा पूरी करती रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है । व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें ढ किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख–समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हा सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 03 जून 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 12:20 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 12:05 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 09:10 तक
करण : कौलव प्रातः 01:32 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 12:05 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन: आरटीआई से बड़ा खुलासा

गंगा और उसकी सहायक 13 नदियों में मिलीं 3936 डॉल्फिन

हिसार,02 जून (एजेंसियां)। भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से 2020 से 2023 तक किए गए सर्वे में गंगा और उसकी सहायक 13 नदियों में 3936 डॉल्फिन मिली हैं। नदियों के पुनरुद्धार के लिए शुरू गई की योजना नमामि गंगा के 10 साल जून में पूरे हो जाएंगे। यह खुलासा चरखी दादरी जिले के कलियाणा निवासी मोनू की ओर से सूचना अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत पूछे गए सवालों के जवाब से हुआ है।

इस अवधि में नदियों में चलाए स्वच्छता अभियान से गंगा में डॉल्फिन की संख्या बढ़ी है जबकि प्रदूषण के कारण सहायक नदियों में इसकी संख्या घटी है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जारी की गई राशि अभी आधी भी खर्च नहीं हो पाई है। बता दें कि 19 अप्रैल 2024 को आरटीआई के तहत जल शक्ति मंत्रालय, जल स्रोत विभाग के साथ ही नदी विकास और गंगा पुनर्जीवन से विभिन्न सवालों के जवाब मांगे गए थे, जो 16 मई को दिए गए हैं। आरटीआई के सवालों के जवाब में यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा अभियान (एनएमसीजी) के तहत 1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2024 तक 677.65 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, लेकिन अब तक इनमें से 255.99 करोड़ रुपये ही खर्च किए जा सके हैं। यह भी बताया गया है कि एनएमसीजी में अभी छह पद खाली हैं।

स्वच्छ गंगा कोष संबंधी सवाल के जवाब में बताया गया है कि जून 2014 से 31 मार्च 2021 तक के लिए नमामि गंगे योजना शुरू की गई थी। इसके तहत गंगा और इसकी सहायक नदियों का जीर्णोद्धार किया जाना था। इस योजना का 31 मार्च 2026 तक विस्तार कर दिया गया है। भारत सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2014-15 से 31 मार्च 2024 तक एनएमसीजी को 16,403.72 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। एक सवाल के जवाब में बताया गया है कि नदी शहर गठबंधन (आरसीए) से जुड़े शहरों ने नदियों में प्रदूषण कम करने में सहायता की है। विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक भी नदियों के सुधार के लिए परियोजनाओं में पैसा लगाने के लिए तैयार है।

गंगा की ज्यादातर सहायक नदियों में डॉल्फिन का बास

भारतीय वन्यजीव संस्थान की टीम के सर्वे में निष्कर्ष यह निकला है कि गंगा की ज्यादातर सहायक नदियों में डॉल्फिन का बसेरा है। करीब 2850 किलोमीटर में नदी बेसिन में तीन साल तक किए गए सर्वे में डॉल्फिन की 15 प्रतिशत आबादी सहायक नदियों में पाई गई है। लेकिन इन छोटी नदियों का केवल 22 प्रतिशत हिस्सा ही डॉल्फिन के लिए अनुकूल है। दूसरी तरफ बुलंदशहर की डीएफओ विनीता सिंह बताती हैं कि गढ़मुक्तेश्वर से नरौरा बैराज के बीच गंगा में गहराई और किसी प्रकार का व्यवधान न होने से दस साल में डॉल्फिन की संख्या 28 से बढ़कर 36 हो गई है।

अधिकारी के अनुसार

स्वच्छता अभियानों की वजह से गंगा में डॉल्फिन की संख्या बढ़ी है, लेकिन उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण बढ़ने से घटी है। डॉल्फिन नदी को साफ रखती है और नदी के ईको सिस्टम को बचाती है। उत्तराखंड में अनियंत्रित खनन और नदी किनारे मलबा फेंकने से भी गंगा प्रदूषित हुई है। गंगा को बचाने के लिए उत्तराखंड के लोगों को जोड़ना होगा।

749 लोगों ने निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर का लाभ उठाया

जोधपुर,02 जून (एजेंसियां)। विविधा कला एवं सांस्कृतिक संस्था, अजमेर कथक कला केंद्र, सीनियर सिटीजन सोसायटी ग्रुप 4 और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 2 जून को अजमेर में विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 749 लोगों ने ज्योतिषीय लाभ उठाया। लोगों ने वैदिक जन्म कुंडली लाल किताब हस्त रेखा मस्तिष्क रेखा वास्तु अंकगणित रमण केपी पद्धति आदि विधाओं से अपनी समस्या का ज्योतिषीय परामर्श लिया। लोगों ने स्वास्थ्य, कर्ज मुक्ति, बच्चों की शादी, मकान आदि के बारे में प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

9 लोगों ने जोतिषीय समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। ज्योतिष परामर्श शिविर में भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्–लेषक डॉ. अनीष व्यास ने 359 लोगों की जन्मकुंडली के माध्यम से ज्योतिषीय समस्याओं का समाधान किया। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी सहित अन्य विधाओं के 15 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य ने लोगों की समस्याओं का समाधान दिया। निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में जयपुर के अलावा जोधपुर उदयपुर कोटा नई दिल्ली अहमदाबाद इंदौर भोपाल सूरत मुंबई के विद्वान ज्योतिषाचार्य ने अपनी सेवाएं दी।

आयोजक दृष्टि राय ने बताया कि ने बताया कि निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर के मुख्य अतिथि लोकपाल नरेगा सुरेश सिंधी, महावीर इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के राजीव शर्मा, ज्योतिषाचार्य पंडित अभिषेक जोशी, डॉ. मनोज गुप्ता, भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास ने सभी विद्वान ज्योतिषियों को मोमेंट और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में राज ज्योतिषी पंडित अभिषेक जोशी, डॉ. मनोज गुप्ता, शमशेर सिंह, शंकर सिंह राजपुरोहित, भेरू प्रकाश दाधिच, सुकांत पांडे, नीलम शर्मा, लक्ष्मी राय, सकेत राज भारद्वाज, दिव्या पारीक, कीर्ति गुप्ता, मीनाक्षी शर्मा, विश्वास भट्ट, रंजीता व्यास, सुमन राठौड़ सहित अन्य ज्योतिषी ने अपनी सेवाएं दी।

मोबाइल में अज्ञात नंबर देखकर पति ने पत्नी का गला घोंटा

आत्महत्या दिखाने के लिए पेड़ से लटकाई लाश

उदयपुर,02 जून (एजेंसियां)। जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में एक चालाक पति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और वारदात को खुदकुशी दिखाने की नीयत से लाश को गले में रस्सी बांधकर पेड़ से लटका दिया। पुलिस ने हत्या के चार दिनों के भीतर वारदात का खुलासा किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अभियुक्त धनराज निनामा 25 मई को अपनी पत्नी मांगीदेवी का मोबाइल फोन चैक कर रहा था। फोन के रिसीव व मिसिंग कॉल में उसे कई नंबर ऐसे मिले जो संदिग्ध दिखाई दिए। धनराज ने जब पत्नी मांगीदेवी से इन नंबरों के बारे में पूछताछ की तो पत्नी ने उसे जवाब देने की बजाय फोन छीनकर अपने कब्जे में ले लिया। उसकी इस हरकत से धनराज का शक यकीन में बदल गया और उसने मांगीदेवी की पिटाई कर दी। पति से मार खाने के बाद मांगीदेवी रात घर से नदारद हो गई और अगले दिन तलाश करने

पर सवेरे गांव से कुछ दूर नदी के किनारे बैठी मिली। धनराज ने उस पर रात में किसी पर पुरुष के साथ रहने का आरोप लगाते हुए गुस्से में उसका गला घोंट दिया और उसके मर जाने पर हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए लाश के गले में फंदा डालकर पेड़ से लटका दिया। हत्या के दो दिन बाद उसने फलासिया थाने में पत्नी की मिसिंग रिपोर्ट लिखवाई कि 28 मई को मांगीदेवी की लाश पेड़ से लटकी हुई मिली। पत्नी का पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार करने के बाद भी वह पुलिस को गुमराह करता रहा लेकिन आ–खिरकार पुलिस की कड़ी पूछताछ के बाद वह टूट गया और उसने अपनी पत्नी की हत्या करने का गुनाह कबूल कर लिया।

एग्जिट पोल के गलत आंकड़े जारी कर भ्रम फैला रही है भाजपा

प्रेसवार्ता में बोले कांग्रेस प्रत्याशी

उदयपुर,02 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उदयपुर सीट के प्रत्याशी पूर्व कलेक्टर ताराचंद मीणा का कहना है कि चुनाव के नतीजे आने में बाकी बचे कुछ घंटों की धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करने के बजाय भाजपा एग्जिट पोल के जरिए गलत आंकड़े पेश कर जनता और विपक्षी दलों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। रविवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा मैनेज्ड एग्जिट पोल एनडीए की 350 से अधिक सीटों से जीत बता रहा है, जो कि किसी भी हाल में मुमकिन नहीं है।

मीणा ने इंडिया गठबंधन के 295 से अधिक सीटों पर जीतने का दावा किया। उन्होंने राजस्थान में 15 स्थानों पर कांग्रेस की और उदयपुर सीट पर स्वयं की जीत बताते हुए कहा कि उदयपुर से वे करीब 1 लाख मतों से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि उदयपुर शहर और उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के अलावा अन्य सभी विधानसभाओं में कांग्रेस को भारी अंतर की लीड मिलेगी। मीणा ने कहा कि हार–जीत का क्रम चलता रहता है मगर वे उदयपुर छोड़कर कहीं नही जाएंगे और यहीं रहकर जनता के दुख–दर्द में भागीदार बनेंगे।

नौतपा की गर्मी भी नहीं रोक पाई प्रहलाद की दंडवत यात्रा

डेढ़ वर्ष में 665 किमी तय कर पहुंचे महाकाल लोक

उज्जैन,02 जून (एजेंसियां)। क्या आप सोच सकते हैं कि ऐसी भीषण गर्मी में बिना चप्पल कोई व्यक्ति अपनी मन्नत पूरी करने के लिए एक दो नहीं बल्कि पूरे 665 किलोमीटर का सफर तय कर करेगा। वो भी दंडवत प्रणाम करते हुए, ये सुनकर शायद आपका जवाब होगा, नहीं, लेकिन ऐसा हुआ है। नौतपा की तपन में सूरज के तेवर ऐसे हैं कि बहुत जरूरी होने पर ही लोग घर से निकल रहे हैं। ऐसी भीषण गर्मी में एक बुजुर्ग 665 किमी दंडवत प्रणाम करते हुए राजस्थान के राजसमद नाथद्वारा से उज्जैन पहुंच गया। उनकी आस्था देख हर कोई अचंभित रह गया।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के राजसमंद में रहने वाले 55 वर्षीय प्रहलाद उर्फ शंभू बुनकर पत्नी पूजा के साथ करीब डेढ़ वर्ष पहले अपने घर से इस यात्रा पर निकले थे। राजस्थान से अपनी यात्रा शुरू कर सबसे पहले प्रहलाद ने रामदेवरा के दर्शन किए। उसके बाद अजमेर पुष्कर जी के दर्शन

करते हुए वे उज्जैन महाकाल मंदिर पहुंच गए। अब अंत में वे ओंकारेश्वर और अयोध्या तक इसी तरह दंडवत यात्रा करेंगे।

बताया जाता है कि प्रहलाद रोजाना भीषण गर्मी में पैदल बिना चप्पल से करीब डेढ़ किमी की दंडवत यात्रा कर रहे हैं। वे अपने हाथ में नारियल लेकर दंडवत प्रणाम करते हुए आगे चलते हैं। उनका साथ देने के लिए पत्नी भी कपड़े का झोला लेकर पीछे–पीछे चल रही हैं। इन बुजुर्ग पति–पत्नी की हर व्यक्ति अपने हिसाब से मदद कर रहा है।

भूख प्यास की हमे कोई चिंता नहीं

इस यात्रा को सतत करने वाले प्रहलाद का कहना है कि ईश्वर की कृपा ऐसी है कि जब भूख लगती है, उससे पहले ही भोजन मिल जाता है और प्यास लगने से पहले पानी देने वाला हमारे सामने होता है। रोजाना ही खाने पीने का इंतजाम हो जाता है। कभी श्रद्धालु लोग खाना खिला देते हैं तो कभी हम होटल में खा लेते हैं।

मन्नत के कारण दण्डवत यात्रा कर रहे प्रहलाद

प्रह्लाद को देखकर लोग सोचते हैं कि आखिर ऐसी कौन सी मन्नत होती है, जिसे पूरा करने में इतनी मेहनत लगती है। प्रहलाद अपनी उस मन्नत के बारे में तो नहीं बताते, लेकिन यह जरूर कहते हैं कि हमारे इस कठिन परिश्रम में भगवान का आशीर्वाद साथ है। कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए, महाकाल थाने में पदस्थ एसआई चंद्रभान सिंह ने उन्हें खाने पीने का सामान दिया और रास्ते के लिए कुछ चीजे भी बांधकर दे दी।

किसान के बेटे अमित पंघाल ने फिर हासिल किया ओलंपिक कोटा

दूसरी बार खेलेंगे ओलंपिक

रोहतक,02 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक के मायना गांव निवासी अमित पंघाल ने ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। किसान के बेटे अमित ने दूसरी बार ओलंपिक कोटा हासिल किया है। अमित ने मैच जीतने के बाद साई, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया व अपने कोच का धन्यवाद किया। उन्होंने अपने कोच अनिल धनखड़ का भी धन्यवाद किया।

कारोर की खूनी गैंगवार में नया मोड़

जेल में बंद अनिल उर्फ छिप्पी व काला जठेड़ी सहित पांच को उम्रकैद

रोहतक,02 जून (एजेंसियां)। कारोर की खूनी गैंगवार में नया मोड़ आ गया है। जेल में बंद छिप्पी गैंग के सरगना अनिल छिप्पी, संदीप उर्फ काला जठेड़ी सहित पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही एएसजे रजनी यादव की अदालत ने 2009 में हुई राकेश उर्फ बंटू की हत्या के दोषियों पर 30–30 हजार रुपये व अनिल छिप्पी पर 40 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है।

पुलिस रिकार्ड के मुताबिक कारोर गांव में 2001 से चल रही खूनी रंजिश चल रही है, जिसमें 19 लोगों की हत्या हो चुकी है। आरोप है कि श्रीभगवान गांव का सरपंच था। दिल्ली में हुई कहासुनी के बाद श्रीभगवान और गांव निवासी रामे के बीच नोकझोंक हो गई थी। श्रीभगवान ने रामे को थप्पड़ मार दिया था। इसी रंजिश में सबसे पहले वर्ष 2001 में सेवकराम की खरावड़ रेलवे स्टेशन पर गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद दूसरे पक्ष के रामे की हत्या की गई। इसके बाद पहले पक्ष के श्रीभगवान, फूल कुमार, बंटू, दिलबाग, रणवीर समेत नौ की हत्या हुई। जबकि छिप्पी गुट से रामे और रमेश समेत छह की हत्या की गई। 2018 में आनंदपाल की हत्या की दी गई। पिछले साल दिवाली के दिन गांव के युवक मोहित की हत्या की दी गई, इसमें छाजू गुट का नाम सामने आया था।

2009 में शादी समारोह में की थी छिप्पी गैंग ने राकेश उर्फ बंटू की हत्या

पुलिस रिकार्ड के मुताबिक साल 2009 में गांव में शादी समारोह चल रहा था, जिसमें अंधाधुंध फायरिंग की गई। फायरिंग में 11 गोली मारकर राकेश उर्फ बंटू की हत्या कर दी गई, जो गांव के पूर्व सरपंच श्रीभगवान का भतीजा था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए छिप्पी गैंग के सरगना अनिल छिप्पी, उसके भाई सोमबीर व कुख्यात संदीप उर्फ काला जठेड़ी सहित अन्य आरोपियों को नामजद किया था। केस में तीन आरोपी पीओ है, जबकि एक आरोपी फैसले के दिन अदालत में नहीं आया। अदालत ने अनिल छिप्पी व काला उर्फ जठेड़ी सहित पांच को हत्या के केस में उम्रकैद की सजा सुनाई है।

गवाही अहम साबित हुई, 2009 से चल रहा था केस

पीड़ित पक्ष के वकील सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि केस के अंदर दो गवाही अहम साबित हुई। 2009 से हत्या का केस चल रहा था, जिसमें पांच को दोषी मानते हुए सजा सुनाई गई है, जबकि तीन पहले से पीओ हैं। एक अभियुक्त अदालत में फैसले के दिन नहीं आया। वह जमानत पर चल रहा है। दोनों पक्षों के बीच और भी केस चल रहे हैं।

सेंदड़ा में भालू ने किया किसान पर हमला, किसान घायल

अजमेर,02 जून (एजेंसियां)। जानकारी के मुताबिक सेंदड़ा निवासी अरविन्द ने बताया कि उसके पिता देवेन्द्र सिंह रविवार को सुबह करीब छह बजे खेत पर गए। इस दौरान उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग पहुंचे, वे भी वहां पहुंच गए।

देखा तो पिता नीचे पडे.थे और हाथ से खून बह रहा था। इस पर उनको अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे उन्हें अजमेर रेफर कर दिया। जब पिता से बात की तो पता चला कि भालू ने उन पर हमला कर दिया।

बड़ी मुश्किल से वे बचे। अरविन्द ने बताया कि गांव में दो–चार दिनों से दो तीन भालू का मूवमेंट जारी है। इसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मैं एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करता, कर्नाटक में कांग्रेस को दोहरे अंक मिलेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एग्जिट पोल पर टिप्पणी करते हुए, जिसमें एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस 4 जून को राज्य में दोहरे अंकों में पहुंच जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा मैं इन एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करता। आप 4 जून को कर्नाटक में कांग्रेस को दोहरे अंकों में पहुंचते देखेंगे। आप फील्ड रिपोर्टर हैं, जो वास्तविक तस्वीर जानते हैं। आपको सही भविष्यवाणियां करनी होंगी। जब एग्जिट पोल में इंडिया ब्लॉक के

150 का आंकड़ा पार नहीं करने के बारे में पूछा गया, तो उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा मैंने पहले भी कहा है कि मैं किसी भी एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करता। मुझे एक कॉल आया था जिसमें कहा गया था कि एग्जिट पोल कर्नाटक में कांग्रेस के लिए केवल 2 या 3 सीटें पेश कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या का दावा करने में आत्मविश्वास की कमी के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा मैं दावा कर रहा हूं कि हमें दोहरे अंक मिलेंगे। इन एग्जिट पोल का आकलन गलत है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल सर्वेक्षण के लिए आंतरिक क्षेत्रों में गहराई तक नहीं जाते हैं और केवल कुछ नमूने एकत्र करके अपना एग्जिट पोल करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा मेरा विश्वास करें, भारतीय ब्लॉक सत्ता संभालने के लिए तैयार है। इस बीच, भाजपा सांसद और राष्ट्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने एग्जिट पोल का स्वागत करते हुए कहा कि लोग देश के लिए वोट करते समय सावधान रहते हैं। उन्होंने कहा लोग स्पष्ट रूप से जानते हैं कि वे राज्य विधानसभा या नगर पालिका के लिए चुनाव नहीं कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा को वोट दिया है, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह पता है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नहीं पता कि उनका प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है। देश की सुरक्षा, वैश्विक स्तर पर भारत के विकास और आतंकी गतिविधियों में कमी के लिए वोट दिया जाता है। विदेशी स्थानों से भारतीय छात्रों और नागरिकों को वापस लाने से भी प्रभाव पड़ा है।

जेडीएस कोर कमेटी की बैठक आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम और लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में सोमवार को जेडीएस कोर कमेटी की अहम बैठक होगी। शाम 4 बजे जेडीएस कार्यालय जेपी भवन में कोर कमेटी के अध्यक्ष विधायक जीटी देवेगौड़ा के नेतृत्व में बैठक होगी। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी समेत कोर कमेटी के सदस्य हिस्सा लेंगे। साथ ही मंगलवार को घोषित होने वाले लोकसभा चुनाव नतीजों पर भी चर्चा होगी। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि बैठक में लोकसभा चुनाव के नफा-नुकसान पर चर्चा के अलावा लोकसभा चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में होने वाले बदलाव पर भी गंभीर चर्चा होगी। पार्टी संगठन, नये सदस्यों का पंजीकरण, पार्टी द्वारा किये जाने वाले संघर्ष की रूपरेखा पर भी चर्चा की जायेगी और निर्णय लिया जायेगा। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक घटनाओं की भी समीक्षा की जाएगी। इससे पहले जेडीएस विधायक दल की बैठक सुबह 10.30 बजे विधान सौधा स्थित पार्टी कार्यालय में होगी। बैठक की अध्यक्षता विधायक दल के नेता एचडी कुमारस्वामी करेंगे।

सभी निगम बोर्डों की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करें सीएम: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कर्नाटक के लोगों द्वारा उठाए गए संदेहों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से राज्य के सभी निगम बोर्डों की वित्तीय स्थिति का संपूर्ण ऑडिट कराने और निगम बोर्डों की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करने का आग्रह

किया है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि निगम बोर्डों का जो पैसा दलितों, पिछड़ों, गरीबों, किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए आवंटित किया जाना था, उसे भ्रष्टाचारियों के साथ बांटा जा रहा है। वाल्मिकी विकास निगम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को देखने के बाद, यह संदेह है कि राज्य के सभी निगम बोर्डों का उपयोग भ्रष्टाचार के लिए किया गया है।

पटना में चुनावी ड्यूटी के दौरान दरोगा की गई जान

पटना (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान के वक्त ईवीएम मशीन ले जा रहे एक दरोगा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आननफानन में दरोगा को पटना के एम्स में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह अचानक उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की खबर सुनते ही नवादा जिले में पुलिस महकमे में के बीच मातमी सन्नाटा पसर गया। घटना के बाद बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ने मृतक दरोगा के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

बता दें कि नवादा जिला के कौवाकोल थाना में पदस्थापित एक दरोगा राम भजन सिंह को सातवें और अंतिम चरण के मतदान के लिए औरंगाबाद में चुनावी ड्यूटी लगाया गया था। मतदान खत्म होने के बाद दरोगा राम भजन सिंह एवं ईवीएम लेकर वज्रगृह जा रहे थे। ₹

इसी क्रम में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने के बाद दरोगा राम भजन सिंह को इलाज के लिए औरंगाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत औरंगाबाद अस्पताल में खराब होने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स में भेजने की सलाह दी। शनिवार की देर रात दारोगा राम भजन सिंह को पटना के एम्स में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में मातमी सन्नाटा पर पसर गया। घटना की पुष्टि नवादा कौवाकोल के प्रभारी प्रदीप कुमार ने की है। उन्होंने बताया कि रामभजन सिंह मूल रूप से बलिया जिला के गांगहरा गांव के निवासी थे। उनके परिजनों को उनकी मौत की खबर घर पर भेज दी गई है।

आर्मी कैंटीन के पास मिले अज्ञात शव की हुई पहचान

हजारीबाग में बतौर जूनियर इंजीनियर था पदस्थ

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के आर्मी कंटीन के पास शव की पहचान कर ली गई है। मृतक की पहचान जिले के सकरा थाना क्षेत्र के हरीश के रूप में की गई है। वह झारखंड के हजारीबाग में बतौर जूनियर इंजीनियर पर पदस्थ था।

बीते दो दिन पूर्व मृतक की पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया था। इसी खुशी में अपने बच्चे को देखने हजारीबाग से सीधा मुजफ्फरपुर के लिए चला गया।

देर रात पटना आने के बाद मृतक ने मुजफ्फरपुर के लिए बस पकड़ा था, जिसके बाद एनएच 28 के पास ऑटो बुक कर ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के इमली चट्टी स्थित एक अस्प-ताल में आने वाला था। जहां बीच रास्ते में सड़क के पास में उसका शव बरामद हुआ था। इस दौरान में मृतक के पास मोबाइल वॉलेट सहित कई सामग्री गायब थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देर शाम को शिनाख्त किया, जिसमें उसकी पहचान हरीश के रूप में की गई

इंडी गठबंधन के लोग थेथरलॉजी से बाज नहीं आ रहे : गिरिराज सिंह

ममता बनर्जी के बारे में यह बातें कहीं

बेगूसराय (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता और बेगूसराय लोकसभा सीट से प्रत्याशी गिरिराज सिंह ने फिर से इंडी गठबंधन पर हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि आज सभी एजेंसियों ने एनडीए गठबंधन को 400 के आसपास की बढ़त बताई है और यह सिर्फ मोदी की गारंटी का ही परिणाम है। अगर देखा जाए तो इस चुनाव में

लगभग आठ प्रतिशत महिलाओं ने अधिक मतदान किया है और यह मोदी की गारंटी का ही परिणाम है कि आज महिलाओं का विश्वास नरेंद्र मोदी से जुड़ चुका है। इस चुनाव में अधिकांश महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नरेंद्र मोदी के पक्ष में किया है। चार जून को सारी बातें स्पष्ट हो जाएगी और विपक्ष की सारी खटखट और फटाफट धारी की धरी रह जाएगी।

वहीं कांग्रेस के 295 सीट से अधिक वाले बयान को गिरिराज सिंह ने थेथरोलॉजी करार देते हुए कहा है कि आज सभी सर्वे एजेंसियां 400 के आसपास एनडीए की बढ़त को बता रही है तो वहीं कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के लोग थेथरलॉजी से बाज नहीं आ रहे।

गिरिराज सिंह ने एक बार फिर जहां ममता बनर्जी को आरे हाथों लेते हुए संदेशखाली की घटना पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि बंगाल की जनता का अब ममता बनर्जी से विश्वास उठ गया है और यही वजह है कि आज बंगाल में भी भाजपा बहुमत से आगे जा रही है। तो उन्होंने कहा कि आज सभी एजेंसियों ने एनडीए गठबंधन को 400 के आसपास की बढ़त बताई है और यह सिर्फ मोदी की गारंटी का ही परिणाम है।

बिहार में शिक्षकों को 28 दिनों की राहत

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक अवकाश पर

पटना (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार कारण यह है कि वह 28 दिनों की लंबी छुट्टी पर जा रहे हैं। उन्होंने छुट्टी की अर्जी लगाई थी। काफी विचार विमर्श के बाद बिहार सरकार ने उनकी छुट्टी स्वीकार कर ही ली। सामान्य प्रशासन की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। कहा गया है कि केके पाठक 3 जून से 30 जून तक उपार्जित अवकाश पर रहेंग। 28 दिनों की उपार्जित अवकाश पर वह जा रहे हैं। केके पाठक के छुट्टी पर चले जाने से बाद से मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एस सिद्धार्थ को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का प्रभार दिया गया है।

बता दें कि हाल में ही भीषण गर्मी के कारण सरकारी स्कूलों में 350 से अधिक बच्चे और कई शिक्षकों की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद शिक्षा विभाग ने स्कूल संचालन के समय में

बदलाव कर दिया था। लेकिन, सीएम नीतीश कुमार ने इस आदेश के उलट स्कूल को बंद करने का आदेश जारी कर दिया। सीएम के आदेश के बाद शिक्षा विभाग ने नया आदेश जारी किया। इसमें शिक्षकों को स्कूल आना अनिवार्य कर दिया गया।इस फैसले का खूब विरोध हुआ। भीषण गर्मी के कारण कई शिक्षकों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद केके पाठक का विरोध होने लगा। विपक्ष के नेता केके पाठक के इस्तीफा की मांग करने लगे।

इधर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव 31 मई को सेवानिवृत हो गए। चर्चा थी कि वरीय अधिकारी कन्हैया प्रसाद का एक्सटेंशन चाह रहे थे। लेकिन, नीतीश सरकार ने उन्हें एक्सटेंशन नहीं दिया। आज केके पाठक के अचानक लंबी छुट्टी पर जाने के आवेदन पर मुहर लग गई। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या केके पाठक लंबी छुट्टी के लौटने के बाद शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव बने रहेंगे।

पूर्णिया में दिनदहाड़े चर्चित व्यवसायी की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक चर्चित व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी है। घटना के बाद परिजनों में मातम पसरा है। वहीं, लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना रविवार को भवानीपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर बाजार की है। मृतक व्यवसायी की पहचान गोपाल यदुकार के रूप में की गई हैं।

घटना के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि रविवार को पेंट की दुकान खोलकर वो अपनी

दुकान पर बैठे हुए थे। तभी बाइक सवार दो बदमाश उनकी दुकान पर आए और उनकी कनपटी पर पिस्टल सटा दी। फिर गोली मारकर बाइक से फरार हो गए। भाई ने बताया कि किसी से कोई विवाद नहीं था। गोली कांड को ब्लैक रंग की बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने अंजाम दिया। फिलहाल इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी है और पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गयी है। वहीं, इस घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये हैं। पुलिस सीसीटीवी की मदद से अपराधियों की पहचान और धर-पकड़ में जुटी है।

पीएम मोदी के हनुमान पर सबकी निगाहें

एग्जिट पोल में चिराग पासवान की पार्टी को मिल रही इतनी सीटें

पटना (एजेंसियां)। इस बार पीएम नरेंद्र मोदी के हनुमान चिराग पासवान और उनकी पार्टी पर सबकी निगाहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे। नतीजों से पहले अलग-अलग मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए। आजतक-एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को चार सीटें मिलने की उम्मीद है। हाजीपुर सीट भी चिराग के खाते में जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं इंडिया टीवी के एग्जिट पोल में लोजपा-रामविलास को तीन से चार सीटें मिलने का अनुमान दिखाया है। न्यूज 24 टुडेज चाणक्य का एग्जिट पोल भी चिराग के पक्ष में ही दिख रहा। हालांकि, कुछ चुनावी विश्लेषक चिराग पासवान को पांचों सीट जीतने का अनुमान जता रहे हैं। वहीं कुछ खगड़िया और वैशाली सीट पर नुकसान का दावा भी कर रहे।

लोजपा-आर के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि इस बात में कहीं कोई संदेह नहीं है कि हम लोग बिहार की सभी 40 सीटें जीत रहे हैं। यह सातवां चरण हमलोगों को 400 पार भी कराएगा। एक बात तय है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। हमारी पार्टी भी पांच की पांच सीटें जीत रही है। अभी तो मात्र एग्जिट पोल में ही परिणाम आएं है, पूरी झांकी तो अभी बांकी है। पाटलिपुत्र से एनडीए प्रत्याशी रामकृपाल यादव पर जानलेवा हमला करना कायरतापूर्ण हरकत है। विपक्षी दल और उनके समर्थक अपनी हार देख कर बौखला गए है। प्रशासन से मांग है की ऐसे अपराधियों को जल्द से जल्द चिन्हित कर उचित करवाई करे।

बता दें कि इस बार लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पांच सीटों पर चुनाव रही है। इनमें हाजीपुर, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई लोकसभा सीट शामिल हैं। पिछले चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी सात सीटों पर चुनाव लड़ी थी। सातों पर जीत मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में हाजीपुर सीट से पशुपति कुमार पारस दो लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीते थे। हारने वाले यही शिवचंद्र राम थे। यह सीट दिवंगत रामविलास पासवान की थी और उनके बाद यहां से पशुपति कुमार पारस ने कमान संभाल रखी थी। इस बार चिराग पासवान ने अपना दावा ठोक दिया था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने चिराग पासवान को यह सीट दे भी दी। पशुपति पारस ने पहले विद्रोह जरूर किया लेकिन बाद अपना समर्थन देने का दावा करते रहे। जमुई लोकसभा अपने जीजा अरुण भारती को सौंपने के बाद चिराग पासवान हाजीपुर सीट से चुनावी मैदान में उतरे। ताबड़तोड़ प्रचार-प्रसार किया। पीएम मोदी ने भी यहां चुनावी सभा की। जनता से चिराग के पक्ष में वोट देने की अपील की। चिराग का मुकाबला राजद प्रत्याशी शिवचंद्र राम से है। अब तक आए सभी एग्जिट पोल में चिराग पासवान के जीतने का अनुमान है। चार जून को स्पष्ट हो जाएगा कि मोदी के हनुमान के खाते में यह सीट आती या नहीं।

डेयरी संचालक की गोली मारकर हत्या

बाइक सवार बदमाशों ने घटना को दिया अंजाम

मधेपुरा (एजेंसियां)। मधेपुरा जिले के ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत श्याम गांव में शनिवार की रात एक डेयरी संचालक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान श्याम वार्ड संख्या 10 निवासी शंकर यादव उर्फ छुतहरु यादव के बेटे सौरभ कुमार (22) के रूप में हुई। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल आए परिजनों ने बताया कि सौरभ कुमार श्याम गांव में अपने पुराने घर पर डेयरी चलाता था। शनिवार की रात डेयरी बंद कर वह अपने नए घर पर लौट रहा

था। रास्ते में घर से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। गोली गर्दन में मारी गई और आर-पार निकल गई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी ने घटना की जानकारी ग्वालपाड़ा थाना को दी। जानकारी मिलते ही ग्वालपाड़ा थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया कि सौरभ की दो साल पूर्व शादी हुई थी। उसे एक 6 माह की बेटी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्वालपाड़ा थानाध्यक्ष विजय कुमार पासवान ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों ने अभी आवेदन नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com